जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

**Ladybugs for Natural Pest Control ?...**

The ladybug made short work of the pests, and I was able to harvest poppy seeds. The next time you have a bug problem in your garden, seek to attract native ladybugs, a most beneficial bug, and start a bug fight instead of reaching for pesticides

**They Know About Sirius B**

The Dogon Tribe and Sirius B: A Cosmic Mystery Rooted in African Mythology

# 'राहुल की मुख्य समस्या है वे "हैंड्स ऑन" लीडर नहीं हैं'

## और ना ही उनके पास ऐसे नेता हैं, जो भाजपा नेताओं जैसा माइक्रो मैनेजमैंट कर सकें और रणनीति बना सकें

- कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने तो यहाँ तक कहा कि कांग्रेस नेताओं में एसआईआर से निपटने के प्रति ना तो गंभीरता है ना ही इच्छा शक्ति। वे ध्यान भटकाने के लिए सिर्फ दिखावा करते हैं।
- उक्त नेता ने कहा, ऐसे नेताओं की वजह से जिला स्तर पर सशक्त अध्यक्ष नियुक्त करने का राहुल का सपना भी बदहाल है। क्योंकि ये नेता खुद मैदान छोड़ना नहीं चाहते और ना ही नए लोगों को आगे आने देना चाहते हैं, वे सिर्फ अपने वफादारों को ही नियुक्त करवाना चाहते हैं, ताकि नियंत्रण उनके हाथों में रहे।
- एसआईआर के मसले पर बुलाई गई 12 राज्यों के पार्टी पदाधिकारियों की बैठक से ऐसा लगता है कि कांग्रेस के लिए बिहार की हार "रात गई बात गई" की तरह है। बिहार की हार पर चिंतन मनन तो दूर बिहार के नेताओं को बुलाकर कारण तक नहीं पूछे गए।

**- रेणु मित्तल-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। बिहार में मिली हार से ध्यान हटाने और यह दिखाने के लिए कि कांग्रेस नेतृत्व आने वाले साल में विभिन्न राज्यों में होने वाले चुनावों और उनसे जुड़े मुद्दों पर सक्रिय है, कांग्रेस ने आज एसआईआर पर एक बैठक की। इसमें उन 12 राज्यों के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों को बुलाया गया, जहाँ चुनाव आयोग ने एसआईआर लागू किया है।

बिहार में क्या गलत हुआ, किसकी ज़िम्मेदारी थी, किसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए-इन सवालों पर न तो कोई विश्लेषण हुआ, न आत्ममंथन, न तथ्य-जांच, न चिंतन-मनन। ऐसा लग रहा है, मानो रात गई, बात गई वाला रवैया अपना लिया गया है।

बिहार के नेताओं को दिल्ली बुलाकर यह पूछने की भी ज़रूरत नहीं समझी गई कि वहाँ ऐसी स्थिति क्यों बनी और पार्टी 61 में से सिर्फ 6 सीटें ही क्यों जीत पाई। पीसीसी अध्यक्ष और सीएलपी अध्यक्ष दोनों चुनाव हार गए, जहां पूर्व पीसीसी अध्यक्ष, जिन्हें राहुल गांधी और उनकी टीम ने तेजस्वी यादव और आरजेडी के क़रीब होने के कारण निशाना बनाया था, अब कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ बोल रहे हैं।

पार्टी ने तय किया है कि दिसंबर की शुरुआत में रामलीला मैदान में एसआईआर मुद्दे पर एक बड़ी रैली की जाएगी।

जब मुकुल वासनिक ने निचले स्तर प्रभारी तक सभी स्तरों पर जवाबदेही तय करने की बात उठाई, तो कहा गया कि हाँ, यह किया जाना चाहिए।

ब्लॉक स्तर पर संगठन पूरी तरह बिखरा हुआ है, और संगठन को दुरुस्त करने की कोई कोशिश नहीं हुई है।

राहुल गांधी का सपना था कि ज़िले के अध्यक्ष पूरी ताकत और अधिकार के साथ नियुक्त हों, लेकिन यह सपना भी बदहाल अवस्था में है। राज्य के वरिष्ठ नेता मैदान छोड़ना नहीं चाहते और वे नए लोगों को आगे आने नहीं दे रहे। सभी ने मिलकर यही सुनिश्चित किया है कि उनके ही वफादारों को पद मिले, ताकि नियंत्रण उन्हीं के पास रहे।

एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, कांग्रेस नेताओं में एसआईआर के मसलों से निपटने का न तो विवेक है न ही गंभीरता और न ही इच्छा शक्ति, वे

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# चिली की पूर्व राष्ट्रपति को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। चिली की पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता मिचैल बाचलै को शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए 2024 का इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

पुरस्कार समारोह बुधवार को यहां जवाहर भवन राजेन्द्र प्रसाद रोड में आयोजित किया जाएगा। पुरस्कार के तहत 25 लाख रुपए की राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन की अध्यक्षता वाले

- दिल्ली के जवाहर भवन में सोमवार को पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल ने प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता तथा चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिचैल बाचलै को 2024 के इस पुरस्कार के लिये चुना था। उन्हें कल यहां आयोजित समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। समारोह में कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित, कई प्रमुख नेताओं के मौजूद रहने की संभावना है।

# 20 नवंबर को दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे नीतीश

## पटना के गांधी मैदान में होगा भव्य समारोह, प्र.मंत्री मोदी भी शामिल होंगे

- स्पीकर का पद तो भाजपा ने येन-केन-प्रकारेण हासिल कर लिया है। पर, जद (यू) गृह मंत्रालय छोड़ने को तैयार नहीं है। गत सरकार में गृह मंत्रालय नीतीश कुमार के पास ही था।
- पिछली बार भाजपा के 74 विधायक थे और जद (यू) के 43, इसलिए तब भाजपा के पास 22 मंत्री पद थे और जद (यू) के पास 12 मंत्री ही थे। पर, इस बार जद (यू) की सीटें (85), भाजपा की सीटों (89) के बराबर हैं। इसलिए जद (यू) ज्यादा समझौता नहीं करेगी।
- यही नहीं, इस बार सहयोगी दलों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है और उनकी भी मांग बढ़ी है। चिराग पासवान ने अपनी पार्टी के लिए तीन पद मांगे हैं, उन्हें दो के लिए मनाने की कोशिश की जा रही है।

**-श्रीनंद झा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 18 नवंबर। विधानसभा अध्यक्ष का पद भाजपा को दिए जाने के बारे में फैसला हो जाने के बाद, अब सवाल यह है कि जनता दल (यू) 20 नवंबर को नए बिहार मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण से पहले, गृह विभाग अपने पास रखना सुनिश्चित कर पाएगा या नहीं।

सरकार के गठन से पहले, जेडीयू के वरिष्ठ नेता संजय झा और लल्लन सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा भी मौजूद थे। समझा जाता है कि भाजपा नेताओं ने साफ कह दिया है कि पार्टी विधानसभा अध्यक्ष का पद नहीं छोड़ेगी, और साथ ही, उन्होंने गृह विभाग भी भाजपा को देने की मांग की है। पिछली सरकार में यह विभाग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास था।

शपथ ग्रहण समारोह पटना के गांधी मैदान में पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान जैसे शीर्ष भाजपा नेता मौजूद रहेंगे। ये नेता बुधवार को पटना पहुँचेंगे।

नई सरकार में भाजपा को 16 मंत्री पद मिलेंगे और जेडीयू को 14, इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अलग

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# थरुर ने फिर मोदी के कसीदे पढ़े, कांग्रेस तिलमिलाई

## कांग्रेस नेता शशि थरुर ने एक्स पर लिखी पोस्ट में प्र.मंत्री मोदी के भाषण की जोरदार तारीफ की और कहा कि वे श्रोताओं में शामिल थे, इस पर उन्हें गर्व है

- तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद ने बताया कि उन्हें दिल्ली में एक प्राइवेट इवैंट में बुलाया गया था और उस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का भाषण भारत की आर्थिक सोच और विकास के प्रति राष्ट्र की व्यग्रता को दर्शाता है।
- कार्यक्रम के वीडियो में शशि थरुर भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद व पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आज़ाद के साथ बैठे नज़र आए।
- थरुर कई बार प्रधानमंत्री की तारीफ कर चुके हैं, जिससे इन अटकलों को हवा मिल रही है कि वे कांग्रेस छोड़ने की तैयारी में हैं।

**-जाल खंबाता-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फिर तारीफ़ कर दी, जिससे मंगलवार को पार्टी नेतृत्व उनसे एक बार फिर नाराज़ हो गया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने बताया कि उन्हें दिल्ली के एक निजी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, जहाँ प्रधानमंत्री ने भाषण दिया। प्रधानमंत्री ने "विकास के लिए भारत की रचनात्मक बेचैनी" और "औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर आगे बढ़ने" की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

थरूर के अनुसार, प्रधानमंत्री ने "इस बात पर जोर दिया कि भारत अब सिर्फ एक 'उभरता हुआ बाज़ार' नहीं, बल्कि दुनिया के लिए एक 'उभरता हुआ मॉडल' बन चुका है।" दुनिया ने भारत की मज़बूत अर्थव्यवस्था को महसूस किया है, जिसने महामारी जैसे वैश्विक संकट और यूक्रेन संघर्ष के समय भी अपने अस्तित्व को संभाले रखा।

थरूर के अनुसार, "प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि लोग उनपर हमेशा चुनाव मोड में रहने का आरोप लगाते हैं... लेकिन वास्तव में वे जनता की समस्याएँ दूर करने के लिए भावनात्मक मोड में थे।" प्रधानमंत्री का भाषण मुख्य रूप से भारत की शिक्षा प्रणाली पर उपनिवेशवाद के प्रभाव पर केन्द्रित था।

कार्यक्रम की तस्वीरों में थरूर भाजपा नेता और पूर्व कानून मंत्री

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# बिहार में भाजपा विधायक दल के नेता का चुनाव आज

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संसदीय बोर्ड ने मंगलवार को बिहार में पार्टी विधायक दल का नेता चुनने के लिये वरिष्ठ पार्टी नेता और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पर्यवेक्षक, केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल और पूर्व केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजना ज्योति को

- भाजपा संसदीय बोर्ड ने केशव प्रसाद मौर्य को पर्यवेक्षक नियुक्त किया।

सह पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

इन तीनों नेताओं की मौजूदगी में बुधवार को पटना में भाजपा दल का नेता चुना जाएगा। ज्ञात रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 89 सीटें जीती हैं।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा के विधायक दल की बैठक बुधवार को होगी। इसके बाद केन्द्रीय पर्यवेक्षक केशव प्रसाद मौर्य और सह पर्यवेक्षक अर्जुन मेघवाल और ज्योति निरंजना की मौजूदगी में विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इन नेताओं को बिहार भाजपा

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'अमेरिका के साथ ट्रेड एग्रीमैंट में जल्दी ही "गुड न्यूज़" मिल सकती है'

## वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इण्डो यूएस इकोनॉमिक समिट को संबोधित करते हुए दावा किया

- इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में उन्होंने यह भी कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत को अपने किसानों, मछुआरों के हितों की सुरक्षा करनी होगी, जैसे ही कोई संतुलित व निष्पक्ष समझौता होगा, उसे फाइनल कर दिया जाएगा।
- सूत्रों ने कहा कि अमेरिका से एलपीजी खरीदने की डील होने के बाद ट्रेड डील की संभावना बढ़ गई है। पर, अब भी इसमें कई किंतु-परन्तु हैं, क्योंकि मोदी सरकार पर अमेरिका का भारी दबाव है, कृषि व डेयरी सैक्टर खोलने के लिए।
- भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों पर भी गोयल ने कहा कि परिवार में कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक होती रहती है।

**-डॉ. सतीश मिश्रा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 18 नवंबर। अमेरिका से लंबे समय तक एलपीजी खरीदने पर सहमति बनने के बाद, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज उम्मीद जताई कि भारत जल्द ही संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर अच्छी खबर सुना सकता है। उन्होंने सावधानी बरतते हुए कहा कि यह तभी होगा, जब यह समझौता न्यायसंगत, उचित और संतुलित होगा।

सूत्रों ने बताया कि अमेरिकी बाजार से एलपीजी खरीदने की भारत की सहमति के बाद शीघ्र ही व्यापार समझौते की संभावना बढ़ गई है, लेकिन अभी भी कई अड़चनें बनी हुई हैं, क्योंकि मोदी सरकार पर अमेरिका के कृषि और डेयरी उत्पादों के लिए घरेलू बाजार खोलने का भारी दबाव है।

गोयल ने जोर देकर कहा कि इस समझौते में किसानों और मछुआरों के हित सुरक्षित रखे जाएंगे। उन्होंने कहा, "व्यापार समझौते के लिए बातचीत एक प्रक्रिया है और भारत को, एक राष्ट्र के रूप में, किसानों, मछुआरों और छोटे उद्योगों के हितों की रक्षा करनी ही होगी।"

इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इंडो-यूएस आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने विस्तार से बताया कि "भारत को एक राष्ट्र के रूप में, अपने हितों की रक्षा करनी ही है, अपने सभी हितधारकों और कारोबारों के हितों की सुरक्षा करनी है और इसे किसानों, मछुआरों और छोटे उद्योगों के प्रति संवेदनशीलता के साथ संतुलित रखना हैं।"

उन्होंने कहा कि "जब हमें सही संतुलन मिल जाएगा, तब निश्चित रूप से अच्छे नतीजे मिलेंगे। जब यह समझौता न्यायसंगत, उचित और संतुलित हो जाएगा, तब आपको अच्छी खबर सुनने को मिलेगी।"

भारत और अमेरिका मार्च से इस प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं और अब तक छह दौर की चर्चा पूरी हो चुकी है।

गोयल ने भरोसा दिलाया कि भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर चिंता की कोई वजह नहीं है। गोयल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के भारत के प्रति दबाव बनाने वाले तथा अपमानजनक रवैये को हल्का करने की कोशिश करते हुए कहा, "परिवार में कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक हो

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# अल फलाह ग्रुप का मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। ईडी ने मंगलावर को अल फलाह ग्रुप के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएल), 2002 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई अल फलाह से जुड़े परिसरों पर हाल ही में हुई सर्च कार्रवाई के दौरान मिले

- ईडी ने अल फलाह ग्रुप के मालिक जावेद सिद्दीकी को प्रिवैन्शन ऑफ मनी लाँड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

सबूतों और विस्तृत जांच के आधार पर की गई है। यह मामला ईडी द्वारा दर्ज ईसीआईआर से जुड़ा है, जिसकी जांच इन दिनों जारी है।

ईडी ने अल फलाह ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई दो एफआईआर के आधार पर शुरू की थी, जो दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दर्ज की थीं। इन एफआईआर में आरोप है कि फरीदाबाद

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'एआई का "ओवर वैल्युएशन" बाज़ार को गिरा सकता है'

## गूगल के सीईओ सुदंर पिचाई ने चेतावनी दी

- उन्होंने ओपन एआई के चैट बॉट चैट जीपीटी का उदाहरण दिया, जिसका मूल्य निवेशकों द्वारा 1.4 ट्रिलियन डॉलर आंका जा रहा है, जबकि उसके कामकाज पर इस राशि का एक हजारवां हिस्सा भी खर्च नहीं होता। पिचाई ने सवाल उठाया, यह स्टार्ट अप निवेशकों की उम्मीदों पर कैसे खरा उतरेगा।
- अमेरिकन इन्वेस्टमैंट बैंक जे.पी. मॉर्गन के चीफ जैमी डिमन भी चेतावनी दे चुके हैं कि एआई स्टार्ट अप के "ओवर वैल्युएशन" से बाज़ार फिसल सकता है। उन्होंने कहा, एआई बुलबुले के फूटने का असर बड़े पैमाने पर बाज़ार में दिखेगा।

**- अंजन रॉय-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। मशहूर भारतीय टैक विशेषज्ञ सुंदर पिचाई ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (ए.आई.) को लेकर फैली हुई उम्मीदों पर कुछ सच्ची और सावधान करने वाली बातें कही हैं। उनका कहना है कि छोटे ए.आई. स्टार्टअप्स के अत्यधिक उच्च मूल्यांकन में किसी भी तरह की गिरावट टैक्नॉलजी क्षेत्र में व्यापक गिरावट ला सकती है।

दुनिया भर के शेयर बाज़ारों ने ए.आई. कंपनियों को अत्यधिक ऊँची कीमत दी है, जबकि उनकी असली कामकाज की क्षमता उसके आसपास भी नहीं पहुँचती।

उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि "ओपन ए.आई." जो अपने ए.आई. चैटबॉट "चैट जीपीटी" की वजह से विश्वभर में मशहूर हुआ, आज निवेशकों द्वारा 1.4 ट्रिलियन डॉलर का आंका जा रहा है, जबकि उसके अपने कामकाज (ऑपरेशन्स) उस आंकड़े का एक हज़ारवाँ हिस्सा भी नहीं हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि यह स्टार्टअप आगे कैसे इस आसमान छूती वैल्यूएशन को सही ठहराएगा और निवेशकों की उम्मीदों पर कैसे खरा उतरेगा।

सुंदर पिचाई के अलावा वित्त जगत के एक बड़े नाम, अमेरिकी निवेश बैंक जेपी मॉर्गन के प्रमुख जैमी डिमन ने भी चेतावनी दी थी कि ए.आई. स्टार्टअप्स की वैल्यूएशन में किसी गिरावट से पूरा बाज़ार फिसल सकता है। डिमन ने कहा था कि ए.आई. बुलबुले के फटने का असर जल्दी ही व्यापक बाज़ार में दिखने लग सकता है।

सुंदर पिचाई ने यह बातें बीबीसी को गूगल मुख्यालय में दिए गए एक इंटरव्यू में कहीं। पिचाई ए.आई. के बड़े समर्थक हैं और मानते हैं कि यह नई सफलता प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नए लाभ ला सकती है, जो अर्थव्यवस्था में उच्च दक्षता में भी तब्दील हो सकती है।

लेकिन कई विशेषज्ञों का मानना है कि ए.आई. जहाँ नई संभावनाएँ पैदा करेगा, वहीं यह बड़ी संख्या में नौकरियों को ख़त्म भी कर सकता है। इसलिए ज़रूरी होगा कि लोगों को अपने कौशल अपग्रेड करने होंगे ताकि वे ए.आई. तकनीक के साथ तालमेल बैठा सकें।

पिचाई की कंपनी गूगल और उसकी पैरेंट कंपनी एल्फाबैट ए.आई. में बहुत बड़ा निवेश कर चुकी हैं। गूगल को ए.आई. से फायदा भी मिला है और अब उसे ए.आई. दौड़ में पीछे नहीं माना जा सकता। लेकिन अगर इतनी भारी रकम लगाने के बाद ए.आई. अपनी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, तो इसका उल्टा असर भी हो सकता है।

कुछ विशेषज्ञ शेयर बाज़ार के मूल्यांकन में ए.आई. सैगमैंट के बढ़ते मूल्य की तुलना 1990 के दशक के शुरु में "डॉट कॉम बबल" के फूटने की घटना से कर रहे हैं, जब इंटरनेट कंपनियों की ऊँची उम्मीदों के चलते उनका मूल्य तेजी से बढ़ा था, और इन कंपनियों का बाज़ार मूल्यांकन आसमान छूने लगा, लेकिन बाद में वही गिरकर बड़ी तबाही का कारण बना।

अमेरिकी फैडरल रिज़र्व के उस समय के चेयरमैन एलन ग्रीनस्पैन ने डॉटकॉम कम्पनियों के इर्द गिर्द शेयर बाज़ार में आई तेजी को "अतार्किक उत्साह" का उदाहरण बताया था, जब कंपनियों की कीमत में उछाल ज़मीन पर हो रही असल गतिविधियों से बिल्कुल मेल नहीं खाता था। हल्के नियमन और अत्यधिक भरोसे ने बाजार को जरूरत से ज्यादा गर्म कर दिया था।

आख़िरकार इसका नतीजा भारी गिरावट के रूप में निकला, जिसे "डॉट कॉम बर्स्ट" कहा गया। छोटी टैक कंपनियों की गिरावट का असर पूरे बाजार पर पड़ा, और अर्थव्यवस्था को इस नुकसान से उबरने में कई साल लगे।

सुंदर पिचाई के इंटरव्यू में फिलहाल उन्होंने केवल तकनीकी क्षेत्र

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# प्र.मंत्री मोदी से मिले पुतिन के सहायक

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अगले महीने भारत यात्रा पर आने से पहले, उनके सहायक और रूसी समुद्री बोर्ड के अध्यक्ष निकोलाई पात्रुशेव ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र

- प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर मुलाकात का जिक्र किया और कहा कि वे पुतिन से मिलने को उत्सुक हैं जो अगले माह भारत आ रहे हैं।

मोदी से मुलाकात की।

इस भेंट के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा," राष्ट्रपति के सहयोगी और रूस के समुद्री बोर्ड के अध्यक्ष निकोलाई पात्रुशेव का स्वागत करते हुए मुझे प्रसन्नता हुई। हमने समुद्री क्षेत्र में सहयोग पर उपयोगी चर्चा की, जिसमें संपर्क, कौशल विकास, जहाज निर्माण और नीली अर्थव्यवस्था में सहयोग के नए अवसर शामिल थे।"

## विचार बिन्दु

**नम्रता सारे सद्गुणों का दृढ़ स्तम्भ है। –कन्फ्युशन**

# जयपुर शहर सवाया: क्या से क्या हो गया!

जयपुर शहर नहीं, महाराजा सवाई जयसिंह का सपना था जिसे विद्याधर ने ज़मीनी हक़ीकत में तब्दील किया। इस नगर का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। यह नगर कभी अपनी योजनाबद्ध बसावट, इमारतों के गुलाबी रंग, चौडी सड़कों, सुंदर हवेलियां और शालीन जीवनशैली के लिए पूरी दुनिया में मशहूर था। विदेशी पर्यटक इसे पिंक सिटी और भारतीय गर्व से भारत का पेरिस कहा करते थे। आज वही नगर गंदगी, अव्यवस्था, बेतरतीब कॉलोनियों और अनियंत्रित ट्रैफिक की भीड़ में कहीं खो गया है। जिस नगर की योजना 18वीं सदी में ऐसी वैज्ञानिक सोच के साथ बनाई गई थी कि जिसे यूरोप के शहरी नियोजक भी मिसाल मानते थे, आज वह अपने ही प्रशासकों, योजनाकारोंऔर बासिन्दों की लापरवाही, लालच और विफलता के कारण बेनूर हो रहा है। महाराजा सवाई जयसिंह ने 18 नवंबर 1727 को जब जयपुर की नींव रखी, तब इतिहास के झंझावात के काल में भी इस नगर को विज्ञान, कला और अनुशासन का संगम बनाने की कोशिश की थी। वास्तुशास्त्र और खगोलशास्त्र के सिद्धांतों पर बसाया गया यह नगर भारत का पहला नियोजित शहर था। चौड़ी सड़कों, समकोणीय गलियों, संगमरमर के आंगन वाले मंदिरों, व्यवस्थित मौहल्लों और बाजारों ने इस शहर को एक अद्भुत पहचान दी। कभी जयपुर का हर चौक, हर रास्ता और हर दरवाज़ा एक अर्थ रखता था। शहर का जीवन अनुशासित था, और नागरिकों में स्वच्छता और सभ्यता की एक लय थी। लेकिन आज यह लय टूटी हुई है – शहर का सौंदर्य, उसकी आत्मा और उसकी पहचान राजनीति और प्रशासनिक छल-कपट की आंधी में खो गई है। कोई 48 साल पहले जनता पार्टी सरकार ने जबरदस्त धूम-धाम के साथ जयपुर के स्थापना दिवस की द्विशती मनाई थी। तभी से प्रति वर्ष इस दिन उत्सव मनाने की परंपरा शुरू हुई जो अब भी जारी है। इन वर्षों में बहुत कुछ बदल गया और अब यह सालाना उत्सव भी रस्म अदायगी बन कर रह गया है। मगर नगर का स्थापना दिवस आता है तब इस नगर का इतिहास और वर्तमान एक साथ खड़े होकर सबसे सवाल करते हैं, मगर जवाब देने वाला कोई नहीं है।

जयपुर का निर्माण केवल इमारतों का नहीं, बल्कि एक सोच का परिणाम था। सवाई जयसिंह ने खगोलशास्त्रियों, वास्तुविदों और इंजीनियरों की सलाह लेकर एक ऐसी नगरी की कल्पना की थी, जहां हर सड़क, हर चौक और हर मोहल्ला एक गणितीय संतुलन का ही नहीं बल्कि सामाजिक समरसता का प्रतीक हो। नौ खंडों में विभाजित नगर का ढांचा ब्रह्मांड के नवग्रहों की तरह योजनाबद्ध था, मानो धरती पर आकाश का प्रतिबिंब उतारा गया हो। वह जयपुर, जहां सड़कें सीधी और चौडी थीं, जिस पर गाड़ियां खींचने वाले चलते पशुओं की लीद तुरंत हटा लेने के लिए कर्मचारी लगे रहते थे, जहां जल निकासी की विशाल अनोखी व्यवस्था थी, जहां भवनों की ऊँचाई, रंग और स्वरूप एकरूप थे, वह नगर आज अपनी बढ़ी हुई आबादी में घुट रहा है। समय-समय पर सरकार द्वारा किए गए लीपा-पोती के फेसलिफ्ट प्रोजेक्ट केवल ऊपरी चमक प्रदान करते हैं, लेकिन भीतर की सड़न जस की तस बनी रहती है। अवैध निर्माण ऐतिहासिक इमारतों को निगल रहे हैं, और वर्ल्ड हेरिटेज सिटी का तमगा अब एक बोझ जैसा प्रतीत होता है। हवामहल से बड़ी चौपड़ तक कहने को हेरिटेज ज़ोन बना दिया गया है जो जाम, तारों के जाल, अवैध ठेलों और बेढंगी होर्डिंग्स से पटा हुआ है। जयपुर आज 'स्मार्ट सिटी' कहलाने की दौड़ में तो शामिल है, पर वास्तविकता यह है कि शहर अनियंत्रित और बेतरतीब विस्तार का शिकार हो चुका है। जयपुर का फैलाव योजनाबद्ध नहीं, विस्फोटक रहा है। शहर के चारों ओर – जगतपुरा, वैशाली नगर, कालवाड़ रोड, अजमेर बाईपास, सांगानेर बाइपास – हर जगह कॉलोनियां पसर गई हैं, जिनमें न सड़कें ठीक हैं, न सीवरेज, न जल निकासी। यहां तक कि विशेष रूप से विकसित झालाना संस्थानिक क्षेत्र में भी सीवरेज की कोई व्यवस्था नहीं है। भू-माफियाओं और भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत ने इस शहर की मूल आयोजना को ही नष्ट कर दिया है। अदालतों के आदेशों की अनदेखी करते हुए विधि सम्मत नगर-नियोजन को दरकिनार करने में शासन में बैठे राजनेताओं को कोई गुरेज नहीं रहा।

> **जयपुर को फिर से भारत का पेरिस बनाना असंभव नहीं है, पर इसके लिए कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जिम्मेदारी दोनों सिरे से नदारद है। जन प्रतिनिधियों को तय करना होगा कि जयपुर को स्मार्ट दिखाना भर हैं या वास्तव में उसे जीवंत, सुंदर और व्यवस्थित बनाना हैं। कहते हैं आशा अमर धन। आशा बनी हुई है। जरूरत है एक स्पष्ट दृष्टि की - एक ऐसी दृष्टि जो स्वार्थ नहीं, स्थायित्व देखे। कठोर शहरी अनुशासन हो, अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर समझौता नहीं, सख्ती हो।**

जयपुर की जनसंख्या पिछले चार दशकों में पांच गुना बढ़ चुकी है, लेकिन उसकी बुनियादी सुविधाएं लगभग उसी स्तर पर अटकी हैं। जयपुर नगर निगम का हेरिटेज और ठोटर में विभाजन प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि भ्रमजाल का नया रूप बन गया। जयपुर विकास प्राधिकरण की भूमिका नगर नियोजन से अधिक सरकारी अमले का पेट भरने की रह गई है। मास्टर प्लान बने, पर लागू नहीं हुए। अवैध कॉलोनियां नियमित कर दी गईं, हरे क्षेत्र पक्के हो गए, और अतिक्रमण ने हर दिशा में शहर की सांसें रोक दीं। कोई 63 वर्ष पहले भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाडिय़ा को सलाह दी थी कि जयपुर को बड़ा शहर होने की बीमारी से बचाइये। यह सुन्दर शहर हमारी धरोहर है। मगर उस पर ध्यान नहीं दिया गया। पर्यावरणीय दृष्टि से स्थिति और भी भयावह है। अरावली की पहाड़ियां जम कर कटी हैं। खनन माफियाओं ने नगर के पास की पहाड़ियों को प्रशासन की नाक के नीचे बुरी तरह छीला है। नाहरगढ़ और गलता के जंगल विकास की भेंट चढ़ चुके हैं जहां अमीर लोग अपने आशियाने बना रहे हैं और मानसागर झील फिर से प्रदूषण की गिरफ्त में है।

जयपुर शहर अपनी विरासत से जितना दूर जा रहा है, उतना ही खोखला होता जा रहा है। पारंपरिक कारीगर और बुनकर धीरे-धीरे गायब हो रहे हैं। जयपुर की आत्मा – उसका धीमा, शालीन और कलात्मक चरित्र – अब शॉपिंग मॉल्स और बिल्डरों के शोर में खो गया है। किसे दोष दिया जाय? प्रशासन को दोष देना आसान है, पर अधूरा है। अव्यवस्था में नागरिकों की लापरवाही भी उतनी ही जिम्मेदार है। जयपुर की दुर्दशा का सबसे बड़ा कारण केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि यहां के नागरिक भी हैं उतने ही हैं जो चाहते हैं उनका काम कोई और करे। सड़कों पर फैला कचरा, प्लास्टिक की थैलियां, अवैध पार्किंग, फुटपाथों पर दुकानें – ये सब जनता की ही देन हैं। सड़कों पर कचरा फेंकना, यातायात नियम तोड़ना, अवैध निर्माण करवाना, और हर सरकारी योजना में अपने स्वार्थ ढूंढना आम बात हो गई है। जब जनता ही लापरवाह हो जाए, तो कोई भी शहर अपनी आत्मा कैसे बचा सकता है। यह विडंबना है कि जिस शहर को यूनेस्को ने वर्ल्ड हेरिटेज सिटी का दर्जा दिया, उसके स्थानीय लोग उसकी धरोहरों के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। हवामहल, आमेर, जंतर-मंतर – ये सब अब सिर्फ टूरिस्ट स्पॉट रह गए हैं, भावनाओं का हिस्सा नहीं। लेकिन प्रशासन की निष्क्रियता इस स्थिति को और भी भयावह बना देती है। योजनाएं बनती हैं, बजट पास होता है, उद्घाटन होते हैं, पर ज़मीन पर कुछ नहीं दिखाता। जवाबदेही शून्य है, और विकास केवल पोस्टर पर दिखता है। जयपुर का ट्रैफिक आज किसी बुरे सपने से कम नहीं। शहर के प्रमुख मार्ग – जेएलएन मार्ग, टोंक रोड, अजमेर रोड, सिरसी रोड – हर दिन जाम से जूझते हैं। प्रत्येक ट्राफिक सिग्नल से गुजरने में तीन-तीन बार तक ट्राफिक लाइट के बदलने को झेलना पड़ता है। फुटपाथ पर अतिक्रमण, अवैध पार्किंग, और वाहनों की अनियंत्रित बढ़ोतरी ने शहर को एक बड़ा गैरेज बना दिया है। कॉलोनियों में सड़क के दोनों ओर घरों के बाहर चार पहिया वाहनों की पार्किंग के चलते बीच में इतनी ही जगह बचती है कि केवल एक गाडी निकाल सके। दिल्ली और मुंबई के बाद जयपुर का प्रदूषण स्तर तेजी से बढ़ रहा है। धूल, धुआं और शोर अब इस शहर के स्थायी साथी बन चुके हैं। जिस शहर की पहचान कभी स्वच्छ और हवादार के रूप में थी, वह अब साँस लेने लायक भी नहीं रह गया है। जयपुर की असली पहचान उसकी संस्कृति थी – संगीत, हस्तशिल्प, पारंपरिक वास्तुकला, और लोक जीवन। लेकिन आज यह संस्कृति इतिहास बन चुकी है। केवल कुलीनों के मनोरंजन के लिए आरआईसी, जेकेके या विलासिता वाले बड़े होटलों में बाज़ार की ताकतें भोंडे तरीके से इन्हें प्रस्तुत कर रही है।

जयपुर को फिर से भारत का पेरिस बनाना असंभव नहीं है, पर इसके लिए कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जिम्मेदारी दोनों सिरे से नदारद है। जन प्रतिनिधियों को तय करना होगा कि जयपुर को स्मार्ट दिखाना भर हैं या वास्तव में उसे जीवंत, सुंदर और व्यवस्थित बनाना हैं। कहते हैं आशा अमर धन। आशा बनी हुई है। जरूरत है एक स्पष्ट दृष्टि की – एक ऐसी दृष्टि जो स्वार्थ नहीं, स्थायित्व देखे। कठोर शहरी अनुशासन हो, अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर समझौता नहीं, सख्ती हो। विरासत संरक्षण को केवल रंगाई-पुताई तक सीमित न रहे, जल निकासी व्यवस्था को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित किया जाए। यातायात सुधार के लिए मेट्रो, बस, साइकिल और पैदल मार्गों का एकीकृत तंत्र विकसित करना होगा। कचरा प्रबंधन में जनता की भागीदारी हो। और सबसे ज़रूरी – नागरिक जागरूकता। जब तक जयपुर का हर निवासी अपने शहर को अपना परिवार नहीं मानेगा, तब तक कोई भी योजना सफल नहीं हो सकती। इसलिए जयपुर का स्थापना दिवस उत्सव का नहीं, आत्ममंथन का अवसर होना चाहिए। जयपुर को फिर गुलाबी नगर के रूप में स्थापित करना है – रंग से नहीं, सोच से। यह तभी संभव है जब सरकार सजावटी प्रचार के बजाय सुधार पर ध्यान दे, और नागरिक शिकायत के बजाय सहभागिता को अपनाएं। सभी मन से यह करें तब यह शहर फिर से वह बन सकेगा, जिसकी दुनिया दीवानी थी।

**–अतिथि संपादक,**
**राजेन्द्र बोड़ा**
**( वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक )**

# मौलिक कर्तव्यों में राष्ट्रीय गीत सम्मिलित करें

**सूर्यप्रताप सिंह राजावत**

संविधान सभा में बहस के दौरान डॉ. अंबेडकर ने संवैधानिक नैतिकता के बारे में कहा था कि किसी भी देश के नागरिकों में संवैधानिक नैतिकता का समावेश होना आवश्यक है। वास्तव में, संवैधानिक नैतिकता मौलिक कर्तव्यों के सिद्धांत से कहीं अधिक है। मौलिक कर्तव्यों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 में वर्णित किया जा सकता है। दूसरी और संवैधानिक नैतिकता संविधान में आस्था को समाहित करती है। संवैधानिक नैतिकता का एक अन्य पहलू विधि के शासन के प्रति सम्मान है। भारत में संसद और राज्य विधानमंडलों जैसे विधायिकाओं द्वारा बनाए गए कानूनों का पालन करने में विधि के शासन के प्रति सम्मान परिलक्षित होता है।

इस पृष्ठभूमि में यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि भारत के नागरिक को राष्ट्रगान- जन गण मन गाने में गर्व महसूस होता है। भारत के संविधान के भाग -क में मौलिक कर्तव्यों की भावना को कायम रखते हुए, अनुच्छेद 51 ए (ए) में भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों और संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना बताया गया है।

भारत का नागरिक कानून का पालन करने वाली नागरिकता का अनुभव करता है क्योंकि राष्ट्रगान के गायन का सम्मान करने को राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत कानूनी संरक्षण प्राप्त है। धारा 3 में तीन साल तक की कैद या जुर्माना, या दोनों का प्रावधान है। दुबारा अपमान करते पाए जाने पर पर कम से कम एक साल की कैद का प्रावधान है। अपराध संज्ञेय होने के कारण, राष्ट्रगान के अपमान के लिए प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है।

लेकिन जब बात राष्ट्रगीत – वंदे मातरम के गायन की आती है तो भारत के नागरिकों के एक वर्ग को, आजादी के सात दशक बाद भी, राष्ट्रगीत गाने के लिए पर्याप्त साहस जुटाना पड़ता है। वह राष्ट्रगीत के गायन पर संवैधानिक नैतिकता की मुहर लगाने में विफल रहता है। आज भारत के विद्यमान कानून के अनुसार, राष्ट्रगीत को राष्ट्रगान के बराबर स्थान और सम्मान न तो भारत के संविधान में मौलिक कर्तव्यों के रूप में और न ही केंद्रीय अधिनियम 1971 में दिया गया है। अधिनियम 1971 का शीर्षक स्वयं स्पष्ट है। यह बताता है कि यह राष्ट्रीय सम्मान की संस्थाओं के सम्मान को बनाए रखने का इरादा रखता है। यह अन्य बातों के साथ-साथ राष्ट्रगान का उल्लेख करता है, लेकिन अधिनियम में राष्ट्रगीत का उल्लेख करने में विफल रहता है। भारत के कानूनों में ऐसी व्यवस्था संविधान सभा के प्रस्ताव के विरुद्ध है। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेंद्रप्रसाद ने निम्नलिखित वक्तव्य दिया, जिसे राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत पर अंतिम निर्णय के रूप में भी अपनाया गया:– ...शब्दों और संगीत से बनी रचना जिसे जन गण के नाम से जाना जाता है भारत का राष्ट्रगान जनगनमन है, जिसमें आवश्यकतानुसार सरकार द्वारा परिवर्तन किया जा सकता है, तथा वन्दे मातरम् गीत भी भारत का राष्ट्रगान है। मातरम, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है, को जन गण के समान सम्मान दिया जाएगा। मन और उसके साथ समान दर्जा होगा।अत: 1976 में बयालीसवें संशोधन से भारतीय संविधान में शामिल किए गए मौलिक कर्तव्य, अनुच्छेद 51क (क) में राष्ट्रगीत के बिना अधूरे हैं। अब समय आ गया है कि संविधान संशोधन के माध्यम से मौलिक कर्तव्यों में राष्ट्रगीत को शामिल किया जाए। साथ ही, 1971 के अधिनियम में कुछ संशोधन करके राष्ट्रगीत के सम्मान को बनाए रखने के लिए वैधानिक संरक्षण भी प्रदान किया जाए। राष्ट्रगीत के गायन के बारे में सही धारणा बनाने की सख़्त ज़रूरत है। ऐसे उपाय हमारे राष्ट्रीय गीत – वंदे मातरम – की वैधता, संवैधानिकता और कानूनी स्वीकारिता पर मुहर लगाएँगे।

मौलिक कर्तव्यों और अधिनियम 1971 में राष्ट्रगीत को शामिल करने से देशभक्ति की भावना को बढ़ावा मिलेगा। यह वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ मनाने के तरीकों में से एक हो सकता है। यह पूरे देश में, वर्तमान पीढ़ी में, विशेषकर युवाओं में, राष्ट्रवाद का संदेश देगा। यह भारत के सभी राजनीतिक दलों के लिए एक कसौटी का काम करेगा कि राष्ट्रगीत के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल क्षुद्र राजनीति से ऊपर हैं। राष्ट्रगीत को राष्ट्रगान के समान उचित स्थान और सम्मान मिलना चाहिए, जैसा कि संविधान सभा ने तय किया था। यह भारत के राष्ट्रीय गीत के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जो बलिदान, स्वतंत्रता के लिए संघर्ष, भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक है।

**–सूर्यप्रताप सिंह राजावत,**
**अधिवक्ता, राजस्थान**
**उच्च न्यायालय**

# ओलिगार्कः वैश्विक सत्ता पर धनी उद्यमियों के नियंत्रण की छाया

**सुरेंद्रसिंह शेखावत**

समकालीन विश्व के पूंजीवादी अर्थतंत्र ने पूंजी का केंद्रीयकरण तेज कर दिया है । पूंजीवादी व्यवस्था में पूंजी एक पिरामिड की तरह कुछेक हाथों में सिमटती जाती है। ऑक्सफैम की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक एलॉन मस्क, जैफ बेजॉस, मार्क जुकरबर्ग, जेनसन हुआंग और बर्नार्ड आर्नोल्ट अगले दशक में ये पांच नए ट्रिलियनेयर बन सकते हैं । जिसमें धन की ताकत इन्हें सरकारों से ऊपर कर देगी । इन पर नियंत्रण मुश्किल होगा । इन धनिक लोगों की संभावित ताकत और महत्वकांक्षा ने वैश्विक विमर्श को झकझोर दिया है। यह चेतावनी कोई साधारण आर्थिक पूर्वानुमान नहीं; यह उस भविष्य की झलक है जहाँ अकूत धन कुछ व्यक्तियों को राष्ट्र-राज्यों से ऊपर उठा देगा। विशेष रूप से एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और उसकी सहयोगी स्टारलिंक पर निर्भरता इस खतरे का जीवंत उदाहरण बन रही है। हम एक ऐसे युग की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ अंतरिक्ष-आधारित संचार और अर्थव्यवस्था कुछ मुट्ठी भर उद्यिमयों के हाथों में सिमट जाएगी ।

**धन की असमानता और ट्रिलियनेयर युग की दहलीज**

विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्टें बताती हैं कि अगले दशक में पाँच व्यक्ति ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति पार कर सकते हैं। मस्क की संपत्ति मुख्यत: स्पेसएक्स, टेस्ला और स्टारलिंक से आती है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, 2024 में मस्क की नेटवर्थ 400 बिलियन डॉलर के पार पहुँच चुकी है। यह धन केवल व्यक्तिगत समृद्धि नहीं; यह वैश्विक बुनियादी ढाँचे पर नियंत्रण का साधन बन रहा है।

स्टारलिंक-स्पेसएक्स का उपग्रह इंटरनेट नेटवर्क-वर्तमान में 6750 से अधिक उपग्रहों के साथ पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है। वर्ष 2022 से व्यावसायिक सेवाएँ शुरू होने के बाद यह यूक्रेन युद्ध, प्राकृतिक आपदाओं और दूरस्थ क्षेत्रों में संचार का बैकबोन बन चुका है। लेकिन यही निर्भरता खतरे की जड़ है। यदि मस्क कल निर्णय लें कि किसी देश को सेवा बंद करनी है, तो उसके नतीजे कितने खतरनाक होंगे? यूक्रेन में रूसी आक्रमण के दौरान स्टारलिंक ने जीवनरेखा प्रदान की, किंतु मस्क ने स्वयं ट्वीट कर कहा था कि वे लागत वहन नहीं कर सकते। अंतत: अमेरिकी सरकार ने हस्तक्षेप किया। यह घटना दर्शाती है कि निजी हाथों में सार्वजनिक उपयोगिता का नियंत्रण कितना जोखिमपूर्ण है।

**अंतरिक्ष में निजी एकाधिकार: लोकतंत्र पर खतरा**

अंतरिक्ष संधि 1967 के तहत कोई देश अंतरिक्ष पर संप्रभुता स्थापित नहीं कर सकता, किंतु निजी कंपनियाँ उपग्रह प्रक्षेपण, डेटा संग्रह और संचार में वर्चस्व स्थापित कर रही हैं। स्पेसएक्स ने 2024 तक 44 फीसदी वैश्विक उपग्रह प्रक्षेपण किए। फाल्कन-9 रॉकेट की पुनर्प्रयोगिता ने लागत को 90 फीसदी तक कम कर दिया, जिससे प्रतिस्पर्धा लगभग असंभव हो गई। चीन की केसिक और यूरोपीय एरियनस्पेस भी पीछे छूट रहे हैं।

यह एकाधिकार केवल तकनीकी नहीं है, यह भू-राजनीतिक भी है। स्टारलिंक की 250 मिलियन डॉलर की मासिक लागत मस्क को सरकारी अनुबंधों पर निर्भर बनाती है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय का स्टारशील्ड प्रोजेक्ट स्पेसएक्स को सैन्य उपग्रह सेवाएँ प्रदान करने का ठेका देता है। क्या यह निजी कंपनी अब अमेरिकी विदेश नीति का विस्तार बन गई है? यदि मस्क और अमेरिकी सरकार में मतभेद हुआ तो वैश्विक संचार पर क्या प्रभाव पड़ेगा, यह गंभीर विषय है ।

भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह खतरा दोगुना है। हमारी डिजिटल इंडिया पहल इंटरनेट कनेक्टिविटी पर निर्भर है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्टारलिंक एकमात्र विकल्प बन सकता है, किंतु इसके लिए ट्राई और डिपार्टमेंट ऑफ टेक्नोलोजी को मस्क की शर्तें माननी पड़ेंगी। इस तरह हम अपनी संप्रभुता को निजी उपग्रह नक्षत्र के हाथों सौंप रहे हैं।

**नियंत्रण की चुनौतियाँ: कानूनी शून्यता**

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रिलियनेयर्स पर नियंत्रण असंभव नहीं, किंतु वर्तमान ढाँचे अपर्याप्त हैं। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) उपग्रह कक्षाओं का आवंटन करता है, किंतु निजी कंपनियों की गतिविधियों पर उसका सीमित नियंत्रण है। अमेरिका का एफसीसी स्टारलिंक को लाइसेंस देता है, किंतु मस्क की कंपनियाँ टैक्स सेविंग हैवन डेलावेयर में पंजीकृत हैं ।

यूरोपीय संघ जीडीपीआर जैसे डेटा कानून लागू करना चाहता है, किंतु स्टारलिंक उपग्रह पृथ्वी से 550 किमी ऊपर, किसी देश की सीमा में नहीं है। यदि मस्क डेटा साझा करने से इंकार करें, तो उन पर नियंत्रण का कोई प्रभावी कानून नहीं है। 2023 में ब्राजील सरकार ने स्टारलिंक को अवैध खनन क्षेत्रों में सेवा बंद करने को कहा तो मस्क ने चुनौती दी। यह घटना दर्शाती है कि धन की ताकत कितनी आसानी से कानून को चुनौती दे सकती है।

**नैतिक और सामाजिक आयाम**

धन की यह सांद्रता सामाजिक असमानता को बढ़ाती है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट कहती है कि विश्व की एक फीसदी से भी कम आबादी 45 फीसदी संपत्ति रखती है। अंतरिक्ष में यह असमानता और गहरी होगी। स्टारलिंक की सेवा बहुत महँगी है, गरीब देश इसे वहन नहीं कर पाएँगे, जिससे डिजिटल डिवाइड बढ़ेगा।

साथ ही, पर्यावरणीय खतरे हैं। 6 हजार से ज्यादा उपग्रहों से अंतरिक्ष कक्षा में कचरा बढ़ रहा है। केस्लर सिंड्रोम जिसमें टकराव से उपग्रह श्रृंखला नष्ट होने की भी आशंका है। मस्क की मेगा-कॉन्स्टेलेशन योजना 42 हजार उपग्रहों की है। क्या यह पृथ्वी के लिए संभावित गम्भीर खतरा नहीं है?

**वैश्विक शासन का पुनर्परिभाषण**

इस चुनौती का समाधान केवल राष्ट्रीय नहीं; वैश्विक है। संयुक्त राष्ट्र को अंतरिक्ष शासन के लिए नया ढाँचा बनाना होगा। ट्रिलिनियर्स पर वार्षिक संपत्ति कर लगाकर अंतरिक्ष सफाई और विकासशील देशों के लिए ब्रॉडबैंड जैसे खर्च किए जा सकते है । इंटरनेशनल टेलिकम्युनिकेशन यूनियन, फैडरल कम्युनिकेशन कमीशन, यूरोपियन स्पेस एजेंसी और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन जैसे निकायों का संयुक्त प्राधिकरण मिलकर नियामक आयोग बनाए, जो उपग्रह लाइसेंस रद्द कर सके। सभी उपग्रह डेटा को स्थानीय सर्वरों पर संग्रहीत करना अनिवार्य हो तथा वैकल्पिक नेटवर्क के रूप में भारत-वन वेब, चीन-जेडब्लू, यूरोपियन यूनियन का आइरिश जैसे प्रोजेक्ट को तेज करना होगा ।

भारत के लिए यह अवसर है। हमारी पीएसएलवी और जीएसएलवी क्षमता बढ़ाकर, न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के माध्यम से स्वतंत्र उपग्रह नक्षत्र विकसित कर सकते हैं। गगनयान और चंद्रयान की सफलता दर्शाती है कि हम सक्षम हैं।

**निष्कर्ष:** संतुलन की अनिवार्यता

एलन मस्क जैसे उद्यमी नवप्रवर्तन के प्रतीक हैं। स्टारलिंक ने लाखों लोगों को इंटरनेट दिया, स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष यात्रा को सस्ता किया। किंतु असीमित शक्ति लोकतंत्र के लिए खतरा है। रोमन इतिहास में सीज़र की तानाशाही धन और सैन्य शक्ति से उपजी थी; क्या हम इक्कीसवीं सदी में अंतरिक्ष-सीज़र देख रहे हैं?

समय की माँग है कि हम निर्भरता को विविधता में बदलें, निजी नवाचार को सार्वजनिक जवाबदेही के साथ जोड़ें। यदि हम असफल रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का आकाश कुछ लोगों की निजी संपत्ति बन जाएगा। यह केवल तकनीकी नहीं; यह सभ्यता का प्रश्न है। यह समकालीन विश्व को तय करना है कि हम अंतरिक्ष को मानवता की साझा विरासत बनाए ना कि कुछ ट्रिलियनेयर्स का निजी खेल मैदान।

**–सुरेंद्रसिंह शेखावत, बीकानेर**
**( लेखक राजनीतिक कार्यकर्ता और स्वतंत्र टिप्पणीकार है )**

# श्रीगंगानगर से वंदे भारत व अन्य हाई स्पीड ट्रेनों का जल्द होगा संचालन

## रेलवे बोर्ड को नए प्लेटफॉर्म यार्ड का प्रस्ताव भेजा, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू

**■ कब्जाधारियों को जमीन खाली करने के लिए नोटिस जारी, बीकानेर मंडल के अधिकारी कई बार मौका मुआयना कर चुके हैं, सूत्रों के अनुसार 2026 तक वंदे भारत ट्रेन श्रीगंगानगर से चल सकती है**

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। श्रीगंगानगर से दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस और अन्य हाई स्पीड ट्रेनें चलाने का काम जल्द ही शुरू होगा। रेलवे ने इसके लिए सर्वे शुरू कर दिया है। जल्दी की ट्रेनें शुरु हो सकती है।

जयपुर रेलवे स्टेशन की तर्ज पर श्रीगंगानगर में अलग से नया प्लेटफॉर्म यार्ड बनाने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेज दिया गया है। बोर्ड से मंजूरी मिलने की पूरी संभावना है, जिसके बाद काम शुरू हो जाएगा। श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पर मौजूदा सिक लाइन वाले इलाके में 4 नए प्लेटफॉर्म के साथ पूरा यार्ड विकसित किया जाएगा। हाई स्पीड ट्रेनों की मेंटेनेंस के लिए 2 नई वॉशिंग लाइनें बनेंगी। इसके लिए कम से कम 72 फीट चौड़ी जमीन चाहिए, जबकि अभी करणी मार्ग के साथ सिर्फ 60 फीट जगह उपलब्ध है।

रेलवे ने अतिरिक्त 12 फीट जमीन खाली कराने के लिए करणी मार्ग के किनारे बने अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। कब्जाधारियों को जमीन खाली करने के लिए नोटिस भी दिए गए हैं। वहीं, बीकानेर मंडल के अधिकारी कई बार मौका मुआयना कर चुके हैं। बीएसएफ कैंपस की तरफ प्रस्तावित सेकंड एंट्री को स्थगित कर दिया गया है। नया यार्ड बनने के बाद ही नए सिरे से सेकंड एंट्री की लोकेशन तय होगी।

पूर्व जेडआरयुसीसी सदस्य भीम शर्मा ने बताया कि रेलवे बोर्ड को श्रीगंगानगर में अतिरिक्त रेलवे यार्ड बनाने का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। प्रस्ताव पास होते ही श्रीगंगानगर की रेल कनेक्टिविटी बढ़ जाएगी। ये शहरवासियों के लिए सबसे बड़ी सौगात होगी। वहीं, सूत्रों के अनुसार 2026 तक वंदे भारत की सिटी श्रीगंगानगर में बज सकती है।

## दिन-रात के तापमान में 18 डिग्री का अंतर

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। नवंबर के महीने में बार-बार मौसम बदल रहा है। दिन में तेज धूप तो रात में ठंड होती है। जिले में मंगलवार को बादलों की आंख मिचौली का खेल जारी है। कभी बादल छा जाते हैं, तो कभी आसमान साफ हो जाता है। जिले में पिछले 3 हफ्तों से दिन का पारा 29 से 31 डिग्री के बीच बना हुआ है। मंगलवार सुबह कृषि अनुसंधान केंद्र, श्रीगंगानगर पर न्यूनतम तापमान 11 डिग्री और अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री रिकार्ड किया गया। सोमवार को भी न्यूनतम तापमान ठीक 11 डिग्री ही रहा था, जबकि दिन का पारा 31 डिग्री तक चढ़ गया। रविवार को तो दिन में 30.5 डिग्री गर्मी के बाद रात 10.7 डिग्री तक लुढ़क गया। मतलब दिन में पसीना और रात में कंबल ओढ़ने की नौबत आ रही है। किसानों के अनुसार दिन में तेज धूप के कारण फसलों को नुकसान हो रहा है।

## राशिफल

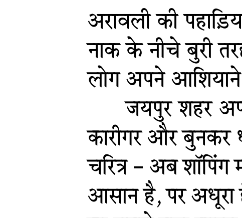

**पंडित अनिल शर्मा**

**बुधवार 19 नवम्बर, 2025**

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र प्रात: 7:59 तक, सौभाग्य योग प्रात: 9:00 तक, शकुनि करण प्रात: 9:44 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 4:14 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज पितृकार्य अमावस्या, श्री बाला जयन्ती, इन्दिरा गांधी जयन्ती, एकता दिवस है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:33 तक, शुभ 10:52 से 12:12 तक, चर 2:52 से 4:11 तक, लाभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:53, सूर्यास्त 5:31 तक।

**मेष**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

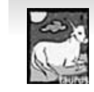

**वृष**
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मिथुन**
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

**कर्क**
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

**सिंह**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों-परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कन्या**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**वृश्चिक**
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा।

**धनु**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

**मकर**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा, कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कुंभ**
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मीन**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

# जयपुर स्थापना दिवस पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रतिभाओं को बढ़ाया हौसला

## महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय जयंती सम्मान समारोह एवं जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

**जयपुर।** राजपूत सभा भवन में महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय जयंती सम्मान समारोह एवं जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

■ **उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजपूत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं तथा समाज के उत्कर्ष्ट कार्य करने वाले गणमान्य लोगों को सम्मानित किया**

**उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजपूत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं तथा समाज के उत्कर्ष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया।**

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं, जबकि विधायक देवी सिंह शेखावत विशिष्ट अतिथि रहे।

इस अवसर पर शिक्षा,अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजपूत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं तथा समाज के उत्कर्ष्ट कार्य करने वाले गणमान्य लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों ने उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम में रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रही।अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है और ऐसे सम्मान समारोह उन्हें आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। उन्होंने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं, इसलिए उन्हें भी समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए।

उन्होंने सभी से विरासत को सुरक्षित रखने और 36 कौम को साथ लेकर आगे बढ़ने की अपील की। साथ ही जयपुर स्थापना दिवस पर शहर को साफ़ और सुरक्षित रखने की सामूहिक जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम में राजपूत सभा अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह राणावत, महामंत्री धीर सिंह शेखावत, संगठन मंत्री अजयपाल सिंह, सहमंत्री पृथ्वी सिंह कालीपहाड़ी, कोषाध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह मुंडरू सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## राज्य के भीलवाड़ा और बाड़मेर जिले सहित सात अन्य जिले पुरस्कृत

**जयपुर।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राजस्थान के भीलवाड़ा और बाड़मेर जिलो को जल संचयन और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। राष्ट्रपति ने कलेक्टर टीना डाबी और भीलवाड़ा के जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु को पुरस्कार स्वरूप 2 करोड़ रूपये का पुरस्कार प्रदान किया।केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल ने राज्य के अन्य सात जिलों जयपुर और उदयपुर को 1 करोड़ रूपये तथा अलवर, डूंगरपुर, बारां, चित्तौड़गढ़ और सीकर जिलो से आए प्रतिनिधियों को 25 लाख रूपये के पुरस्कार से सम्मानित किया पाटिल ने उदयपुर जिला परिषद की सीईओ सुरिया डाबी को एक-एक करोड़ रूपये सीकर एसई वॉटरशेड रमेश मीना को 25 लाख रूपये के पुरस्कार प्रदान किये।

**मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर नवनियुक्त मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शिष्टाचार भेंट थी।**

## इंटरनेशन एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की मॉकड्रिल

**जयपुर।** जवाहर सर्किल इलाके में स्थित इंटरनेशन एयरपोर्ट के टर्मिनल - 2 पर मंगलवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की ओर मॉकड्रिल की गई। जिसके बाद टर्मिनल - 2 पर हड़कंप का माहौल बन गया। लेकिन कुछ बाद ही मॉकड्रिल की जानकारी मिलने के बाद वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। इस मॉकड्रिल में बम की धमकी से बचाव के लिए अभ्यास किया गया। ड्रिल एयरपोर्ट के परिसर में रियल टाइम में बम की धमकी में सर्च कर रिस्पॉन्स टाइम नोट करने के लिए किया गया यह मॉक ड्रिल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल , एयरपोर्ट अफसर, एयरलाइन पार्टनर्स और अन्य हितधारकों की पूर्ण समन्वित भागीदारी में आयोजित की गई। टर्मिनल के अंदर डॉग स्क्वायड तैनात किया गया। जबकि संभावित मॉकड्रिल विस्फोटक के सुरक्षित संचालन में मदद के लिए टीसीवी (खतरा रोकथाम वाहन) तैनात किया गया था।इस अभ्यास का उद्देश्य हमारी निकासी प्रक्रियाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना, वास्तविक समय में समन्वय का परीक्षण करना और सभी संबंधित टीमों में संकट-प्रतिक्रिया तंत्र को सुदृढ़ करना था।

## यूनिटी मार्च भारत की एकता, अखंडता का प्रतीक : मदन राठौड़

**जयपुर ।** सरदार 150 यूनिटी मार्च की प्रदेश कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश प्रभारी, राष्ट्रीय महामंत्री और सांसद डॉ राधामोहन दास अग्रवाल ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, योगदान और राष्ट्र-निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया।

डॉ.राधा मोहनदास अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में इतिहास के अनेक तथ्य दबाए गए और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को व्यवस्थित रूप से कम करके दिखाया गया। सरदार 150 यूनिटी मार्च का उद्देश्य सरदार पटेल के व्यक्तित्व, उनके राष्ट्र एकीकरण के प्रयासों और उनके वास्तविक ऐतिहासिक योगदान को देश तक पहुँचाना है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने रियासतों का सफल एकीकरण कर एक भारत की नींव रखी। यह यूनिटी मार्च उसी एकता, अखंडता और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। राजस्थान से निकलने वाली गंगा प्रवाह और यमुना प्रवाह का प्रदेशभर में भव्य स्वागत किया जाएगा और प्रतिभागियों को राजस्थान की संस्कृति, परंपरा और आतिथ्य की यादगार अनुभूति कराई जाएगी।

■ **26 नवंबर को यमुना प्रवाह जयपुर से होगी रवाना, अजमेर, पाली, जोधपुर, सिरोही होते हुए जाएगी गुजरात : जितेंद्र गोठवाल**

कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक जितेंद्र गोठवाल ने यूनिटी मार्च की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए बताया कि गंगा प्रवाह 22 नवंबर को नई दिल्ली से रवाना होकर उसी दिन अलवर पहुंचेगी। अलवर से कोटा, उदयपुर होते हुए यह गुजरात में प्रवेश करेगी। यहां अलवर में पौधारोपण, योग कार्यक्रम, कोटा में कोचिंग संस्थानों में संवाद, उदयपुर में योग, पौधारोपण एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गोठवाल ने बताया कि 26 नवंबर को जयपुर में यमुना प्रवाह को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार 26 नवंबर को दिन में कॉलेज संपर्क अभियान, रात्रि में पुष्कर में सांस्कृतिक कार्यक्रम व सम्मान समारोह, 27 नवंबर को अजमेर में योग, छात्र परिसर संपर्क, पौधारोपण, रात्रि में जोधपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 28 नवंबर को जोधपुर में मेहरानगढ़ किला अवलोकन, पाली के लिए प्रस्थान, रात्रि में माउंट आबू में सांस्कृतिक कार्यक्रम व भ्रमण, 29 नवंबर को आबू से गुजरात के आणंद के लिए प्रस्थान किया जाएगा।

## एक बदमाश गिरफ्तार

**जयपुर।** जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने रामनगरिया थाना इलाके में ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपित के पास से एक पिस्टल जब्त किए हैं। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि सीएसटी ने पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन के तहत रामनगरिया थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए सूर्य प्रताप सिंह हाल जगतपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है।

## जेजेएस एग्ज़ीबिटर्स मीट का आयोजन

**जयपुर।** जयपुर ज्वैलरी शो (जेजेएस) 2025 के लिए राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में एग्जीबिटर्स मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ज्वैलर्स उपस्थित रहे और आगामी शो को लेकर काफी उत्साहित दिखे। मीट में 350 से अधिक एग्जीबिटर्स ने भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जेजेएस की थीम कलर्ड जेमस्टोन्स है। इस मेगा ज्वैलरी शो का 21वां वर्ष इस बार 19 से 22 दिसंबर तक सीतापुरा स्थित नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाला है।

■ **मीट में 350 से अधिक एग्जीबिटर्स ने भाग लिया**

जेजेएस के मानद सचिव, राजीव जैन ने एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से कार्यक्रम का नए लेआउट और साथ ही एग्जीबिटर्स और विजिटर्स को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर जैन ने जेजेएस की उल्लेखनीय यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि शो ने 67 बूथों से शुरू होकर आज 1225 बूथों का आकार ले लिया है, जो अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। जेजेएस में इस वर्ष 700 से अधिक एग्जीबिटर्स भाग ले रहे हैं, वहीं पिंक क्लब में बी2बी इंटरेक्शन के लिए 74 बूथ होंगे। इसके अतिरिक्त, जयपुर ज्वैलरी डिजाइन फेस्टिवल (जेजेडीएफ) के अंतर्गत 67 बूथ्स होंगे। उन्होंने आगे जानकारी दी कि जेजेएस का उद्घाटन मुख्य अतिथि जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका, इंक. (जीआईए) के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रीतेश पटेल द्वारा किया जाएगा।

## कनकपुरा स्टेशन पर मालगाड़ी की कपलिंग टूटी

**जयपुर।** झोटवाड़ा इलाके में स्थित कनकपुरा रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार शाम को चलती मालगाड़ी की अचानक से कपलिंग टूट गई। जिसके चलते मालगाड़ी ट्रेक पर काफी देर खड़ी रहीं। गनीमत रहीं की पीछे वाली ट्रेन ऑटोमैटिक सिग्नल सिस्टम के कारण अपने आप रुक गई। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। मालगाड़ी की कपलिंग टूटने से पांच -छह ट्रेनें प्रभावित हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आरपीएफ कनकपुरा के चौकी प्रभारी हरी सिंह गुर्जर स्टाफ के साथ सुरक्षा व्यवस्था के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रैक को सुचारु करने का काम शुरू किया। ट्रैफिक कंट्रोल टीम ने तुरंत दूसरी लाइन से ट्रेनों को निकालने की व्यवस्था की, ताकि रूट पूरी तरह ब्लॉक न हो। ट्रेनों को सिंगल लाइन के जरिए पास किया गया। तुरंत प्रभाव से कपलिंग को जोड़कर मालगाड़ी को रवाना किया गया। बताया जा रहा है कि इस रूट पर ऑटोमैटिक सिग्नल सिस्टम है, इसलिए लाइन पर खड़ी मालगाड़ी को देखते ही पीछे से आने वाली दूसरी ट्रेनें खुद रुक गईं। साथ ही उनका सिग्नल ब्लॉक हो गया।

## मेडिकल कॉलेजों में विद्यार्थियों को उचित दरों पर मिलेगा पौष्टिक भोजन

**जयपुर ।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश के मेडिकल कॉलेज एवं इनसे सम्बद्ध अस्पतालों में आधारभूत व्यवस्थाओं के साथ समग्र रूप से सुदृढ़ीकरण के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने राज्य के सरकारी एवं संबद्ध चिकित्सा महाविद्यालयों में मेस एवं कैंटीन सेवाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने हेतु 12-सूत्रीय दिशा-निर्देश निर्धारित किए हैं, जिनसे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल एवं संबद्ध अस्पतालों में स्वच्छ, किफायती, पौष्टिक एवं छात्र-केन्द्रित भोजन व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कैंटीन संचालन हेतु 12-सूत्रीय दिशा-निर्देशों की यह पहल भोजन गुणवत्ता में सुधार, नियमित समय पर निर्माण, स्वच्छता, सही कीमतें एवं उचित प्रबंधन में कारगर साबित होंगी। उन्होंने बताया कि कैंटीन से जुड़ी समस्याओं के समाधान से छात्रों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। साथ ही, इससे इनके मनोबल एवं पढ़ाई पर भी सकारात्मक असर होगा। इससे राज्य के 20 हजार से अधिक चिकित्सा छात्रों के लिए स्वस्थ, तनावमुक्त वातावरण सुनिश्चित होगा।

■ **कैंटीन सुविधाओं के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी**

शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा अम्बरीष कुमार ने बताया कि कैंटीन संचालन के संबंध में ये आदेश जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर सहित सभी जिलों के चिकित्सा महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के प्राचार्यों एवं नियंत्रकों को जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन निर्देशों के अनुसार सभी चिकित्सा महाविद्यालयों एवं छात्रावासों में शहरी-ग्रामीण संदर्भ के अनुसार तत्काल मेस एवं कैंटीन व्यवस्था स्थापित किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था तत्काल लागू की जाएगी।

दिशा निर्देशों के अनुसार कैंटीन में स्वच्छ रसोई, सुरक्षित पेयजल, अपशिष्ट प्रबंधन, बैठने की पर्याप्त जगह एवं बर्तन के साथ नियमित स्वच्छता ऑडिट अनिवार्य किया गया है। छात्र-शिक्षक-प्रशासन की संयुक्त समिति मेन्यू निर्धारण करेगी।निर्देशों के अनुसार संयुक्त समिति द्वारा खाद्य पदार्थों की उचित दरें अनुमोदित की जाएंगी। साथ ही किसी भी प्रकार की मनमानी वृद्धि नहीं की जा सकेगी। कैंटीन में पारदर्शी शुल्क संग्रहण एवं लेखा-जोखा रखना अनिवार्य होगा। कैंटीन हेतु पारदर्शी ई-टेंडर से चयन, वार्षिक नवीनीकरण, प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन आदि किया जाएगा। साथ ही नियमों एवं गुणवत्ता में उल्लंघन करने पर दंड का प्रावधान होगा।

## शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स को मिला बेस्ट रूरल टूरिज्म अवॉर्ड

**भाजपा नेत्री एवं शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स की निदेशक रानी रत्ना कुमारी ने पुरस्कार ग्रहण किया।**

**जयपुर।** जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स को बेस्ट रूरल टूरिज्म इनसेंटिव अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राजस्थान की समृद्ध ग्रामीण विरासत, राजसी आतिथ्य परंपरा और सतत एवं जिम्मेदार पर्यटन के क्षेत्र में शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स के निरंतर प्रयासों और उत्कृष्ट योगदान का प्रतीक है।

कार्यक्रम में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भाजपा नेत्री एवं शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स की निदेशक रानी रत्ना कुमारी ने ग्रहण किया। उन्हें यह सम्मान राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जी द्वारा प्रदान किया गया।

रानी रत्ना कुमारी शाहपुरा ने फर्स्ट इंडिया न्यूज़, सम्मानित ज्यूरी सदस्यों तथा राजस्थान पर्यटन विभाग के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है और भविष्य में भी वे राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति और पर्यटन को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

## सार-समाचार

### पदाधिकारियों ने मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास से मुलाकात की

**जयपुर।** राज निजी सहायक संवर्ग महासंघ के पदाधिकारियों ने राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से उनके कार्यालय में मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गिरीश जैन, प्रदेश महामंत्री पृथ्वी सिंह राठौड, प्रदेश संगठन मंत्री मोतीलाल गुर्जर, निजी सहायक महेश शर्मा, विकल्प मिश्रा, दिनेश कुमार, अमित शर्मा उपस्थित रहे।

### सेमिनार का आयोजन

**जयपुर।** युवा दृश्य कथाकारों को प्रेरित करने और उनके कौशल को निखारने के उद्देश्य से इमैजिन फोटो जर्नलिस्ट सोसाइटी ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 11वें जयपुर फोटो जर्नलिज़्म सेमिनार का आयोजन किया। एक दिवसीय इस आयोजन में फोटो जर्नलिज़्म, मीडिया, सरकार, सिनेमा और सामाजिक नेतृत्व से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने शिरकत की। सेमिनार में जयपुर के विभिन्न संस्थानों से आए मीडिया विद्यार्थियों और फोटोग्राफी उत्साहियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं के रूप में शामिल थे-गुरिंदर ओसान, फोटो एडिटर, पीटीआई; पुरुषोत्तम दिवाकर, अंतरराष्ट्रीय फोटो जर्नलिस्ट एवं डॉक्यूमेंट्री फ़ोटोग्राफ़र; ऋतु शुक्ला, अतिरिक्त महानिदेशक, पीआईबी एवं सीबीसी, जयपुर; अंशुमन शास्त्री, निदेशक, सेंटर फॉर आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, बनस्थली विद्यापीठ; शेखर घोष, फ़िल्ममेकर, फोटो एडिटर एवं विज़ुअल स्टोरीटेलिंग कंसल्टेंट; नीरू यादव, सरपंच, लम्बी आहिर; रवि यादव, अभिनेता, लेखक एवं निर्माता; और हेमजीत मलू, निदेशक, वीणा म्यूजिक।

### बिजली चोरी के 10 मामले पकड़े

**जयपुर।** जयपुर डिस्कॉम की सतर्कता शाखा ने मंगलवार को चौमू तथा सांगानेर ग्रामीण क्षेत्र में गहन सतर्कता जांच कार्यवाही की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा एवं अधीक्षण अभियंता (सतर्कता) बी.एल.शर्मा के निर्देशन में सहायक अभियंता (सतर्कता) चौमूं महिपाल धायल ने कालाडेरा, घीनोई, रेनवाल व गोविन्दगढ़ में 25 परिसरों की सतर्कता जांच की। इसमें से 2 दुकानों व 5 घरेलू परिसरों में विद्युत चोरी की जा रही थी। जिस पर 7 वीसीआर भरी गई और करीब 7 लाख का जुर्माना लगाया गया है। अधिशाषी अभियंता (सतर्कता-नोडल ऑफिसर) के.सी.गुप्ता द्वारा सांगानेर के सिरोली क्षेत्र में सतर्कता जांच के दौरान 3 घरेलू परिसरों में एल.टी. लाईन पर अवैध आंकडे डालकर की जा रही विद्युत चोरी को पकड़ा गया, जिस पर 3 वीसीआर भर कर करीब 3 लाख का जुर्माना लगाया गया है। सभी प्रकरणों में उपभोक्तों को जुर्माना राशि जमा करवाने के लिए नोटिस जारी कर दिये गये है। तय समय में जुर्माना राशि जमा नहीं करवाने पर विद्युत चोरी निरोधक पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया जावेगा।

### सड़को पर पटाखों की आवाज निकालने वाले साइलेंसरों को किया नष्ट

**जयपुर।** मानसरोवर थाना पुलिस ने बाइकों में पटाखों की तेज आवाज निकालने वालों मनचलों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बाइक जब्त उसने साइलेंसर खुलवाए और बुलडोजर की मदद से उन्हे नष्ट कर दिया। पुलिस के इस विशेष अभियान की स्थानीय लोगों ने काफी सराहना की। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजराज ने बताया कि पुलिस ने विशेष अभियान के तहत बुलेट बाइकों में तेज आवाज के साइलेंसर लगाकर सड़कों पर हुडदग मचाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया । मंगलवार को पुलिस ने तेज आवाज में हॉर्नर बजाने व पटाखों की आवाज निकालने वाले दुपहिया वाहनों को जब्त किया।

## जल संचयन और जनभागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राजस्थान को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

**जयपुर/नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार और प्रथम जल संचय और जन भागीदारी पुरस्कार को प्रदान किये। पुरस्कार समारोह में जल संचयन और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति ने राजस्थान को देश में तृतीय स्थान हासिल करने पर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। राज्य सरकार की ओर से यह पुरस्कार राजस्थान सरकार जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त सचिव और मुख्य अभियंता भुवन भास्कर ने ग्रहण किया।

■ **पुरस्कार समारोह में जल संचयन और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति ने राजस्थान को देश में तृतीय स्थान हासिल करने पर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया**

**राजस्थान सरकार जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त सचिव और मुख्य अभियंता भुवन भास्कर ने पुरस्कार ग्रहण किया।**

राष्ट्रपति के हाथों राजस्थान को मिले इस पुरस्कार पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बधाई देते हुए कहा कि यह राजस्थान के लिए गौरव का क्षण है। जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने भी गर्व व्यक्त करते हुए जल संसाधन विभाग, जिला प्रशासन तथा स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद भुवन भास्कर ने कहा कि राजस्थान में जल संचय और संरक्षण के क्षेत्र में किए गए नवाचार, वर्षाजल संचयन संरचनाएं, भू-जल पुनर्भरण प्रयास तथा जन सहयोग आधारित मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर विशेष प्रशंसा प्राप्त हुई।

उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार राजस्थान की जनता और प्रशासन के मिल-जुलकर किए गए समर्पित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि जल संचयन और जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत छोटे-बड़े जल संरचना निर्माण, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण के लिए व्यापक कार्य किए गए हैं, जिनमें आम जनता की सक्रिय भागीदारी रही है।

कर्मभूमि से मातृभूमि जैसी अभिनव पहल के माध्यम से जहां राज्य के बाहर बसे प्रवासी व्यापारी वर्ग ने भी अपने मातृस्थान के जल संचयन के कार्यों में योगदान दिया, वहीं स्थानीय प्रशासन की निगरानी और निरंतर प्रयासों ने इस सफलता को संभव बनाया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान राजस्थान के जल संरक्षण मॉडल को देश के सामने एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में पेश करता है और आगे भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि जल संकट से निपटने में प्रदेश और देश को सहायता मिल सके।

## 'विरासत को संभालकर ही भविष्य मजबूत होगा'

**जयपुर ।** गुलाबी नगर की 298वीं वर्षगांठ पर मंगलवार को नगरीय विकास और स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने जयपुरवासियों के नाम एक विशेष संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि जयपुर सिर्फ इमारतों, चौक-चौराहों और बाजारों का शहर नहीं, बल्कि राजस्थान की पहचान, संस्कृति और गौरव का जीवंत स्वरूप है। इसलिए इसे स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित बनाए रखना हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

खर्रा ने कहा कि जिस शहर की नींव महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने अपनी दूरदर्शिता से रखी थी, उसकी जिम्मेदारी आज हमारे हाथ में है। हवामहल, आमेर किला और जंतर-मंतर जैसी विश्वविख्यात धरोहरें सिर्फ स्मारक नहीं, बल्कि राजस्थान के स्वाभिमान की पहचान हैं। इन्हें संभालना और आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुँचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

खर्रा ने अपील की कि शहर की सफाई को सिर्फ सरकारी काम न समझा जाए।

■ **स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने खर्रा ने अपील की कि शहर की सफाई को सिर्फ सरकारी काम न समझा जाए**

उन्होंने कहा, जब जयपुर का हर कोना साफ रहेगा तो दुनिया को दिखेगा कि हम अपनी विरासत से कितना प्रेम करते हैं। उन्होंने कचरे के उचित निपटान, पानी की बचत और पर्यावरण संरक्षण को शहर का भविष्य सुरक्षित करने वाला कदम बताया।

खर्रा ने जयपुर के विकास, हरियाली और सौंदर्यीकरण में आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का आा ान करते हुए कहा कि स्थापना दिवस पर हर जयपुरवासी को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह शहर को देश के सबसे स्वच्छ और आकर्षक शहरों में शामिल करने के लिए अपना योगदान देगा।

अंत में खर्रा ने जयपुरवासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि सामूहिक प्रयासों से गुलाबी नगर आने वाले वर्षों में प्रगति और सौंदर्य का एक नया मानक स्थापित करेगा।

# हत्या के मामले में एक ही परिवार के सात लोगों को आजीवन कारावास

## 11 साल पहले युवक की पीट-पीटकर हत्या की थी, दोषियों में पति-पत्नी और बेटी भी थी

- पुलिस ने चालान में एक आरोपी को दोषी बताया था, लेकिन सुनवाई के बाद जिला कोर्ट ने सात आरोपियों को दोषी पाया
- कोर्ट ने आरोपियों पर 20-20 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया है, जिसे नहीं चुकाने पर छह महीने अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी

**बीकानेर,** (निसं)। जिला कोर्ट ने हत्या के मामले में एक ही परिवार के सात लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 20-20 हजार रुपए जुर्माना लगाया। दोषियों में पति-पत्नी और बेटी भी शामिल हैं। 11 साल पहले युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है।

पुलिस ने चालान में एक आरोपी को दोषी बताया था, लेकिन सुनवाई के बाद जिला कोर्ट ने सात आरोपियों को दोषी पाया। कोर्ट ने माना कि हत्या सामूहिक रूप से की गई, इसलिए सातों अभियुक्त दोषी हैं। घटना बीकानेर के बम्बलू गांव में 27 मई 2014 को हुई थी। भंवरनाथ निवासी बम्बलू ने गांव के ही दुर्गनाथ से एक जमीन खरीदी थी। हत्या के आरोपियों का दावा था कि उनका जमीन में हिस्सा है। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच में विवाद चल रहा था। विवाद को लेकर गांव में पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में पंचायत हुई थी, जिसमें तय हुआ कि जमीन बेची गई है और भंवरनाथ ने खरीदी है। इसके बाद दुर्गनाथ के मामा अपने परिजनों को समझाने भी गए। दोनों पक्षों को समझाया भी गया था।

27 मई 2014 को अन्नानाथ ने बीकानेर के बम्बलू स्थित पुलिस चौकी पर रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि उसके भाई भंवरनाथ की हत्या कर दी गई है। भंवरनाथ अपने चाचा के घर जा रहा था। रास्ते में एक पिकअप में सवार होकर आए लोगों ने उसे रोक लिया। इस दौरान मोहननाथ पिकअप चला रहा था। उसके साथ हेमनाथ, धन्नानाथ, शंकरनाथ, बाधु, सीता और सरोज भी थी। इन सभी ने मिलकर भंवरनाथ के साथ मारपीट की। पीबीएम हॉस्पिटल में मृतक का पोस्टमॉर्टम कराया गया, जिसमें भंवरनाथ के शरीर पर करीब 40 जगह गंभीर चोट के निशान मिले थे। इसके बाद जामसर थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस ने अगस्त 2014 में चालान पेश किया, जिसमें मोहननाथ को हत्यारा बताया। इसके बाद से कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। सबूत और गवाहों को आधार मानते हुए कोर्ट ने मोहन समेत कुल 7 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने तीन सगे भाइयों मोहननाथ, हेमनाथ और धन्नानाथ, हेमनाथ के बेटे शंकर नाथ, शंकर की पत्नी बाधु, बेटी सरोज और मोहन नाथ की पत्नी सीता को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 20-20 हजार रुपए जुर्माना लगाया है, जिसे नहीं चुकाने पर छह महीने अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इस मामले में परिवादी की ओर से एडवोकेट ओ.पी. हर्ष ने अदालत में पक्ष रखा।

# नौ साल के भतीजे की हत्या करने वाले ताऊ को उम्रकैद की सजा सुनाई

- गोली मारकर हत्या करने के बाद सबूत छुपाने के लिए शव को खेत में दफना दिया था
- आरोपी के कोई संतान नहीं थी, इस कारण वह भतीजे को अपने पास ले गया था

**बीकानेर,** (निसं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में नौ साल के भतीजे की गोली मारकर हत्या करने वाले ताऊ को एडीजे कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। जज सरिता नौशाद ने वर्ष 2018 में हुए इस मामले का फैसला सुनाते हुए आरोपी पवन पुत्र मोहनराम को दोषी करार दिया।

अपर लोक अभियोजक सोहननाथ सिद्ध ने बताया कि दातारामगढ़ निवासी और घटना के समय कालेरा रोही में रहने वाली केसरदेवी पत्नी सुरेश ने 28 जनवरी 2018 को अपने जेठ पवन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। आरोप लगाया था कि पवन ने उसके नौ साल के बेटे मुकेश की गोली मारकर हत्या कर दी। सबूत छुपाने के लिए शव को खेत में दफना दिया गया।

रिपोर्ट पर पुलिस ने 30 जनवरी 2018 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने चुनाराम के खेत से जमीन में दफनाए गए मासूम के शव को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम करवाया। साथ ही हत्या में प्रयुक्त बंदूक और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य भी कोर्ट में प्रस्तुत किए गए।

पीड़िता केसर देवी के अनुसार आरोपी पवन के कोई संतान नहीं थी। इस कारण वह उसके बेटे मुकेश को अपने पास ले गया था। पीड़िता ने बताया कि उसने अपनी ननद और नणदोई के जरिए मुकेश को आरोपी के डेरे पर भेजा था। कुछ समय बाद पवन ने उन्हें बताया कि मुकेश रात में डेरे से गायब हो गया है। जब परिजनों ने तलाश शुरू की तो एक पड़ोसी ने बताया कि पवन ने रात में ही मुकेश को गोली मार दी और शव को घर के पास खेत में मिट्टी में दबा दिया। करीब आठ साल तक कोर्ट में सुनवाई चली, इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई।

# रिश्वत लेते गिरफ्तार कार्मिक की सेवाएं समाप्त की

रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार आरोपी।

- एलआरपी धर्मेंद्र की सेवाएं समाप्त, बीपीएम रेणुका की सेवा समाप्त करने की अभिशंषा राज्य मिशन निदेशक को भिजवाई

**झुंझुनूं,** (निसं)। गत 10 नवंबर को रिश्वत लेते गिरफ्तार राजीविका की चिड़ावा बीपीएम रेणुका तथा सुलताना कलस्टर के एलआरपी धर्मेंद्र को गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब राजीविका ने बड़ा एक्शन लिया है। जिला परियोजना प्रबंधक विप्लव न्यौला की अभिशंषा पर एलआरपी धर्मेंद्र की सेवाएं समाप्त कर दी गई है, जबकि बीपीएम रेणुका की सेवा समाप्त करने की अभिशंषा भी राज्य मिशन निदेशक को भिजवा दी गई है।

इस मामले में जिला परियोजना प्रबंधक विप्लव न्यौला ने एसीबी की कार्रवाई के बाद ही एसीबी से इस मामले में रिपोर्ट मांगी थी। इसी आधार पर उन्होंने प्रेरणा राजीविका महिला सर्वांगिण विकास सहकारी समिति लिमिटेड सुलताना के प्रबंध मंडल को कलस्टर लेवल पर कार्यरत पशुधन संदर्भ व्यक्ति एलआरपी धर्मेंद्र कुमार की सेवाएं समाप्त करने की अनुशंषा की थी। जिस पर संबंधित सहकारी समिति ने धर्मेंद्र कुमार की सेवाएं समाप्त कर दी है। वहीं ऐसी ही एक अनुशंषा राज्य मिशन निदेशक को बीपीएम रेणुका की सेवा समाप्ति को लेकर की गई है। राज्य मिशन निदेशक को भेजी गई अनुशंषा में बीपीएम रेणुका द्वारा पिछले करीब एक साल से कार्य के प्रति बरती जा रही लापरवाही और रेणुका को दिए गए करीब आधा दर्जन नोटिसों का भी हवाला दिया गया है। माना जा रहा है कि जल्द ही रेणुका की सेवा समाप्ति के आदेश राज्य मिशन निदेशक की ओर से जारी होंगे। जानकारी के अनुसार ये दोनों ही रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारी फिलहाल जेल में है।

विप्लव न्यौला, जिला परियोजना प्रबंधक, राजीविका, झुंझुनूं ने बताया कि चिड़ावा बीपीएम रेणुका के खिलाफ पहले भी शिकायतें थी। अंतिम नोटिस दिया हुआ था। इस दौरान ही रिश्वत लेते गिरफ्तार हो गई थी। एलआरपी धर्मेंद्र भी एसीबी द्वारा गिरफ्तार किया गया है। दोनों की सेवा समाप्ति की अभिशंषा संबंधित अपाइन्टमेंट आथिरिटी को की गई थी। धर्मेंद्र की सेवा समाप्त कर दी गई है। बीपीएम का निर्णय राज्य मिशन निदेशक स्तर पर लिया जाना है।

## मुख्य सूची जारी

**अजमेर,** (कासं)। आरपीएससी द्वारा सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर (गृह-ग्रुप 1 विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत पात्रता जांच के बाद फिजिक्स डिवीजन के पद के लिए मुख्य सूची जारी कर दी है। आयोग सचिव ने बताया कि सूची में पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य संबंधित विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच उपरांत विज्ञापित पद के विरुद्ध एक अभ्यर्थी को मुख्य सूची में सफल घोषित किया है।

# आरएएस भर्ती-2024 के साक्षात्कार एक दिसंबर से

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं भर्ती-2024 के प्रथम चरण की साक्षात्कार तिथियां घोषित कर दी हैं। इस भर्ती के पदों के लिए प्रथम चरण के साक्षात्कार 1 से 12 दिसंबर 2025 तक आयोजित किए जाएंगे। साक्षात्कार में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरे गए विस्तृत आवेदन पत्र की दो प्रतियां मय सभी मूल दस्तावेजों व उनकी फोटो कॉपी के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है।

अभ्यर्थियों को अपने साथ एक नवीनतम पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटो और एक मूल फोटो पहचान पत्र भी लाना होगा। इन दस्तावेजों के बिना किसी भी अभ्यर्थी को साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साक्षात्कार पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे।

**तीन भर्तियों का साक्षात्कार कार्यक्रम भी जारी :** राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा तीन अन्य भर्तियों हेतु भी साक्षात्कार कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके तहत 1 से 12 दिसंबर तक सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) भर्ती-2023 अंतर्गत भूगोल विषय के पदों के लिए साक्षात्कार का चतुर्थ चरण 1 से 12 दिसंबर 2025 एवं सहायक कृषि अधिकारी (कृषि विभाग) भर्ती-2018 के पदों हेतु अंतिम चरण के साक्षात्कार 1 से 11 दिसंबर 2025 तक आयोजित किए जाएंगे।

सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) भर्ती-2021 के अंतर्गत मेडिकल ऑन्कोलॉजी (सुपर स्पेशियलिटी) के पदों हेतु साक्षात्कार का आयोजन 12 दिसंबर को किया जाएगा। उक्त साक्षात्कारों में सम्मिलित होने वाले ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पूर्व में विस्तृत आवेदन पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किए हैं, उन्हें विस्तृत आवेदन पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर और उसे भरकर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने होंगे।

# सूने मकान के ताले तोड़कर लाखों की चोरी

- बुजुर्ग का इलाज करवाने हरियाणा गया था परिवार, वापस लौटे तो ताले टूटे मिले

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। सूने मकान के ताले तोड़कर लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नगदी चोरी करने का मामला सामने आया है। मकान मालिक अपने परिवार के साथ अपनी बीमारी का इलाज करवाने के लिए हरियाणा गया हुआ था। इस दौरान पीछे से सूने मकान में चोरों ने धावा बोल दिया और चोरी कर भाग गए। घटना श्रीगंगानगर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र की है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में गोपालराम (66) निवासी गली नंबर-1, एसएसबी रोड (चक 3 ई छोटी) श्रीगंगानगर ने बताया कि वह अपनी बीमारी का इलाज करवाने के लिए परिवार के साथ रोहतक (हरियाणा) गए हुए थे। मकान पिछले 12 दिन से बंद था। इस दौरान पीछे से मकान में चोर घुस गए। चोर कमरे के अंदर रखी अलमारी के ताले तोड़कर बेटी मंजू का 2.50 तोला सोना, पत्नी की सोने की बाली और 20 हजार रुपए कैश चोरी कर भाग गए। मकान मालिक जब वापस अपने घर पहुंचा तो मकान के टूटे हुए ताले लटक रहे थे और अंदर सामान बिखरा हुआ था। मकान में चोरी हो चुकी थी। जिसके बाद मकान मालिक ने पुलिस को रिपोर्ट देकर मामला दर्ज कराया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सब इंस्पेक्टर गुरदीप सिंह कर रहे हैं। पुलिस मकान के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

# मंदिर में चोरी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

**कालू,** (निसं)। यहां कालका माता मंदिर में 17 अक्टूबर को हुई चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस वारदात का खुलासा करते हुए चांदी के छत्र और मुकुट चुराने वाले गिरोह के सदस्यों को पकड़ा है।

चोरों ने मंदिर के पीछे से घुसकर गर्भ गृह का ताला तोड़ा था और अंदर प्रवेश कर चोरी को अंजाम दिया था। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी रोष था और वे लगातार पुलिस प्रशासन से चोरों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। प्रकरण की गंभीरता और लोक भावनाओं को देखते हुए पुलिस ने सुपरविजन में अलग-अलग टीमें गठित की। इन टीमों ने सीसीटीवी फुटेज और सूचनाओं के आधार पर आरोपियों की पहचान की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगतसिंह उर्फ दीपक, पूजा उर्फ पूजी, और सवीता पत्नी जगतसिंह हैं।

# दो पक्षों के बीच जमीन विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया।

- युवक झगड़े का वीडियो बना रहा था, दोनों पक्षों में लाठी-डंडे, फरसी और गोलियां चली, करीब दो घंटे तक झगड़ा चलता रहा
- झगड़े में तीन महिलाओं सहित छह लोग घायल, पांच घायलों का अस्पताल में इलाज जारी
- पीड़ित के परिवार का आरोप है कि सुबह 9 से 11 बजे तक कंट्रोल रूम और थाने में कई बार फोन किया, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची
- पीड़ित पक्ष की 8 बीघा जमीन में से आरोपियों की करीब दो बिस्वा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था

**अलवर,** (निसं)। एक परिवार के दो पक्षों के बीच जमीन विवाद में युवक के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक झगड़े का वीडियो बना रहा था। दोनों पक्षों में लाठी-डंडे, फरसी और गोलियां चलीं। झगड़े में तीन महिलाओं सहित 6 लोग घायल हुए। इनमें से 5 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मामला अलवर के नौगांवा थाना क्षेत्र स्थित रघुनाथगढ़ कॉलोनी में मंगलवार सुबह का है। पीड़ित पक्ष की 8 बीघा जमीन में से आरोपियों की करीब दो बिस्वा जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी को लेकर सुबह करीब दो घंटे तक झगड़ा चलता रहा। पीड़ित के परिवार का आरोप है कि सुबह 9 से 11 बजे तक कंट्रोल रूम और थाने में कई बार फोन किया, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

नौगांवा थानाधिकारी धर्मसिंह ने बताया कि अलवर की रघुनाथगढ़ कॉलोनी में दो पक्षों में झगड़ा हुआ है। मामले की हर एंगल से जांच कर रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। झगड़े में रफीक खान (30) पुत्र सुब्बा की मौत हुई है। पीड़ित और आरोपी दोनों एक ही परिवार के हैं।

रफीक के परिजनों ने बताया कि रफीक के पिता सुब्बा की 8 बीघा जमीन में से आरोपियों की करीब दो बिस्वा भूमि है। इसी जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोपी पूरी जमीन के बीच में अपना हिस्सा मांग रहे थे। इसके लिए हम तैयार नहीं हैं, क्योंकि इससे हमारी पूरी जमीन का नक्शा बिगड़ जाएगा।

उन्होंने बताया कि आज सुबह आरोपी पक्ष 50-60 लोगों के साथ पहुंचा और हथियारों से हमला कर दिया। परिजनों का दावा है कि झगड़ा करीब दो घंटे तक चलता रहा। 9 से 11 बजे तक कंट्रोल रूम और थाने में कई बार शिकायत की, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। झगड़े के दौरान रफीक के सिर में गोली लग गई। उसे पहले नौगांवा के निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रफीक के परिजन शहरुन खान के अनुसार, आरोपी सुपेदा, रोशन, फजरू और सुलेमान के परिवार ने हमला किया। गोली लगने के बाद रफीक खान को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

झगड़े में रफीक की मां आसीनी (65) के सिर में भी चोट लगी है। रफीक के मामा महमूद (40) भी घायल हुए हैं। नूरुद्दीन खान (45), रफीना (30) और महमूदी (32) घायल हो गए हैं। घायलों को अलवर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इनके अलावा परिवार का एक सदस्य और घायल हुआ, जिसे प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। नूरुद्दीन खान को सीरियस कंडीशन में जयपुर रेफर कर दिया है। उसके सिर में फावड़े से हमला किया गया था।

घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली औरएनईबी थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंची। फिलहाल पुलिस मौके और अस्पताल में तैनात है, ताकि स्थिति बिगड़े नहीं।

# भरतपुर की सुजान गंगा नगर में ऑक्सीजन की कमी से मछलियों की मौत

## यह पहली बार नहीं है, बल्कि प्रतिवर्ष ऐसा ही मामला सामने आता है

भरतपुर शहर की सुजान गंगा नगर में ऑक्सीजन की कमी के चलते मछलियों की मौत हो रही है।

- सुजान गंगा नहर में मछलियों की मौत का मुख्य कारण दूषित पानी है, जिससे पानी में घुली हुई ऑक्सीजन की कमी हो जाती है

**भरतपुर,** (निसं)। भरतपुर शहर की जीवनदायिनी कहे जाने वाली सुजान गंगा नगर में ऑक्सीजन की कमी के चलते मछलियों की मौत हो रही है, जिससे निकालने का काम किया जा रहा है। यह पहली बार नहीं है, बल्कि प्रतिवर्ष ऐसा ही मामला सामने आता है। सुजान गंगा नहर में मछलियों की मौत का मुख्य कारण दूषित पानी है, जिससे पानी में घुली हुई ऑक्सीजन की कमी हो जाती है, जो मछलियों के लिए जानलेवा है। सर्दियों में पानी की ऊपरी परत जमने से भी ऑक्सीजन अंदर नहीं जा पाती। इसके अलावा, नहर में जमी गंदगी भी मुख्य वजह है।

नगर निगम आयुक्त श्रवण कुमार विश्नोई ने कहा कि मछलियों के मृत होनी कि जानकारी मिली थी। मृत मछलियों को बाहर निकालने का ठेका दे रखा है। मछलियों के मरने का कारण ऑक्सीजन की कमी है। आगे मछलियां नहीं मरे इसके लिए ऑक्सीजन के साधन लगाए जायेंगे। फव्वारे भी नहीं चल पा रहे बीडीए से बात कर 8 से 10 घंटे चलवाएंगे। जिससे मछलियों को ऑक्सीजन मिल सके।

साबिर खान ने बताया कि मृत मछलियों का निकालने का ठेका भतीजे सोनू कुरैशी के नाम से है। इन्होंने बताया कि सुजान गंगा नहर में कचरा जमा है। जिससे पानी दूषित होने से मछलियों को ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है, जिससे उनकी मौत हो रही है, सुजान गंगा नहर से करीब 5 से 6 क्विंटल मछलियों को बाहर निकलवाकर दफनाया गया है। उन्होंने मांग की है दूषित पानी को बाहर निकलवाकर शुद्ध पानी भरा जाए और जो इसमें फव्वारे लगे हुए है उन्हें चलवाया जाए।

वहीं ठेकेदार के द्वारा मृत मछलियों को निकलवाने काम नाबालिग बच्चों से कराया जा रहा है। मीडिया को देख बच्चे मृत मछलियों को छोड़ भागने लगे। जब इसके बारे में ठेकेदार से बातचीत की तो उन्होंने कहा बच्चे खेलने के लिए आए थे।

# दुकान में लाखों की चोरी

**भीलवाड़ा,** (निसं)। शहर के बाजार नंबर दो में स्थित एक होलसेल किराना दुकान में हुई बड़ी चोरी से इलाके में सनसनी फैल गई। सिटी कंट्रोल रूम के पीछे स्थित हीरा ट्रेडिंग नामक होलसेल किराना शॉप को नकाबपोश चोर ने निशाना बनाया।

दुकान मालिक किशोर गुरनानी ने बताया कि सोमवार रात अज्ञात चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसा और गल्ले में रखी नकदी सहित लगभग ढाई लाख रुपये से अधिक की राशि चोरी कर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाली थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगाले।


**OFFICE OF MUNICIPAL BOARD NAWA CITY (DIDWANA-KUCHAMAN)**

SR.NO. :MBN/DEV/2025-26/1662 DATE : 13.11.2025

**NOTICE INVITING BID**

03 Bids for Cleaning work and CC Road at FSTP (cost 25.08 lacs) are invited from interested bidders up-to 12.00 PM (time) 24.11.2025 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.

NIB NO. DLB2526A8017 UBN No. DLB2526WSOB24079, 24080, 24082

EPROC TENDER ID : 2025_DLB_513033_1, 2, 3

Raj.Samwad/C/25/14056 Executive Officer

**Rajasthan Financial Services Delivery Limited**

3rd Floor, B-Block, Vitta Bhawan, Janpath, Jaipur-302005 (Raj.)

e-mail Id: rfsdl@rajasthan.gov.in

File No. :- F.1(21)/RFSDL/2025 Date :- 14/11/2025

**NOTICE INVITING BIDS (NIB-03/2025-26)**

Bid for Empanelment for the Procurement of Consultancy Firms (Tier-I) by RFSDL is invited from interested bidders up to 05.00 PM on dated 04.12.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in of the state and RFSDL website https://rfsdl.rajasthan.gov.in). The approximate value of the procurement is INR 25 Crores. UBN Number : FGT2526SLOB00018

Raj.Samwad/C/25/14080 Executive Director (Adm.)

**कार्यालय नगर परिषद, हिण्डौन सिटी, जिला करौली (राज.)**

क्रमांकः-न.प.हि./8179 दिनांकः-13.11.2025

**-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26 ::-**

नगर परिषद हिण्डौन सिटी की ओर से विकास/निर्माण/मरम्मत निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी के नगर परिषद/नगर निगमों/नगर विकास निकायों, जयपुर विकास प्राधिकरण, आवासन मण्डल व केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/ केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए., बी., सी, डी श्रेणियों के संवेदकों/फर्मो के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदा प्राप्त की जावेगी। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.gov.in पर देखी जा सकती है। UBN NO. DLB2526WSOB24222

समापति नगर परिषद हिण्डौन सिटी — आयुक्त नगर परिषद हिण्डौन सिटी

राज.संवाद/सी/25/14061

**कार्यालय नगरपरिषद झालावाड़ (राज0)**

क्रमांक : न.परि.झा./safai/2025/4556 दिनांकः 14.11.2025

**-: ई-निविदा :-**

(Nit No. 07/2025-26)

UBN No :- DLB2526WSOB24122

NIB Code :- DLB2526A8025

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तिय वर्ष 2025.-26 में कार्य विशेश का अनुभव रखने वाले पंजीकृत संवेदको से Operation and maintenance of modern toilet at bhawani park and modular pre-fabricated toilets (5Nos.) in various wards of municipal council Jhalawar for 2 years. हेतु निम्नानुसार निविदायें दिनांक 28.11.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। संवेदक द्वारा निविदा प्रपत्र एवं शर्तो का विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त किये जा सकेंगे।

आयुक्त नगरपरिषद झालावाड़

राज.संवाद/सी/25/14089

**कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति 'द' श्रेणी कुम्हेर, जिला डीग (राज.)**

क्रमांक :- राजकाज 18848724 दिनांक :- 14/11/2025

**ई-बोली सूचना**

कृषि उपज मण्डी समिति कुम्हेर में वर्ष 2025-26 के निम्न कार्यों हेतु रजिस्टर्ड फर्मो/संस्थाओं/कम्पनियों के निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमैन्ट के माध्यम से ऑनलाईन बोलियां आमंत्रित की जाती है।

NIB No.- DAM2526A0561, UBN: DAM2526GLOB00982

| क्र. सं. | कार्य का नाम | अनु. लागत (लाखों मे) | बोली प्रपत्र शुल्क | बोली प्रतिभूति | वेबसाईट से बोली प्रपत्र डाउनलोड करने की तिथि | बोली प्रपत्र ऑनलाईन प्रस्तुत करने की तिथि | तकनीकी बिड खोलने की तिथि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ऑयल टेस्टिंग मशीन की आपूर्ति (01 नग) | 15.00 | 1000+18% GST=1180 | 30000/- | 24.11.2025 | 24.11.2025 | 25.11.2025 |

बोली प्रपत्र वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:sppp.rajasthan.gov.in से निर्धारित दिनांक अवधि में डाउनलोड किये जा सकते है। बोली प्रपत्र शुल्क, बोली प्रतिभूति राशि एवं बोली प्रोसेसिंग फीस 500/- डी.डी./बैंकर्स चैक द्वारा भौतिक रूप से दिनांक 25. 11.2025 को प्रातः 11:00 बजे तक कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, कुम्हेर में जमा करानी होगी तथा इनकी स्केन प्रति भी बोली प्रपत्र के साथ ऑनलाईन प्रस्तुत करनी होगी। बोली प्रपत्र ऑफलाईन स्वीकार नही किये जायेगे।

राज.संवाद/सी/25/14099 प्रशासक सचिव

## जयपुर केंद्रीय कारागार में औचक निरीक्षण में मिला डोंगल

**जयपुर।** घाटगेट स्थित जयपुर केंद्रीय कारागार में बंदियों के पास से मोबाइल मिलने का मामला अब पुराना हो गया और जेब की सलाखों के पीछे बैठे कुख्यात बदमाश अब जेल परिसर से इंटरनेट का इस्तेमाल भी करने लगे है। जेल की सलाखों के पीछे से बंदी इंटरनेट का इस्तेमाल कर क्या करना चाह रहे है इसकी जांच लाल कोठी थाना पुलिस करने में जुटी है।

थानाधिकारी प्रकाश विश्नोई ने बताया कि जेल प्रहरी राजेश तंवर ने मामला दर्ज कराया है की सोमवार को जेल प्रशासन की ओर से जेल परिसर में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सर्च के दौरान जेल के बिजली कोठड़ी के स्टोर रुम की तलाशी के दौरान उसमें छिपा रखा डोंगल बरामद हुआ।

संभावना जताई जा रही है कि अज्ञात बंदी ने जेल परिसर में इंटरनेट का उपयोग करने के बाद इसे बिजली कोठड़ी में छिपा कर रख दिया। बंदियों से पूछताछ के बाद जेल प्रहरी ने मामले की जानकारी जेल अधिकारियों को दी। जिसके बाद राजेश तंवर ने लालकोठी थाने पहुंच अज्ञात बंदी के खिलाफ जेल परिसर में डोंगल के माध्यम से जेल में इंटरनेट का इस्तेमाल करने का मामला दर्ज कराया।

# 'बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन प्लानिंग के साथ तय समयावधि में पूरा करें'

शासन सचिव राजन विशाल एवं आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी चिन्मयी गोपाल ने योजनाओं की समीक्षा बैठक ली।

- 'योजनाओं के लक्ष्यों की पूर्ति निर्धारित अवधि में सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों को लाभ मिल सके'

**जयपुर।** पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में मंगलवार को शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल एवं आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी चिन्मयी गोपाल की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने कहा कि राज्य में कृषि विकास की रफ्तार को बनाये रखने हेतु सभी अधिकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने किसानों की आय वृद्धि, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण स्थानीय कृषि पद्धितयों के विस्तार पर विशेष बल दिया।

उन्होंने ने कहा कि पूरे देश में खरीफ 2025 की 8 करोड़ 71 लाख बीमा पॉलिसियां करवाई गई हैं, जिनमें से 2 करोड़ 16 लाख यानी लगभग 25 प्रतिशत पॉलिसियां अकेले राजस्थान की हैं। इसके लिए उन्होंने सभी जिलों के विभागीय अधिकारियों को धन्यवाद दिया कि उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से किसानों को फसल बीमा के प्रति जागरूक किया।

राजन विशाल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा उर्वरकों की दैनिक उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कम उपलब्धता और अधिक खपत वाले जिलों व ब्लॉकों को चिन्हित कर प्रदेश भर में प्राथमिकता के साथ पूर्ण पारदर्शिता से उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है।

उर्वरकों की कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने के लिए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को प्रदेश भर में पूर्ण सतर्कता से कार्य करने हेतु निर्देशित किया।शासन सचिव ने कृषि ज्ञानधरा 2.0 पर बात करते हुए कहा कि कृषि में ज्ञान की बहुत आवश्यकता है और कृषि ज्ञानधारा कार्यक्रम द्वारा फसलों की जानकारी ले कर किसान अपने उत्पादों में वृद्धि कर सकते हैं।

कृषि ज्ञानधारा 2.0 कार्यक्रम द्वारा कृषक ग्राम लेवल से जुड़कर उन्नत एवं नवीन कृषि तकनीकों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रत्येक बुधवार को जानकारी दी जाती है।आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी ने कहा कि बजट घोषणाओं को प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करें। योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर पात्र कृषकों को लाभान्वित करें, जिससे किसान विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर अपनी उपज और आमदनी में वृद्धि कर सके।बैठक में वर्ष 2025-26 में संचालित विभिन्न डीबीटी योजनओं जैसे डिग्गी, फार्म पॉण्ड, पाईपलाइन, तारबंदी, कृषि यंत्र, गोवर्धन जैविक योजना, भूमिहीन कृषकों को कृषि यंत्रों पर अनुदान, बैलों से खेती तथा कस्टम हायरिंग केंद्रों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी योजनाओं के लक्ष्यों की पूर्ति निर्धारित अवधि में सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों को अधिकतम लाभ मिल सके।समीक्षा के दौरान सीएसएस योजनाओं की वित्तीय प्रगति, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन, जैविक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना आदि की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बीमा क्लेमों में आ रही दिक्कतों को दूर कर जल्द से जल्द बीमित कृषकों को क्लेम दिए जाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

चिन्मयी गोपाल ने कहा कि राज्य में कृषि विकास की रफ्तार को बनाए रखने हेतु सभी अधिकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

उन्होंने किसानों की आय वृद्धि, प्राकृतिक संसाधनों के सरंक्षण एवं स्थायी कृषि पद्धितयों के प्रसार पर विशेष बल दिया। बैठक में निदेशक आत्मा डॉ. सुवा लाल जाट, वित्तीय सलाहकार डॉ. होशियार सिंह, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार), एस एस शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) डॉ हुशियार सिंह, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) अजय कुमार पचौरी, समस्त खण्डीय अतिरिक्त निदेशक कृषि (वि.), समस्त संयुक्त निदेशक कृषि (वि) सहित कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं योजना प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

## भारत सरकार ने की राष्ट्रीय गोपाल रत्न अवार्ड की घोषणा

- आरसीडीएफ ने देश में राजस्थान का लहराया परचम

**जयपुर/नई दिल्ली।** भारत सरकार के मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय ने वर्ष 2025 के लिये पशुधन और डेयरी क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गोपाल रत्न अवार्डस की घोषणा कर दी है। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर 26 नवम्बर, 2025 को गोपाल रत्न अवार्ड वितरित किये जायेंगे। पुरुस्कार वितरण समारोह में भारत सरकार के मत्स्य, पशुपालन, डेयरी और पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह, राज्यमंत्री प्रोफेसर एस0पी0 सिंह बघेल और राज्यमंत्री जार्ज कुरियन की उपस्थिति में आयोजित होगा।

राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन ने इस वर्ष तीन बड़े अवार्ड जीतकर लगातार दूसरे साल राष्ट्रीय स्तर पर अपनी धाक जमाई है। तीन बड़े राष्ट्रीय गोपाल रत्न अवार्ड आरसीडीएफ की झोली में आये हैं और गोपाल रत्न अवार्ड की तीनों श्रेणियों में आरसीडीएफ को पुरुस्कार से नवाजा गया है। बेस्ट डेयरी को-ऑपरेटिव सोसायटी श्रेणी में जयपुर जिला दुग्ध संघ की घिनोई दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति का चयन हुआ है। समिति को पुरुस्कार स्वरुप तीन लाख रुपये नकद, मेरिट सर्टिफिकेट और प्रतीक चिन्ह मिलेगा। बेस्ट डेयरी फार्मर श्रेणी में सीकर जिला दुग्ध संघ के दुग्ध उत्पादक हर्षित झुरिया को अवार्ड की घोषणा की गई है। हर्षित झुरिया को दो लाख रुपये नकद, मैरिट सर्टिफिकेट और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया जायेगा।

इसी प्रकार बेस्ट एआई टैक्नीशियन की श्रेणी में हनुमानगढ़ दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के दुग्ध उत्पादक विकास कुमार का चयन हुआ है जिन्हें मैरिट सर्टिफिकेट और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया जायेगा। इससे पहले भी आरसीडीएफ एवं इससे सम्बद्व जिला दुग्ध संघों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में आयोजित एक समारोह में भीलवाड़ा की दुग्ध उत्पादक लाभार्थी माया देवी और आरसीडीएफ की एमडी श्रुति भारद्वाज को कार्बन क्रेडिट की पहली किस्त सौंपी थी।

## बहुउद्देशीय बन रहीं सहकारी समितिया

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में सहकारिता का नेटवर्क और अधिक मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने तथा अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने में सहकारिता की अहम भूमिका को देखते हुए राज्य की पैक्सविहीन ग्राम पंचायतों में तीव्र गति से नवीन पैक्स का गठन किया जा रहा है। बड़े स्तर पर नवीन पैक्स गठन से राज्य के अधिक से अधिक लोगों तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी।राज्य सरकार ने बजट वर्ष 2025-26 में आगामी 2 वर्षों में राज्य की पैक्सविहीन लगभग 2600 ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स के गठन की घोषणा की थी। घोषणा की अनुपालना में सहकारिता विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में 1300-1300 पैक्स के गठन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। लेकिन इसकी तुलना में इस वित्तीय वर्ष में अक्टूबर माह के अंत तक ही 1700 नवीन पैक्स का गठन किया जा चुका है।

## जो लोग भाजपा पर मत चोरी के आरोप लगा रहे थे, अंता का परिणाम उनके लिए झन्नाटेदार तमाचा : डॉ राधा मोहनदास अग्रवाल

- डॉ. अग्रवाल ने कहा कि अंता चुनाव ने सिद्ध कर दिया है कि भाजपा शासन में चुनाव पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ संपन्न होते है

**जयपुर।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में मीडिया बाइट के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों पर करारा जवाब दिया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस बेतुके आरोपों और भ्रामक बयानबाजी के जरिए राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, जबकि अंता उपचुनाव का परिणाम भाजपा की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक आस्था का स्पष्ट प्रमाण है।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि अंता चुनाव ने सिद्ध कर दिया है कि भाजपा शासन में चुनाव पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ संपन्न होते हैं। हमारी सरकार दिल्ली और राजस्थान दोनों जगह है, और छह माह से चुनाव तय थे। यदि भाजपा चाहती, तो प्रशासनिक नियंत्रण के आधार पर चुनाव को प्रभावित कर सकती थी, परंतु ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि 81 फीसदी मतदान यह दर्शाता है कि जनता ने स्वतंत्र होकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि जो लोग भाजपा पर मत चोरी के आरोप लगा रहे थे, अंता का परिणाम उनके लिए झन्नाटेदार तमाचा है। अंता ही नहीं, जम्मू-कश्मीर का भी उदाहरण दिया जा सकता है। श्रीनगर की अधिकांश सीटों पर भाजपा हार गई, फिर भी 70 फीसदी मतदान हुआ। यह भाजपा की लोकतांत्रिक निष्ठा तथा पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया का प्रमाण है।

अग्रवाल ने कहा कि अशोक गहलोत अब ''टाइम से बाहर'' हो चुके हैं। अगर हम जुमलेबाजी करते, तो बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली के चुनाव हम नहीं जीतते। हमारा विज़न और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संवाद सीधे जनता के दिल तक पहुंचता है, और यही हमारी जीत का आधार है। कांग्रेस पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि 65 वर्षों तक कांग्रेस सिर्फ 'गरीबी हटाओ' के जुमले देती रही, लेकिन भाजपा ने पिछले 11 वर्षों में गरीब तबके के जीवन को वास्तविक रूप से बदला है।डॉ अग्रवाल ने चुनाव आयोग को हाईजैक करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस 65 वर्षों तक चुनाव आयोग पर दबाव बनाती रही, इसी कारण उसे आज भी वही एहसास होता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएलओ, एसडीएम, जिला चुनाव अधिकारी, सभी राज्य सरकार द्वारा नियुक्त और नियंत्रित अधिकारी होते हैं। अगर ये अधिकारी गलत काम कर रहे हैं, तो गहलोत जी बताएँ कि जिम्मेदार कौन-उनकी अपनी नियुक्तियां या केंद्रीय चुनाव आयोग? उन्होंने कहा कि एसआईआर मतदाता सूची की पारदर्शी प्रक्रिया है।

## ढूँढाड़ परिषद ने मनाया जयपुर का 298वां स्थापना दिवस

जयपुर का 298वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया।

**जयपुर।** ढूँढाड़ परिषद ने जयपुर का 298वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया। प्रातः 10 बजे स्टेच्यू सर्किल पर जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

प्रसिद्ध जिया द्वारा वादन प्रस्तुत किया गया। इसके बाद एलएमबी होटल द्वारा तैयार विशेष गुलाबी केक को परिषद के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध इतिहासकारजितेंद्र सिंह शेखावत, सलाहकारडॉ. एस.एस. अग्रवाल, महामंत्री अजय विजयवर्गीय, ग्रेटर नगर निगम चेयरमैन जितेंद्र माली, उपाध्यक्षकपिला कुमावतसमेत जयपुर के कई बुद्धिजीवियों और शहरप्रेमियों ने मिलकर काटा।

एलएमबी के लड्डू, मख्खन बड़े और पुरानी मिठाईमोटे दानेजैसे पारंपरिक पकवानों का सभी ने आनंद लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इतिहासकार जितेंद्र सिंह शेखावत ने जयपुर और ढूँढाड़ क्षेत्र के इतिहास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंग प्रस्तुत किए। परिषद के अध्यक्षविजय पाल कुमावतने ढूँढाड़ परिषद की 15 वर्ष की उपलब्धियों और कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परिषद ने 15 वर्ष पहले पहली बार जयपुर स्थापना दिवस को आम जनता तक पहुंचाने की पहल की थी, जो अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है।

## सहकार सप्ताह पर सेमिनार आयोजित

**जयपुर/कोटा।** कोटा जिला सहकारी संघ लिमिटेड द्वारा 14 नवंबर से 20 नवंबर तक मनाए जा रहे सहकार सप्ताह के तहत सहकार भवन में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय ष्राष्ट्रीय सहकारी नीति पारिस्थितिकी तंत्र, भारत की सहकारी समितियों के संरचित रोडमैप था। इस सेमीनार मे लगभग 70 से अधिक सहकार सदस्यों की भागीदारी रही। सेमीनार की अध्यक्षता बलविंदर सिंह, अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितिया कोटा ने की तथा मुख्य अतिथि महेंद्र खंडेलवाल अध्यक्ष कोटा जिला सहकारी संघ कोटा थे। इस अवसर पर अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितिया कोटा बलविंदर सिंह ने कहा कि सहकार से समृद्धि के दृष्टिकोण को साकार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सहकारी नीति-2025 की शुरुआत की है। 24 जुलाई 2025 को अनावरण की गई राष्ट्रीय सहकारी नीति 2025 सहकारी क्षेत्र के विकास के लिए छह प्रमुख स्तंभों, 16 उद्देश्यों और 82 ठोस कार्य योजनाओं पर आधारित है।

## ग्वार ब्राह्मण में जुटे घुमंतू तथा दलित समाज के संगठन

**जयपुर।** सांगानेर इलाके में विगत 40 वर्ष से एक ही स्थान में रह रहे घुमंतू तथा दलित परिवारों को बिना पुनर्वास किया बेदखल करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जहां भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी ने जयपुर विकास प्राधिकरण तथा राजस्थान आवासन मंडल पर भूमि विहीन तथा गरीब नागरिकों को बेदखल कर आम किसान की भूमि को ऊंचे दाम पर बेचने का आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार जयपुर विकास प्राधिकरण के इन अधिकारियों की करतूत पर समय रहते नकल कैसे वरना जयपुर विकास प्राधिकरण तथा राजस्थान आवासन मंडल के अधीन आने वाली भूमि पूरी की पूरी अमीरों को बेच दी जाएगी और आवास विहीन तथा भूमि विहीन किस गांव में जीवन भर अत्यंत गरीबी रेखा के नीचे ही पड़े रहेंगे। जो प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प का भारत बनाने के लिए धरातल पर सरकार की मदद भी कर रहा है। लेकिन वर्तमान हालात पर जयपुर विकास प्राधिकरण तथा राजस्थान आवासन मंडल की भूमि जब्त करो और गरीब को नजरअंदाज करो वाली नीति के चलते अब भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे दलित उत्थान महा अभियान कार्यक्रम में अब जनता तथा सामाजिक संगठनों का भी समर्थन आने लगा हैं।

सोसाइटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईरा बॉस, संयुक्त अभिभावक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू तथा भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष अनीश कुमार नाडर ने ग्वार ब्राह्मण में सर्दी में खुले आकाश में रह रहे नागरिकों को तुरंत प्रभाव से अस्थाई शेल्टर उपलब्ध करवाने तथा इन लोगों का सर्वे कर ग्वार ब्राह्मण के गरीब नागरिकों को ग्वार ब्राह्मण के किसानों से जब्त की गई भूमि पर बसाने के लिए कार्यवाही शुरू करने के लिये जयपुर विकास प्राधिकरण तथा राजस्थान आवासन मंडल को तीन दिन का समय दिया गया है।

# जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाकर करोड़ो की धोखाधड़ी करने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार

- मुहाना थाने में दो और चित्रकूट थाना एक मामले में लंबे समय से चल रहा था आरोपी फरार
- पुलिस ने अलग-अलग राज्यों में करीब 4 हजार किलो मीटर पीछा कर बेंगलूरु कर्नाटक से दबोचा शातिर फर्जी
- पुलिस अन्य आरोपियों व परिजनों की भुमिका को लेकर कर रहीं है गहनता से जांच

शातिर बदमाश लविश जैन पुत्र आशीष जैन को गिरफ्तार किया।

**जयपुर।** मुहाना थाना पुलिस ने फर्जी जमीन और फर्जी दस्तावेज तैयार कर करोडों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले शातिर फर्जी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। बताया जा रहा है गिरफ्तार आरोपी की तलाश में पुलिस ने अलग-अलग राज्या में लगातार करीब 4 हजार किलोमीटर पीछा कर बेंगलुरु के कर्नाटक से शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में अन्य आरोपियों और परिजनों की भूमिका को लेकर भी गहनता से जांच करने में जुटी है। उपायुक्त दक्षिण श्री राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि दक्षिण इलाके में पुराने मामलों में फरार चल रहे मुल्जिमों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया गया था। जिसके लिए विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने फर्जी जमीन दिखाकर तथा फर्जी दस्तावेज तैयार कर करोड़ो रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में शातिर बदमाश लविश जैन (24) पुत्र आशीष जैन अजमेरा फार्म ,मुहाना ,हाल प्रिवेंटो वेलव्रेथ सोसाइटी ,डोडालेबल्लापुर ,बेंगलुरु कर्नाटक निवासी को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा आरोपी करीब चार से फरार चल रहा था।मामला दर्ज होने के बाद शातिर बदमाश पटना, कुल्लू मनाली, हिमाचल प्रदेश, वाराणसी होते हुए बेंगलुरु कर्नाटक में अपनी महिला मित्र के पास फरारी काटने चला गया।

पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी सहायता के आधार पर अलग-अलग राज्यों में करीब 4 हजार किलोमीटर तक आरोपी का पीछा करते हुए उसे दबोच लिया। पुलिस आरोपी के परिजन की भूमिका की जांच कर रहीं है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ मुहाना में दो और चित्रकूट में एक मामला पेडिंग चल रहा है।

विशेष टीम में थानाधिकारी गुर भूपेंद्र सिंह ,एएसआई करण सिंह,हेड कॉन्स्टेबल शिव सिंह, हेड कॉन्स्टेबल कानसिंह, हेड कॉन्स्टेबल अभय सिंह, हेड कॉन्स्टेबल तकनीकी शाखा लोकेश सिंह ,हेड कॉन्स्टेबल रामसिंह व कॉन्स्टेबल ओम प्रकाश डोबर को शामिल किया गया।

## गौ हत्या रोकने के लिए देशभर के साधु-संत एकजुट

**जयपुर।** जेएलएन मार्ग स्थित होटल क्लार्क आमेर में गो माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलवाने और गो हत्या रोकने के लिए मंगलवार साधु-संतों की एक बैठक आयोजित हुई। जिसमें प्रदेशभर के करीब 3 सौ साधु-संतों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस बैठक में संत, शंकराचार्य और महामंडलेश्वर उपस्थित रहे और बैठक का नेतृत्व महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा ने किया।

होटल परिसर में सुबह से ही शंख, घंटा-घड़ियाल, संकीर्तन और जयकारों के बीच देशभर के संत-विभूति एकत्रित हुए। सामान्यतः इस प्रकार की धर्मसभा मठ-मंदिर या गौशालाओं में होती है, परंतु आयोजकों ने कहा कि मामला अत्यंत गंभीर है, इसलिए गंभीरता दर्शाने के लिए संत समाज ने शिष्यों के सहयोग से इस बैठक का आयोजन होटल में किया है। बैठक के दौरान कम्प्यूटर बाबा ने कहा गोमाता भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं।

## सार-समाचार

### जहर खुरानी करने वाला हिस्ट्रीशीटर बदमाश गिरफ्तार

**जयपुर।** ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में दिनदहाड़े एक युवक से जहरखुरानी कर लूटपाट करने वाले एक हिस्ट्रीशीटर आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित ने बातों में उलझाकर नशीला बिस्किट खिलाकर पेंट की जेब में रखे 51 हजार रुपए और मोबाइल निकालकर फरार हो गया था। जिसे पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चिन्हित करते हुए पकडा है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में दिनदहाड़े एक युवक से जहरखुरानी कर लूटपाट करने वाले एक हिस्ट्रीशीटर आरोपित राजू यादव उर्फ रघुवीर सिंह (50) निवासी कन्नौज (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से मिली नशे की गोलियों व सामान को जब्त किया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपित राजू यादव उर्फ रघुवीर सिंह हिस्ट्रीशीटर है।शनिवार शाम वह जयपुर से ग्वालियर जाने के लिए रोटरी सर्किल पर बस का इंतजार कर रहा था। इस दौरान करीब 40 साल का व्यक्ति आकर उसके पास बातचीत करने लगा और फिर मीठी-मीठी बातें कर उसे आने-जाने के बारे में पूछने लगा। कुछ देर बाद बातों में लेकर बिस्कुट खिला दिया। बिस्कुट में जहर मिला होने के कारण वह खाते ही बेहोश हो गया। बेहोश होने के बाद उसकी पेंट की जेब में रखे 51 हजार रुपए व मोबाइल निकालकर फरार हो गया। लोगों ने बेहोशी की हालत में पड़े मिलने पर हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती करवाया करवाया। रविवार को होश आने पर जहरखुरानी की वारदात का पता चला। इस संबंध में थाने में पीड़ित ने मामला दर्ज करवाया। जहां पुलिस घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने के साथ जहरखुरानी कर लूट करने वाले बदमाश पकडा।

### डिमार्ट में मिला पुलिसकर्मी का खोया फोन लौटाया

**जयपुर।** राजधानी जयपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे चार मेहनती युवाओं ने उस समय ईमानदारी की अनूठी मिसाल पेश की। जब उन्होंने पुलिस मुख्यालय में कार्यरत एक कांस्टेबल का खोया हुआ मोबाइल फोन लौटाया। यह घटना दर्शाती है कि समाज में आज भी नैतिकता और सच्चाई का मूल्य कितना महत्वपूर्ण है। यह वाकया लाल कोठी स्थित डिमार्ट डिपार्टमेंटल स्टोर का है। फागी तहसील के पिनास चकवाडा गांव के रहने वाले रघुराज गुर्जर, सुनील गुर्जर, दीपक गुर्जर और सोमेश गुर्जर स्टोर में खरीदारी कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें पुलिस मुख्यालय में कार्यरत कांस्टेबल घनश्याम शर्मा का मोबाइल फोन मिला। फोन में कई अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज़ और संपर्क जानकारी मौजूद थी। चारों युवकों ने बिना किसी देरी के अपनी ईमानदारी का परिचय देते हुए मोबाइल पर कॉल किया और कांस्टेबल घनश्याम शर्मा को सूचित किया कि उनका खोया हुआ फोन उनके पास सुरक्षित है। सूचना देने के बाद चारों युवक तुरंत पुलिस मुख्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने कांस्टेबल घनश्याम शर्मा को उनका क़ीमती मोबाइल फोन सम्मानपूर्वक सुपुर्द कर दिया। अपना खोया हुआ फोन वापस पाकर कांस्टेबल घनश्याम शर्मा बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने चारों युवकों का तह-ए-दिल से धन्यवाद किया। कांस्टेबल शर्मा ने बताया कि फोन में उनके कई अत्यधिक महत्वपूर्ण सरकारी और व्यक्तिगत दस्तावेज़ थे, जिनके खो जाने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता। पिनास चकवाडा के ये चारों युवक वर्तमान में जयपुर में रहकर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। उनकी इस पहल ने न केवल उनके गांव और परिवार का नाम रोशन किया है। बल्कि उन सभी लोगों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बने हैं जो मानते हैं कि ईमानदारी सबसे बड़ी नीति है।

### राजस्थान पुलिस अकादमी में राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन 21 नवंबर को

**जयपुर।** राजस्थान पुलिस अकादमी में 21 नवंबर को राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन पुलिस महानिदेशक, महानिरीक्षक पुलिस सम्मेलन-2024 की अनुशंसा संख्या 71 के अनुपालन में आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य केंद्रीय स्तर पर हुए डीजीपी, आईजीपी सम्मेलन के सुझावों पर गहन मंथन करना और राज्य पुलिस द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना है। यह महत्वपूर्ण सम्मेलन ऑफलाइन और ऑनलाइन (हाइब्रिड) मोड में आयोजित किया जाएगा ताकि राज्य भर के अधिकारी इसमें शामिल हो सकें। जयपुर मुख्यालय में पदस्थापित सभी आईपीएस और आरपीएस अधिकारी व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में भाग लेंगे। जबकि राज्य के विभिन्न रेंज और ज़िलों में तैनात आईजी, डीआईजी, एसपी, एडिशनल एसपी और डीवाईएसपी रैंक के अधिकारी ऑनलाइन मोड के माध्यम से इस सम्मेलन से जुड़ेंगे। इस राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा होंगे। सम्मेलन में मुख्य रूप से केंद्र सरकार द्वारा आयोजित महानिदेशक,महानिरीक्षक पुलिस सम्मेलन 2024 में दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही राजस्थान पुलिस द्वारा सुरक्षा, लॉ एंड ऑर्डर, तकनीक के उपयोग और अन्य प्रशासनिक सुधारों के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

### मैरिज गार्डन-होटल में वारदात करने वालों पर पुलिस की नजर

**जयपुर।** राजधानी जयपुर में शादियों का सीजन शुरू होने के साथ ही ऐसे आयोजनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले बदमाशों और गिरोह भी सक्रिय हो गया। जो शादी समारोह में छोटे बच्चों के जरिए चोरी और नकबजनी की वारदात को अंजाम देते है। वहीं कई गिरोह ऐसे भी हैं, जो दूसरे शहर या अन्य राज्यों से जयपुर ऐसी वारदातों को अंजाम देने की फिराक में आते हैं। ऐसे गिरोहों और बदमाशों की जयपुर पुलिस ने निगरानी शुरू कर दी है। इसके साथ ही होटल,मैरिज गार्डन और रिसॉर्ट का भी निरीक्षण किया जा रहा है। इस तरह की वारदातों को अंजाम देने वाले आदतन बदमाशों और संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि नवंबर में शादियों का सीजन शुरू हो गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए मैरिज गार्डन, होटल, रिसॉर्ट जैसे स्थानों की जांच-पड़ताल का अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे स्थानों की एंट्री और एग्जिट पॉइंट पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हैं या नहीं, वहां लगे सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं इन सब का निरीक्षण किया जा रहा है। इसके अलावा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति के बारे में पुलिस को सूचित करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि शादी समारोह के दौरान चोरी करने वाले गिरोहों पर लगाम लगाने के लिए प्रो-एक्टिव तरीके से काम किया जा रहा है। वहीं बाहर से आने वाले गिरोह आमतौर पर ऐसी वारदातों को अंजाम देते हैं। इस बार प्रयास करेंगे कि ऐसे गिरोह से जुड़े बदमाश अपने मंसूबों में सफल नहीं हो पाएं।

### पटवारी सात हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

**जयपुर।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अजमेर टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए रूपनगर जिला ब्यावर के पटवारी आनन्द मेघवाल को गिरफ्तार किया गया। आरोपित पटवारी ने परिवादी की जमीन से सम्बन्धित नामान्तरकरण खोलने की एवज में रिश्वत मांगी थी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी की अजमेर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि पटवारी आनन्द मेघवाल उसकी जमीन का विरासत का नामांतरण खोलने की एवज में आठ हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। जिस पर शिकायत का सत्यापन करवाया और फिर एसीबी अजमेर टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचन्द्र के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए पटवारी आनन्द मेघवाल को सात हजार रुपये की रिश्वत लेते हुये पकडा गया है।

## Celebrating Men: Contributions, Challenges, and Well-Being

International Men's Day, celebrated annually on November 19, is dedicated to recognizing the contributions, achievements, and well-being of men across the globe. The day highlights positive male role models and encourages men to lead healthy, responsible, and balanced lives. It also addresses issues that affect men disproportionately, such as mental health, workplace safety, and gender-based stereotypes, fostering awareness and dialogue. Beyond focusing on men's challenges, the day promotes equality, inclusivity, and respectful relationships, emphasizing the importance of collaboration between genders. International Men's Day serves as a reminder to celebrate men's roles in families, communities, and society at large.



#HEALTH

# Have Cancer! Covid-19 could be next!

94% O cancer patients respond well to Covid-19 vaccines, others don't

In a U.S. and Swiss study, nearly all patients with cancer developed good immune response to the COVID-19 mRNA vaccines three to four weeks after receiving their second dose, but the fact that a small group of the patients exhibited no response raised questions about how their protection against the virus will be addressed moving forward.

Among the 131 patients studied, 94% developed antibodies to the coronavirus. Seven high-risk patients did not. "We could not find any antibodies against the virus in those patients," said Dimpy P. Shah, MD, PhD, of the Mays Cancer Center, home to UT Health San Antonio MD Anderson. "That has implications for the future. Should we provide a third dose of vaccine after cancer therapy has completed in certain high-risk patients?"

Dr. Shah is corresponding author of the study, published in the high-impact journal *Cancer Cell*. Coauthors are from the Mays Cancer Center and the University of Geneva.

"With other vaccines and infections, patients with cancer have been shown not to develop as robust an immune response as the general population," said study senior coauthor Ruben Mesa, MD, FACP, executive director of the Mays Cancer Center. "It made sense, therefore, to hypothesize that certain high-risk groups of patients do not have antibody response to COVID-19 vaccine."

"Patients with hematological malignancies, such as myeloma and Hodgkin lymphoma, were less likely to respond to vaccination than those with solid tumors," said Pankil K. Shah, MD, PhD, of the Mays Cancer Center, who served as co-lead author of the study with Alfredo Addeo, MD, senior oncologist at the Geneva University Hospital.

Among the high-risk groups, patients receiving a therapy called Rituximab, within six months of vaccination, developed no antibodies. Rituximab is a monoclonal antibody used in the treatment of hematological cancers and autoimmune diseases.

Patients on chemotherapy that is toxic to cells developed antibody response, but it was muted compared to the general population. "How that relates to protection against COVID-19, we don't know yet," Dr. Dimpy Shah said.

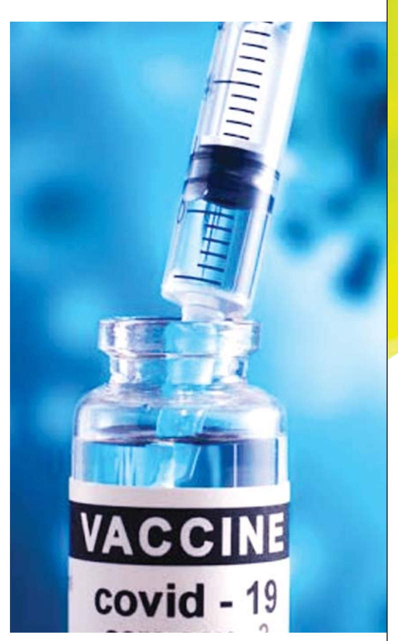


The Delta variant and other mutants of the COVID-19 virus were not examined in the study. The team also did not analyze the response of infection-fighting T cells and B cells in the patients with cancer.

The median age of patients in the study was 63. Most of the patients (106) had solid cancers as opposed to hematological malignancies (25). The study population was 80% non-Hispanic white, 18% Hispanic and 2% Black.

"We recommend that future studies be done in Black, Asian and Hispanic patients, as well, to see if there are any differences in vaccination immune response," Dr. Mesa said.

In countries where there is lack of vaccination, there is talk that one dose might confer adequate protection, but this may not be true in the case of patients with cancer, Dr. Dimpy Shah said.

"We observed a significant difference in response when two doses were given," Dr. Shah said. "At least for patients with cancer, two doses are very important for robust antibody response."

Dr. Pankil Shah said the study is unique because, unlike a few studies conducted in the past that evaluated immune response on the day of the second dose or within seven days of it, this study waited three to four weeks to obtain results.

Patients with high-risk cancers, especially those receiving anti-CD20 antibodies, should continue to take precautions even after being vaccinated, the study implies. "They still need to have that awareness that they could potentially be at risk because their body has not responded to vaccination," Dr. Pankil Shah said.

Many ladybird beetles feed on pollen as part of their diet as adults. Provide heavy pollen-producing plants like sunflowers and other composite flowers. Also, do not spray pesticides. Even approved for use in organics, pesticides can have impacts on ladybird beetles. It's important to learn to identify all life stages of the ladybird beetle. Most only know adults and may not recognize the immatures which do a lot of the feeding on other insects and mites.

# Ladybugs for Natural Pest Control? Yes But Your Own

● Ramon Gonzalez

Got pests? Encourage native ladybugs to inhabit your garden instead of buying wild-harvested ladybugs to manage unwanted insects. Purchased ladybugs are expensive and potentially disease-carrying, threatening native bug species already living in your garden and the surrounding area. Your best bet is to attract and encourage native ladybugs to thrive and flourish, which will responsibly deter unwanted pests.

In an article called '10 Online Gardening Communities You Should Join,' I recommended getting on Twitter (now X) because rarely a day goes by that I don't learn something new. Case in point: I was following a discussion in which Suzanne Wainwright (also known as @BugLadySuzanne) mentioned that ladybugs (aka lady beetles and ladybirds) purchased for your garden are usually trapped in the wild and can carry parasites and diseases that will infect ladybugs native to your area.

Since she's an entomologist with more than 20 years of experience and specializes in biological pest control, I wanted to ask her more about this practice because I always assumed ladybugs were raised more sustainably. Isn't buying them to release in a garden a good thing? Here's what I learned.

**Q: How common is it that trapped ladybugs are available for sale to gardeners?**
Almost all ladybird beetles sold in the United States are wild-harvested.

**Q: How much of the retail market does this consist of?**
For homeowners, buying the convergent ladybird (Hippodamia convergens) and the Asian lady beetle (Harmonia axyridis), those are all wild-harvested.
The only commercially produced (reared at a commercial insectary) 'red' ladybirds are the two-spot ladybird (Adalia bipunctata) and the spotted ladybird (Coleomegilla maculata).
There are a few other specialist ladybirds like Delphastus pusillus, Stethorus punctillum, and Cryptolaemus montrouzieri, but homeowners do not typically buy them. They are used more by commercial growers because they specialize in feeding on specific pests.

**Q: Are there ladybug 'farms' that gardeners can order from if they don't want to support the trapping of ladybugs in the wild?**
Companies like Insect Lore have them for sale, but often, homeowners find them too expensive. (For example, 1,000 ladybugs cost around $15 and are enough to cover a home greenhouse.) An insect that works better as a general predator in the garden is the green lacewing. These can be purchased from Beneficial Insectary for homeowner use.

#GARDENS

**Q: If someone buys ladybugs, how can they keep them from flying into a neighbour's yard once released?**
You typically cannot keep the ladybirds around unless you cage them on the plant. Even then, there is no guarantee they will feed on the pest insects because they are harvested while hibernating. Sometimes, harvesters will hold the lady beetles through their hibernation until they are ready to feed again, but even then, this does not mean they will stick around.

**Q: How serious of an issue are the parasites and diseases these wild-caught ladybugs carry? Do they affect other beneficial insects?**
If the parasites are not in the area, you could be introducing them. I have seen this happen in greenhouse settings. The parasites only attack ladybird beetles. Research has shown that 3-15% of harvest ladybird beetles carry the internal parasite Dinocampus coccinellae. This same study found many of the harvested beetles to be infected with Microsporidia, a disease that shortens the ladybird's life span and reduces the number of eggs laid by the female ladybird.

**Q: What can gardeners do to attract ladybugs naturally?**
Many ladybird beetles feed on pollen as part of their diet as adults. Provide heavy pollen-producing plants like sunflowers and other composite flowers. Also, do not spray pesticides. Even approved for use in organics, pesticides can have impacts on ladybird beetles.
It's important to learn to identify all life stages of the ladybird beetle. Most only know adults and may not recognize the immatures which do a lot of the feeding on other insects and mites.

**Q: I once saw a ladybug 'house' in a garden that didn't have any ladybugs at home. Are these a waste of time?**
Yes, waste of time.

**Q: Is there something else homeowners can buy or make to make a good 'home' or nesting environment for ladybugs?**
Since ladybird beetles have different overwintering sites, I would think you would have to look at the region and then the species.

Also, ladybirds don't 'nest.' In colder climates, they hibernate. How and where they hibernate depends on the species. For example, many northerners know that Harmonia axyridis (Asian ladybird) likes to overwinter in people's houses, where Coleomegilla maculata (spotted ladybird) likes to be in the leaf litter outside.

You can also get PredaLure, a pheromone that the USDA has shown attracts ladybirds.

Another point to consider is how the wild-harvesting of ladybugs impacts those bugs' home habitats. In North America, many are taken from California. Garden Myths writes, "The popularity of purchased lady beetles has skyrocketed and nobody knows what this is doing to local populations. Imagine someone coming into your neighbourhood to collect native bees, for shipment across the country." People would be understandably outraged.

Furthermore, convergent ladybugs (named for the converging white marks on their thorax), the most commonly sold variety, are highly competitive and could cause harm to less aggressive native species wherever they end up.

Adding to the problem, ladybugs don't stay put. Introducing 1,000 ladybugs to a backyard may work for a time, but as soon as their food source is gone (aphids), they'll fly elsewhere to look for more. A single adult ladybug will eat 50 aphids a day, so there's no point in using them for anything less than a full-blown infestation.

Research has shown that you need large amounts of ladybugs for effective control. "One large, heavily infested rose bush in the landscape required two applications of about 1,500 lady beetles each, spaced a week apart. Most packages sold in stores contain only enough lady beetles to treat one aphid-infested shrub or a few small plants."

According to a blog by the University of California Division of Agriculture and Natural Resources: "About 95% of released beetles in research studies flew away within 48 hours. The remainder were gone within 4 or 5 days. Lady beetles are unlikely to lay eggs on the plants they are released on. If aphids return a week or two later, gardeners will need to release more lady beetles, hose aphids off with water, use insecticidal soap sprays, or wait for other native aphid natural enemies to fly in."

A few years ago, when I stopped using chemicals in my garden, I saw an increase in both pests and beneficial insects like ladybugs. Whenever the aphid population increases, I trap the ladybugs in my garden and place them on the affected plants. In a video, I recorded in my garden, I placed a ladybug on a poppy seed pod being attacked by aphids. The ladybug made short work of the pests, and I was able to harvest poppy seeds.

The next time you have a bug problem in your garden, seek to attract native ladybugs, a most beneficial bug, and start a bug fight instead of reaching for pesticides. Most importantly, ladybugs can be purchased in India on India Mart and Amazon.

rajeshsharma1049@gmail.com

#MYTHOLOGY

# They Know About Sirius B

## The Dogon Tribe and Sirius B: A Cosmic Mystery Rooted in African Mythology

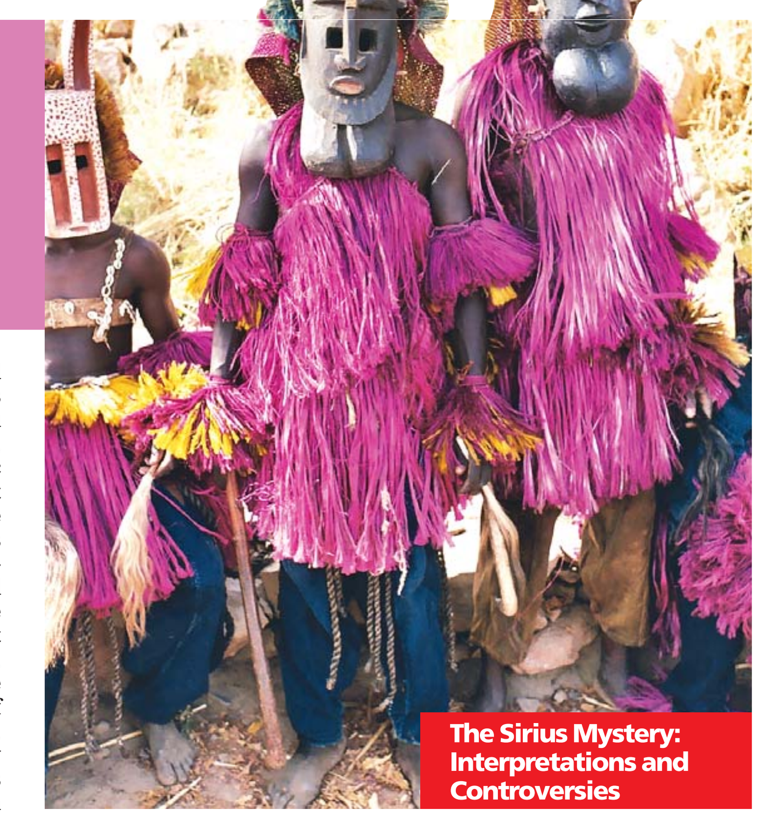

High on the rugged cliffs of Mali's Bandiagara Plateau lives the Dogon tribe, an African ethnic group renowned not only for their unique architecture and masked dances but also for a body of astronomical knowledge that has baffled scholars for decades. Among the most intriguing claims is that the Dogon possessed ancient, highly accurate knowledge about Sirius B, a white dwarf star invisible to the naked eye, long before its discovery by modern science. This claim has fueled widespread fascination and controversy, with some attributing the knowledge to early astronomical observations, and others proposing something far more extraordinary: extraterrestrial contact.

### The Dogon: An Overview

The Dogon people, numbering over half a million, reside primarily in Mali, West Africa. For centuries, they have preserved a rich oral tradition and spiritual system deeply tied to cosmology and celestial events.

Their traditional beliefs revolve around the idea that the universe was created by a supreme being called Amma, and that Earth was visited by beings known as the Nommos-fish-like, amphibious entities who descended from the stars to impart knowledge and guidance to humanity.

Central to this mythology is the Sirius star system.

### Sirius: A Star with a Secret

The Dogon refer to Sirius as 'Sigi Tolo,' meaning 'star of the Sigui.' According to their tradition, Sigi Tolo has a companion star - Po Tolo - which is:

- Incredibly small
- Extremely heavy
- Invisible to the naked eye
- Takes approximately 50 years to orbit Sirius A

Modern astronomy confirms that Sirius, the brightest star in the night sky, is indeed a binary star system, consisting of the visible Sirius A and a faint, dense white dwarf companion known as Sirius B, which was first theorized in 1844 and visually confirmed only in 1970 through powerful telescopes.

The alignment between Dogon mythology and scientific data has sparked global curiosity: How did the Dogon know about Sirius B long before it was confirmed by science?

### The Nommos and Extraterrestrial Contact

According to Dogon oral history, the Nommos, beings from Sirius, traveled to Earth in a vessel described as 'a fiery ark that landed with great noise and wind.' These celestial visitors were said to have taught the Dogon about the stars, agriculture, medicine, and spiritual practices.

The Nommos are often depicted as:

- Amphibious or fish-like
- Dual-sexed or androgynous
- Capable of regenerating
- Living in water

They remain central to Dogon religious rituals, especially the Sigui Festival, a ceremony held once every 60 years, which marks the symbolic return of the Nommos and the cycle of Sirius B's orbit.

## The Sirius Mystery: Interpretations and Controversies

### 1. Anthropological Skepticism

Many scientists and anthropologists remain skeptical of the Dogon-Sirius connection. Critics argue that the Dogon's knowledge may have come from European contact or misinterpretation during early anthropological research.

French anthropologists Marcel Griaule and Germain Dieterlen, who studied the Dogon in the 1930s and 1940s, were the first to document the tribe's advanced astronomical beliefs. Some scholars contend that Griaule may have unintentionally influenced the Dogon's responses, or that cultural contamination had occurred before his arrival.

### 2. Ancient Alien Theory

In contrast, others have embraced the theory that the Dogon were visited by extraterrestrial beings. The idea gained mainstream attention with the publication of Robert Temple's 1976 book *The Sirius Mystery*, in which he posited that ancient astronauts from the Sirius system may have visited Earth and shared astronomical knowledge with early civilizations, the Dogon among them. Temple drew parallels between the Nommos and similar 'fish gods' in other ancient cultures, such as Oannes in Mesopotamian mythology, suggesting a shared memory of alien contact across civilizations.

### Cultural Significance Today

Despite modern skepticism, the Dogon continue to celebrate their cosmological beliefs through rituals, masks, dances, and oral storytelling. While the younger generation is increasingly influenced by Islam and modern education, elders still preserve the sacred knowledge and myths, including those involving Sirius and the Nommos. Regardless of its origin, the Dogon's cosmology reflects a profound and symbolic connection to the universe, one that continues to inspire both wonder and debate.

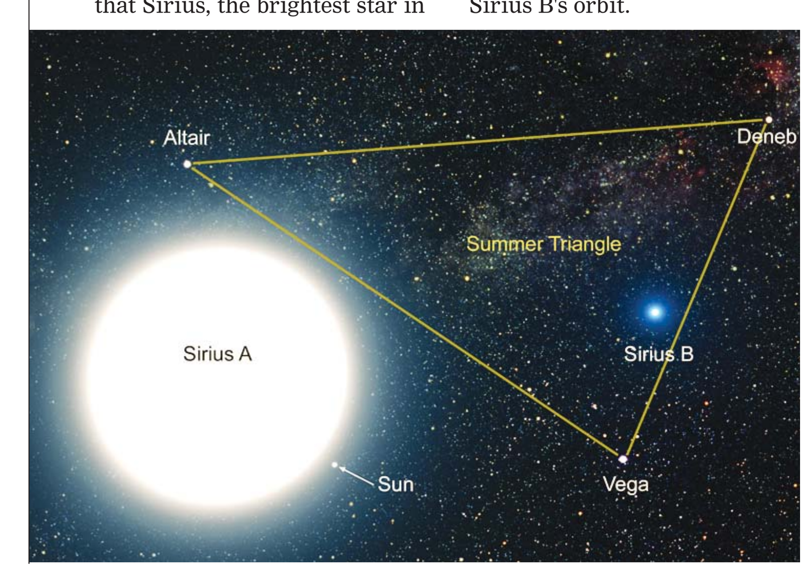


## THE WALL

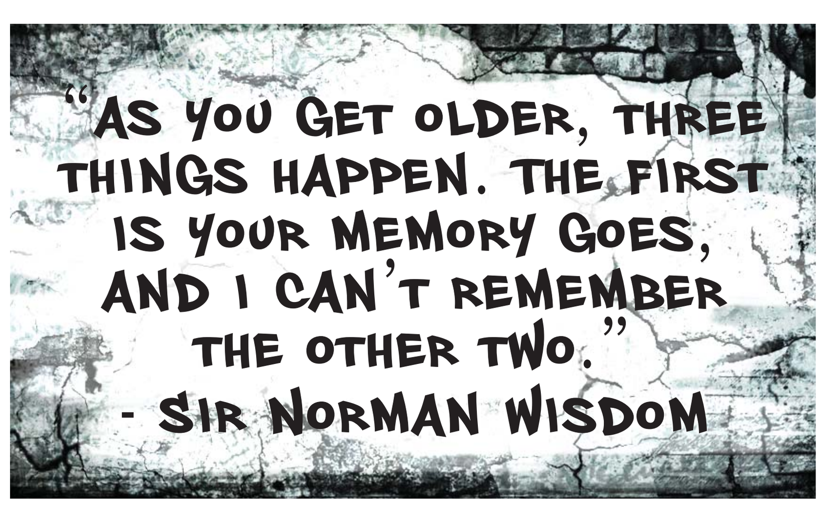


## BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

## ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

# वन्य जीव विभाग ने प्रदेश में ''कैपटिव एनिमल स्पॉन्सरशिप स्कीम'' लागू की

## इस स्कीम के तहत कोई भी व्यक्ति या संस्था वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकती है

- स्कीम के तहत पहली बार कोटा के अभेड़ा बायो लॉजिकल पार्क के वन्य जीव को एडॉप्ट किया गया

**कोटा, (निसं)।** वन्य जीव विभाग ने राजस्थान में ''कैपटिव एनिमल स्पॉन्सरशिप स्कीम'' लागू की है, जिसके तहत पहली बार कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क के वन्य जीव को एडॉप्ट किया गया है। इस स्कीम के तहत कोई भी व्यक्ति या संस्था वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकती है। यह समय सीमा कुछ दिन से लेकर एक साल तक की है या फिर इससे भी ज्यादा समय तक व्यक्ति किसी वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकता है। व्यक्ति या संस्था को एडॉप्ट किए गए वन्य जीव की देखरेख और भोजन के लिए होने वाले खर्च का भार उठाना होगा।

वन्य जीव विभाग के उपवन संरक्षक अनुराग भटनागर का कहना है कि राजस्थान में कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क ने ही इस स्कीम के तहत वन्य जीव एडॉप्ट की व्यवस्था की है। उन्होंने इसके लिए काफी मेहनत की और राज्य सरकार से अनुमति लेकर इसे लागू भी कर दिया है। एनटीपीसी अंता के परियोजना प्रमुख संजीव सक्सेना का कहना है कि उन्होंने 17 लाख की राशि देकर 1 साल के लिए 12 वन्य जीव को एडॉप्ट किया है। एनटीपीसी अंता ने सबसे पहले स्कीम के तहत 12 वन्य जिनमें एक टाईगर, चार पैंथर (दो नर व दो मादा), तीन हाईना (एक नर व दो मादा), तीन ब्लैक बक (एक नर व दो मादा) और एक सांभर शामिल है को एडॉप्ट किया है। हमने यह शुरुआत की है और दूसरे लोगों को भी यह प्रेरणा दे रहे हैं कि वह भी आगे आएं। उनका कहना है कि यह प्रकृति सभी लोगों के लिए बनी है लेकिन ध्यान केवल मनुष्य का रखा जाता है। यह वन्य जीव भी इस संसार और प्रकृति का ही हिस्सा है।

डीसीएफ अनुराग भटनागर के अनुसार स्कीम के तहत शेर, भालू, लोमड़ी, सियार, पैंथर, टाइगर, बंदर, हाईना से लेकर सरीसृप मगरमच्छ, अजगर और पक्षियों को एडॉप्ट किया जा सकेगा। इस स्कीम के तहत जोधपुर के माचिया, उदयपुर के सज्जनगढ़ , कोटा के अभेड़ा, जयपुर के नाहरगढ़ व बीकानेर मरुधरा बायोलॉजिकल पार्क शामिल है। इस तरह की स्कीम पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में चल रही है। डीसीएफ अनुराग भटनागर का कहना है कि जरूरी नहीं है कि 1 साल के लिए ही वन्य जीव को एडॉप्ट किया जाए। उसे कुछ दिन के लिए भी एडॉप्ट किया जा सकता है। इसकी पूरी कार्य योजना बनाई गई है जिसके अनुसार व्यक्ति 5 दिन या 10 दिन के लिए भी वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकता है। इसमें उनके कुछ हजार रुपए खर्च होंगे। वह जिस जानवर को एडॉप्ट करना चाहता है उसके सालाना खर्च के अनुसार तय किए दिन का पैसा लिया जा सकता है। भटनागर का कहना है कि सरकार से गाईडलाईन को अनुमोदित करवाया गया है। इसी के अनुसार उसे स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल प्रोसीजर (एसओपी) के अनुसार कार्य किया।

अनुराग भटनागर का कहना है कि इसके तहत जनसहभागिता को प्रोत्साहन देना है और एंक्लोजर में बंद वन्य जीव का देखभाल सुनिश्चित करना है। इससे वन्य जीव विभाग पर भार भी कम होगा। लोगों का कनेक्शन बढ़ने से बायोलॉजिकल पार्क में फुटफॉल भी बढ़ेगा। इसके बाद इन जू और बायोलॉजिकल पार्क में सुविधा भी विकसित होने लगेगी क्योंकि वन्य जीव की देखभाल में होने वाले खर्चे की फॉरेस्ट विभाग को बचत होगी और यह पैसा सुविधा विकसित करने में खर्च होगा। वन्य जीव के देखभाल के साथ-साथ उसके भोजन, सफाई, नियमित स्वास्थ्य जांच और अन्य खर्च को शामिल किया जाएगा। स्पॉन्सरशिप स्कीम के तहत वन्यजीव को घर नहीं ले जा सकेंगे। साथ ही छूने, खिलाने, संभालने, खेलने व एंक्लोजर में जाने की अनुमति नहीं होगी। स्पॉन्सरशिप स्कीम के तहत व्यक्ति को वन्य जीव विभाग के जरिए आई कार्ड जारी कर दिया जाएगा। प्रायोजक अपने परिवार या जानकार पांच व्यक्तियों के साथ बायोलॉजिकल पार्क में निशुल्क प्रवेश ले सकेंगे। स्पॉन्सरशिप लेने वाली संस्था या व्यक्ति नाम एडॉप्ट किए गए वन्य जीव के एंक्लोजर के बाहर प्रदर्शित किया जाएगा। इस स्कीम के तहत दी गई राशि आयकर अधिनियम की धारा 80-जी के तहत कर मुक्त होगी। स्पॉन्सरशिप लेने वाले व्यक्ति को बायोलॉजिकल पार्क के कई आयोजन में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। अनुराग भटनागर के अनुसार व्यक्ति इसके लिए वन्य जीव विभाग में आकर आवेदन कर सकता है। इसके साथ ही बायोलॉजिकल पार्क के इंचार्ज को भी वह फॉर्म जमा कर सकता है जिस पर निर्णय मुख्य वन्य जीव संरक्षक लेंगे। मुख्य वन्य जीव संरक्षक के अनुशंसा के बाद सदस्यता स्वीकृत हो जाएगी। इसके बाद एडॉप्ट वाली संस्था और व्यक्ति को भुगतान करना होगा।

# दुकान में आग लगी, हादसे के दौरान पास की दुकानों में थे 108 सिलेंडर

- गनीमत रही कि फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया
- मोबाइल की दुकान में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर फटने से आग लग गई थी

**बीकानेर, (निसं)।** करणी औद्योगिक क्षेत्र में लगी आग बड़े हादसे में तब्दील हो सकती थी। गनीमत रही कि फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। ये आग आसपास की दुकानों तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो जाता।

जानकारी के अनुसार आग वाली दुकान के पास ही दो दुकानों में 108 सिलेंडर रखे हुए थे। आग बुझाने के दौरान फायर ब्रिगेड टीम को पास की दुकानों में सिलेंडर होने की सूचना मिली थी, जिस पर रसद विभाग को सूचना दी गई। मोबाइल की दुकान में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर फटने से आग लगी। इसकी सूचना मिलने के बाद आग बुझाने फायर ऑफिसर पहुंचे तो उन्हें वहां आसपास बड़ी संख्या में अवैध गैस सिलेंडर मिले। रसद विभाग ने फायर ऑफिसर की सूचना पर सिलेंडर जब्त किए। आग बुझाने पहुंची टीम के फायर ऑफिसर ने रसद विभाग के प्रवर्तन निरीक्षक प्रखर भार्गव को दूरभाष पर सूचित किया। रसद विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। तब तक फायर ऑफिसर की अगुवाई में फटे कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आग पर काबू पा लिया गया था। उसी दुकान में एक घरेलू गैस सिलेंडर भी था। इस दौरान वहां एक व्यक्ति पहुंचा और उसने बताया कि वह दुकान उसकी है, लेकिन वह वहां से भाग गया।

स्थानीय लोगों से वहां दो अन्य संदिग्ध दुकानों में अवैध गैस सिलेंडर होने की जानकारी मिली तो प्रवर्तन अधिकारी ने मुक्ता प्रसाद नगर पुलिस को मौके पर बुलाया। इसके बाद पुलिस की उपस्थिति में दो संदिग्ध दुकानों के ताले तोड़े गए। एक दुकान में 23 और दूसरी में 77 घरेलू सिलेंडर मिले। इसके अलावा छह कमर्शियल सिलेंडर भी थे। इस प्रकार इन 106 सिलेंडर मिले। वहीं एक फटा हुआ कमर्शियल और एक घरेलू सिलेंडर सहित कुल 108 गैस सिलेंडर जब्त करते हुए उन्हें एक गैस गोदाम में सुरक्षित रखवाया गया है।

इतनी बड़ी मात्रा में अवैध सिलेंडर रखे हुए थे लेकिन रसद विभाग को इस बारे में कोई सूचना नहीं थी। आसपास के दुकानदारों ने ही फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी थी, जिसके बाद पुलिस और रसद विभाग की टीम मौके पर पहुंची। ये दुकानें मुक्ता प्रसाद नगर थाने से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर है। पुलिस को भी खबर नहीं लगी कि यहां अवैध रूप से इतनी बड़ी संख्या में सिलेंडर रखे हुए हैं।

# गांव बल्लाना में सरकारी बोरिंग का पानी खेतों में, लोग प्यासे

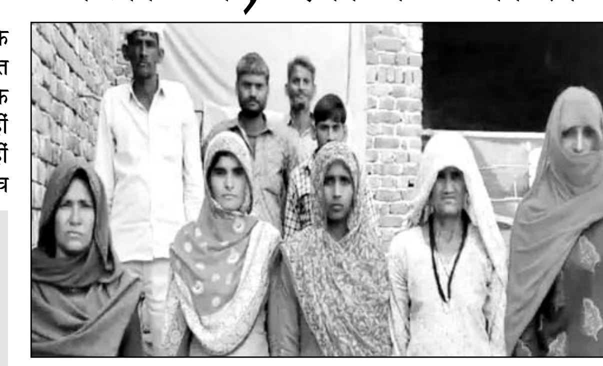

वार्ड पंच सहित कई ग्रामीणों ने प्रदर्शन करने की चेतावनी दी।

- महिला-पुरुषों ने सरपंच पर सरकारी बोरिंग का दुरुपयोग करने के आरोप लगाए
- जल जीवन मिशन के तहत लगाए गए बोरिंग का पानी ग्रामीणों तक सुचारू रूप से नहीं पहुंच रहा है

**अलवर, (निसं)।** अलवर के मालाखेड़ा क्षेत्र में केसरपुर ग्राम पंचायत के गांव बल्लाना में सरकारी बोरिंग के पानी से खेतों में सिंचाई हो रही है। वहीं गांव के लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। महिला-पुरुषों ने सरपंच पर सरकारी बोरिंग का दुरुपयोग करने के आरोप लगाए हैं।

गांव की महिलाओं ने कहा कि हमारे घरों में पीने को पानी नहीं आ रहा है। सरपंच व उनके लोग खेतों में सरकारी बोरिंग से सिंचाई करने में लगे हैं। शिकायत के बाद भी किसी सरकारी अधिकारी ने सुध नहीं ली है। ग्राम पंचायत केसरपुर के गांव बल्लाना में जल जीवन मिशन के तहत लगाए गए बोरिंग का पानी ग्रामीणों तक सुचारू रूप से नहीं पहुंच रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि वार्ड 4 में एक वर्ष से पेयजल की भारी किल्लत है। वहीं बोरवेल से निकलने वाला पानी कथित रूप से सिंचाई में उपयोग किया जा रहा है। वार्ड पंच रहिसन बानो ने बताया कि सरपंच प्रतिनिधि तिग्गू व उमरदीन के खेती में सिंचाई के लिए पानी का उपयोग किए जाने से ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने इसे केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना का दुरुपयोग बताया।

वहीं जलदाय विभाग के सहायक अभियंता भगवान सहाय ने कहा कि यह योजना सिंचाई के लिए नहीं, बल्कि ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए है। यदि किसी भी प्रकार की शिकायत मेरे पास आती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में वार्ड पंच रहीसन बानो, हसीना बानो, हंसीरा, अशरफी, संजू, अकबर, रमजान, अंजन, मौसम सहित कई ग्रामीणों ने जलदाय विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

# गांव राठीखेड़ा में प्रस्तावित 400 करोड़ की एथेनॉल फैक्टरी फिर विवादों में

- फैक्टरी बंद करने की मांग को लेकर पिछले डेढ़ साल से किसान व ग्रामीण धरना दे रहे हैं
- किसान आक्रोशित हुये, जब पुलिस ने सुबह करीब एक दर्जन आंदोलनकारियों को हिरासत में ले लिया
- राठीखेड़ा गांव में 12 थानों की पुलिस तैनात, विधायक अभिमन्यु पूनिया ने गिरफ्तारी दी, 15 किलोमीटर दायरे में इंटरनेट सेवाएं बंद

**हनुमानगढ़, (निसं)।** जिले के टिब्बी क्षेत्र के गांव राठीखेड़ा में प्रस्तावित 400 करोड़ की एथेनॉल फैक्टरी एक बार फिर विवादों में है। फैक्टरी बंद करने की मांग को लेकर पिछले डेढ़ साल से किसान व ग्रामीण धरना दे रहे हैं। आज किसानों का गुस्सा उस समय भड़क उठा, जब पुलिस ने सुबह-सुबह करीब एक दर्जन आंदोलनकारियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद पूरे इलाके में हिंसक माहौल बन गया गया और राठी खेड़ा गांव छावनी में तब्दील हो गया।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे किसान नेता महंगा सिंह का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें महंगा सिंह एक गाड़ी में अपने साथियों के साथ पुलिस से बचकर भाग रहे हैं। महंगा सिंह और उनके साथियों के पीछे पुलिस के गाड़ियां लगी हुई है।

इसमें महंगा सिंह कह रहे हैं कि अगर एक्सीडेंट में उनकी जान चली गई तो जिला व पुलिस प्रशासन इसका जिम्मेदार होगा।

स्थानीय प्रशासन व पुलिस ने किसानों के इस विरोध को कुचलने के लिए राठी खेड़ा के 15 किलोमीटर दायरे में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह बंद कर दी गई हैं। बाहर से आने वाले रास्तों पर पुलिस ने नाके लगा दिए हैं, ताकि दूसरे गांवों के किसान यहां न पहुंच सके। टिब्बी सहित आस-पास के थानों की पूरी फोर्स सड़कों पर उतर आई है। बीकानेर और श्रीगंगानगर से आरएसी व क्यूआरटी की टीमें भी बुला ली गई हैं। राठीखेड़ा गांव छावनी में तब्दील हो चुका है।

मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर उम्मेदीलाल मीणा, एएसपी जनेश तंवर, संगरिया एसडीएम जय कौशिक, हनुमानगढ़ एसडीएम मांगीलाल सुथार, टिब्बी एसडीएम सत्यनारायण सुधार, रावतसर एसडीएम संजय जिंदल, नायब तहसीलदार सूर्यदेव स्वामी समेत तमाम आला अधिकारी राठीखेड़ा में ही डटे हैं। पुलिस का कहना है फिलहाल स्थिति काबू में है।

वहीं मामले को लेकर किसानों का कहना है कि फैक्टरी का निर्माण होने से पूरा इलाका सेम (क्षारीकरण) की चपेट में है। एथेनॉल फैक्टरी का गंदा पानी अगर जमीन में गया तो हजारों एकड़ खेती बर्बाद हो जाएगी। ऊपर से वायु प्रदूषण से आने वाली नस्लें बीमारियों की शिकार हो जाएंगी। यही वजह है कि 15 महीनों से लगातार धरना चल रहा था। हालांकि, आज किसानों के विरोध-प्रदर्शन के बीच फैक्टरी का निर्माण कार्य शुरू हो गया।

## चरवाहे की हत्या का खुलासा

**भीलवाड़ा।** जिले के हमीरगढ़ में चरवाहे की हत्या का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तारभीलवाड़ा जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में बकरियां चराने गए वृद्ध चरवाहे की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या और लूट की वारदात में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य फरार साथियों की तलाश जारी है। हमीरगढ़ थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि घटना करीब पांच दिन पहले हवाई पट्टी के पास हुई थी, जब एक वृद्ध चरवाहा अपनी बकरियां चरा रहा था। उसी दौरान बदमाशों ने उसे बंधक बनाकर हाथ-पैर और मुंह कपड़े से बांध दिए। इसके बाद हत्या कर मौके से दो बकरे चुरा ले गए। पुलिस ने शव मिलने के बाद जांच शुरू की और आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले।तफ्तीश में सामने आया कि आरोपी बंधक बनाकर लूट करने वाले गिरोह के सदस्य हैं।

# मेयो कॉलेज अजमेर के 150 वर्ष पूर्ण होने पर चार दिवसीय समारोह 27 से

## समारोह में कला प्रदर्शनियां, पोलो मैच, विंटेज कार शो, लाईव म्यूजिक आदि कार्यक्रम शामिल

**अजमेर।** देश के प्रतिष्ठित शैक्षिणक संस्थान मेयो कॉलेज, अजमेर ने इस माह अपनी स्थापना के 150 वर्ष पूरे किए हैं। इसी उपलक्ष्य में मेयो कॉलेज के हेरिटेज अजमेर कैम्पस में 27 से 30 नवंबर तक भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। इस चार दिवसीय समारोह में विशेष असेंबली, कला प्रदर्शनियां, कपूरिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एआई एंड रोबोटिक्स का उद्घाटन, हार्वर्ड बनाम मेयो पोलो मैच, विंटेज कार डिस्पले, क्यूरेटेड फैशन शो और सोनू निगम, सलमान अली व युफोरिया के लाइव कार्यक्रम जैसे आकर्षण शामिल होंगे।

समारोह के अंतर्गत, 29 नवंबर को मुख्य पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रख्यात भारतीय उद्यमी नंदन नीलेकणी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और अपनी उपस्थिति से विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे। स्कूल की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर मेयो कॉलेज जनरल काउंसिल के अध्यक्ष, जोधपुर के एच.एच. महाराजा गज सिंह ने कहा, मेयो की स्थापना की 150वीं वर्षगांठ समग्र शिक्षा, सहभागिता और संस्थागत नवीनीकरण का उत्सव है। यह तथ्य कि मेयो न केवल जीवित रहा है, बल्कि डेढ़ सदी से फल-फूल रहा है, संरक्षण और परिवर्तन के बीच संतुलन बनाने की उसकी क्षमता का प्रमाण है। इस अवसर पर मेयो कॉलेज के प्रिंसिपल, सौरव सिन्हा ने कहा कि मेयो के 150 वर्ष पूरे करते हुए हमें गर्व है कि हम देश के अग्रणी लिगेसी स्कूल का हिस्सा हैं। यहां हमारे कुछ ऐसे छात्र हैं जिनके परिवार की छह पीढ़ियां मेयो का हिस्सा रही हैं, वहीं हम विविधता को भी महत्व देते हैं और देश-दुनिया के हर कोने से छात्रों का स्वागत करते हैं। मेयो में शिक्षा अकादमिक उत्कृष्टता, तकनीकी कौशल, खेल, ललित कला, संगीत और थिएटर का संतुलित संगम है।

पिछला वर्ष भी पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया और एलुनाई चैप्टर 150 इयर्स- सेलिब्रेशंस न केवल पूरे भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर आयोजित किए गए। ओल्ड बॉयज़ सोसाइटी (ओबीएस) के अध्यक्ष कर्नल भवानी सिंह और 150वीं वर्षगांठ समारोह के संयोजक हरमीत सिंह के नेतृत्व में, केंद्रित प्रेरणा और निर्बाध योजना के साथ, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, यूएसए, यूके और यूएई में समारोह आयोजित किए गए। इसी प्रकार भारत में भी, मुंबई, रांची, दिल्ली, चंडीगढ़, उदयपुर, बैंगलोर, कानपुर, पुणे, आगरा, गुवाहाटी, कोटा, अजमेर, कोलकाता, जयपुर, इलाहाबाद, जोधपुर, चेन्नई, अहमदाबाद और इंदौर में समारोह आयोजित किए गए।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1875 में भारत के तत्कालीन वायसराय, लॉर्ड मेयो के विजन से स्थापित यह संस्थान आज भी शिक्षा, अनुशासन और विरासत का प्रतीक बना हुआ है। 150 वर्षों से, मेयो कॉलेज सिर्फ एक स्कूल से कहीं बढ़कर, एक ऐसी विरासत रही है जिसने मूल्यों और चरित्र के माध्यम से पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया है और अपने मोटो: ''लैट देयर बी लाइट'' के साथ आने वाली कई पीढ़ियों तक ऐसा करता रहेगा।

# फरार हिस्ट्रीशीटर मदिया और प्रशांत के फॉलोवर्स पर पुलिस का शिकंजा

- धनूरी थाना पुलिस ने छह व मंडावा पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया

**झुंझुनूं, (निसं)।** जिले में हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया का मर्डर करने के मामले में फरार चल रहे बिसाऊ थाने के हिस्ट्रीशीटर मंदीप उर्फ मदिया तथा बदमाश प्रशांत उर्फ पोखर के फॉलोअर्स पर भी पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। झुंझुनूं जिले की धनूरी थाना पुलिस ने श्रीकृष्णपुरा जीत की ढाणी से छह युवकों को तथा मंडावा पुलिस ने भी तीन युवकों दबोचा है। इन युवकों ने हिस्ट्रीशीटर मंदीप उर्फ मदिया, बदमाश प्रशांत उर्फ पोखर समेत अन्य गैंग्स और बदमाशों के सोशल मीडिया अकाउंट्स को फॉलो कर रखा था। इसके अलावा धनूरी पुलिस ने तीन नाबालिगों की भी काउंसलिंग कर उनके परिजनों को बदमाशों के सोशल मीडिया अकाउंट्स फॉलो ना करने की हिदायत दी है।

धनूरी एसएचओ सुभाषचंद्र ने बताया कि झुंझुनूं पुलिस की सोशल मीडिया सेल लगातार बदमाशों और गैंगों के सोशल मीडिया अकाउंट पर नजर बनाए हुए है। जिन्हें फॉलो करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बदमाशों के आपसी झगड़े में मारे गए हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया तथा डेनिस बावरिया के मर्डर में शामिल मुख्य आरोपी प्रशांत उर्फ पोखर, दोनों ही धनूरी थाना इलाके के जीत की ढाणी श्रीकृष्णपुरा के रहने वाले है, इसलिए गांव में युवकों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। इसी दौरान सामने आया कि गांव के कुछ युवक ना केवल मंदीप उर्फ मदिया, प्रशांत उर्फ पोखर, डेनिस बावरिया, बल्कि अन्य गैंगों और बदमाशों को सोशल मीडिया फॉलो करने वाले छह युवकों रूपेन्द्र पुत्र हरिराम नायक, जोनी पुत्र महेश मीणा, पवन कुमार पुत्र विद्याधर सिंह मेघवाल, अंकित कुमार पुत्र रणजीतसिंह मेघवाल, अनूप कुमार पुत्र रामदेवसिंह जाट व विजयपाल पुत्र रामकुमार मेघवाल को गिरफ्तार किया है। एसएचओ ने बताया कि इन छह युवकों को पूछताछ के लिए लाया गया था, लेकिन पूछताछ में सहयोग ना करने पर और उग्र होने पर इन्हें शांतिभंग की धाराओं में गिरफ्तार किया गया है। तीन नाबालिगों की काउंसलिंग करके उनके परिजनों को जानकारी दी गई है।

मंडावा एसएचओ रामनारायण चोयल ने बताया कि मंडावा कस्बे के वार्ड नंबर 13 निवासी आबिद शेख पुत्र रसिद शेख, वार्ड नंबर 17 निवासी विकास पुत्र रामकुमार भोपा तथा वार्ड नंबर 12 निवासी दाउद पुत्र अय्यूब शेख को गिरफ्तार किया गया है। तीनों ने सोशल मीडिया पर मदिया समेत अन्य बदमाशों के सोशल मीडिया अकाउंट्स को फॉलो कर रखा था। जिन्हें पूछताछ के लिए थाने लाया गया। पूछताछ में सहयोग ना करने पर और उग्र होने पर तीनों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है।

बृजेश ज्योति उपाध्याय, एसपी, झुंझुनूं ने बताया कि अपराधियों का महिमामंडन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पूरे जिले में 10 दिन का विशेष अभियान आज से शुरू किया गया है।

जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने छठे ''राष्ट्रीय जल पुरस्कार- 2025'' 'प्रथम जल संचय जन भागीदारी ( जेएसजेबी )' में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अलवर जिले का पश्चिमी क्षेत्र जिले की तृतीय श्रेणी में प्रथम स्थान पर चयन होने पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रवीन्द्र को राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू की ओर से केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

## फैक्टरी द्वारा केमिकल युक्त पानी नहर में डाले जाने का विरोध

**बूंदी, (निसं)।** अंथडा रोड पर स्थित फैक्टरी द्वारा केमिकल युक्त जहरीला पानी नहर में डाले जाने का विरोध क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा लगातार किया जा रहा है। फैक्ट्री द्वारा केमिकल युक्त जहरीला पानी नहर में छोड़ने को लेकर एक दर्जन क्षेत्रीय किसानो ने तालेडा उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। किसान नेता पवन श्रृंगी ने बताया कि अंथडा रोड पर स्थित फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा केमिकल युक्त जहरीला पानी सीएडी की नहरों में छोड़ा जा रहा है, जो फसलों के लिए ही नहीं अपितु पशुओं के लिए भी नुकसानदायक होगा। इससे पशुओं के पीने योग्य पानी और फसलों की सिंचाई का पानी खराब हो रहा है।

# हत्यारों को सजा दिलाने के लिए अस्सी साल की मां भूख हड़ताल पर बैठी

- 15 महीने बाद भी पुलिस हत्या का खुलासा नहीं कर पाई है

अस्सी साल की मां का डॉ. रमेश चौधरी ने मेडिकल चेकअप किया।

**जालोर, (कासं)।** जालोर शहर के कलेक्ट्रट के बाहर स्व. गणपत सिंह के हत्या के आरोपियों को गिरपतार की मांग को लेकर सर्व समाज का धरना जारी है। पिछले कई महिनों से हत्या का राजफाश नहीं होने से अस्सी साल की मां स्वयं भूख हड़ताल पर बैठी है, जहां मंगलवार सुबह डॉ. रमेश चौधरी ने मेडिकल चेकअप किया।

जानकारी के अनुसार जालोर जिले के सीकवाडा रोड पर 28 अगस्त 2024 को गणपत सिंह की निर्मम हत्या हुई थी। उनका शव दुकान से 500 मीटर दूर औंधे मुंह कीचड़ में पड़ा मिला था। परिजनों का आरोप है पुलिस ने अब तक किसी भी आरोपी को नहीं पकड़ा। हमें ये ही नहीं मालूम चल पाया कि आखिर हत्या क्यों की गई। किराना व्यापारी के बेटे के हत्यारों को सजा दिलाने के लिए 80 साल की मां कलेक्ट्रेट के सामने दो दिन से धरने पर बैठी हैं। 15 महीने बाद भी पुलिस उनके बेटे के हत्या का खुलासा नहीं कर पाई है। इससे नाराज किराना व्यापारी के परिजन तीसरी बार धरने पर हैं और इस बार अनिश्चितकालीन भूख हडताल की चेतावनी दी है।

जालोर एसपी शैलेन्द्र सिंह इंदौलिया ने कहा कि मामले में पहले जांच सांचौर सीओ चरण गोपी नाथ कांबले के पास थी। अब जालोर एएसपी मोटाराम गोदारा के पास है। इसमें कुछ पॉइंट पर जांच चल रही हैं। जल्द खुलासा करेंगे।

धरने पर गणपत सिंह की पत्नी भारती कंवर (40), मां हवा कंवर (80), भाई अभय सिंह (54), भाभी प्रकाश कंवर (45), भाभी धीरज कंवर (42) सोमवार से कलेक्ट्रेट के सामने अनिश्चितकालीन भूख हडताल पर बैठे हैं। गणपत सिंह की पत्नी भारती कंवर ने अगस्त महीने में गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिख कर मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की थी।

## प्याज की स्थिति का आंकलन करने केंद्रीय दल अलवर पहुंचा

**अलवर, (निसं)।** कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के विभिन्न विभागों द्वारा गठित केंद्रीय दल के अधिकारी उप कृषि विपणन सलाहकार विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय बी.के. पृष्टि, उप निदेशक उद्यान तकनीकी प्रभाग डॉ. बी.डी. निगम, उप निदेशक समन्वित कीट प्रबंधन अर्जुनाल बैरवा, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी मूल्य निगरानी प्रभाग चिराग भाटिया, वरिष्ठ उद्यान अधिकारी ए.के. सिंह ने अलवर के दौरे पर रहकर जिले में खरीफ प्याज की स्थिति का आंकलन करने हेतु भ्रमण किया। इस दौरान केंद्रीय दल के अधिकारियों द्वारा कृषि उपज मंडी सभागार में अधिकारियों, प्याज विपणन से जुड़े व्यापारियों की बैठक ली। बैठक में अधिकारियों ने जिले में खरीफ प्याज के उत्पादन, वर्तमान भाव, भण्डारण इत्यादि की विस्तृत समीक्षा की तथा व्यापारियों एवं प्याज कृषकों से खरीफ प्याज के भण्डारण एवं भाव सुधार के संबंध में फीडबैक लिया। इसके उपरान्त केंद्रीय दल के अधिकारियों गांवों में प्याज उत्पादक कृषकों के खेतों का अवलोकन कर प्याज उत्पादन से संबंधित विभिन्न समस्याओं के संबंध में चर्चा कर कृषकों को प्याज उत्पादन से संबंधित नवीन तकनीकों को अपनाने का सुझाव दिया।

# भारतीय सेना में अहीर रेजीमेंट बनाने की मांग की

## यादव महासभा के पदाधिकारियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी

**निवाई।** देशभर में निकाली जा रही रेजांगला रज कलश यात्रा को लेकर राजस्थान यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ करणसिंह यादव के सानिध्य में यादव समाज के लोगों ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि दी। यादव महासभा टोंक के जिलाध्यक्ष रमेश यादव कनेसर ने बताया कि रेजांगला रज कलश यात्रा में देश के सभी राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होकर 1962 में भारत-चीन के युद्ध में हुए शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान यादव महासभा प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉ करणसिंह यादव, कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्रसिंह यादव, हरसहाय यादव, युवा प्रदेश अध्यक्ष मदन यादव, टोंक जिलाध्यक्ष रमेश यादव, युवा यादव महासभा के जिलाध्यक्ष मुकेश यादव, अहीर रेजीमेंट के जिलाध्यक्ष बाबूलाल यादव, पूर्व सरपंच भंवरलाल यादव, हरिलाल यादव कचोलिया, प्रेम यादव बीचपड़ी व हीरालाल यादव वनस्थली सहित कई सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में आयोजित रेजांगला रज कलश यात्रा में शामिल होकर शहीदों को श्रद्धांजली दी। इस दौरान उन्होंने भारतीय सेना में अहीर रेजीमेंट बनाने की मांग भी की।

यादव महासभा के पदाधिकारियों ने निवाई में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

## स्कूली बच्चों के लिए आरओ लगाया

**पावटा।** विराटनगर के पावटा उपखंड क्षेत्र में वीरबैक एनिमल हेल्थ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा क्षेत्र की दो राजकीय स्कूलों में आरओ मशीन एवं वाटर कूलर लगाए गए। वीरबैक कंपनी के राजस्थान हेड अजय शर्मा ने बताया की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत पूर्व में भी क्षेत्र की विभिन्न स्कूलों में वाटर कूलर और आरओ मशीन स्थापित किए गए थे। इस वर्ष कंपनी द्वारा पंडितपुरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं भोजावाली प्राथमिक विद्यालय में वाटर कूलर और आरओ मशीन जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में स्थापित की गई। स्कूली विद्यार्थियों को अब शुद्ध और ठंडा पेयजल उपलब्ध होगा। स्कूल के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए शीतल जल के वाटर कूलर की व्यवस्था की गई। यह एक सामाजिक कल्याण का कार्य है जो वंचित और जरूरतमंद लोगों की मदद करता है।आयोजित कार्यक्रम में भरत सिंह, प्रदीप यादव, शिवनारायण सिंह शेखावत, लक्ष्मण सिंह शेखावत रघुवीर सिंह, मनोज कुमार नव युवा मंडल के कार्यकर्ता एवं विद्यालय अध्यापक उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने सभी का हृदय से आभार प्रकट किया और इस कार्य के लिए सभी को सराहा।

## वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ पर बच्चों ने रैली निकाली

कोटपूतली में स्कूली बच्चों के देश भक्ति नारों से गूंजा शहर उठा।

**कोटपूतली।** निकटवर्ती पनियाला मोड स्थित दिल्ली पब्लिक वर्ल्ड स्कूल में मंगलवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वीं वर्षगांठ पर बच्चों द्वारा भव्य रैली का आयोजन किया गया।

रैली को स्कूल की प्रधानाचार्या शिल्पा सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में सैकडों छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक शामिल रहे। इस दौरान बच्चों ने वंदे मातरम के गगनभेदी नारे लगाये। जिससे पूरा शहर राष्ट्र प्रेम की भावना से सराबोर हो गया। रैली विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य चौराहा, अठासेन तिराया, मैन बाजार होते हुये टीवी टॉवर के पास संपन्न हुई। बच्चों के हाथों में तिरंगा झंडा, बैनर व देश भक्ति गीतों से सजी इस रैली का शहरवासियों ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

जिससे पूरे शहर में राष्ट्र प्रेम का माहौल बन गया। प्रधानाचार्या शिल्पा सिंह ने कहा कि वंदे मातरम गीत हमारी सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है। यह गीत बच्चों में देश भक्ति, राष्ट्र के प्रति समर्पण और सामाजिक सौहार्द की भावना बढ़ाता है।

## पिता-बेटे करते थे 10 साल की नाबालिग से दुष्कर्म

**भरतपुर।** भरतपुर में पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 ने 10 वर्षीय लडकी के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। चार साल पहले आरोपी के बेटे को भी इसी नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है। जो जेल में सजा काट रहा है।

पॉक्सो कोर्ट के लोक अभियोजक महाराज सिंह सिनसिनवार ने बताया कि 21 नवंबर, 2016 को जयपुर की एक महिला ने हलैना थाना इलाके के रहने वाले पिता मूलचंद और उसके बेटे साहब सिंह के खिलाफ अपनी 10 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने पिता और बेटे को गिरफ्तार कर लिया। 30 अक्टूबर 2021 को कोर्ट ने दुष्कर्म का आरोपी मानते हुए साहब सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने पिता मूलचंद को क्लीन चिट दे दी। जिसके बाद कोर्ट ने मूलचंद के खिलाफ रिट दायर कि, आज कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए मूलचंद को भी दुष्कर्म का दोषी माना और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

पॉक्सो कोर्ट के लोक अभियोजक महाराज सिंह सिनसिनवार ने बताया कि नाबालिग की मां और मूलचंद की पत्नी के बीच जान पहचान थी। नाबालिग की मूलचंद की पत्नी से मिलने के लिए उसके गांव आया जाया करती थी। 20 नवंबर 2016 महिला जयपुर से अपनी दो बेटियों के साथ गांव आई थी। रात को वह गांव में रुकी थी। रात को महिला को अपनी 10 साल की बेटी की रोने की आवाज आई। तब नाबालिग की मां उसे देखने के लिए कमरे में गई।

नाबालिग खून से लथपथ थी। तब नाबालिग ने अपनी मां को बताया की साहब सिंह ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। महिला अपनी दोनों बेटियों को लेकर जयपुर जाने लगी तो, मूलचंद ने महिला को रोक लिया। उसी रात नाबालिग ने अपनी मां को बताया की साहब सिंह का पिता मूलचंद भी उसके साथ दुष्कर्म करता है। मूलचंद ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया है।

## ट्रेलर चालक गिरफ्तार

**निवाई।** सदर थाना पुलिस ने अवैध बजरी, पत्थर खनन व परिवहन की रोकथाम को लेकर अवैध बजरी से भरे एक ट्रेलर व ओवर लोड पत्थरों से भरे हुए एक ट्रक को जब्त किया है व ट्रेलर के चालक को गिरफ्तार किया है। सदर थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राजेशकुमार मीणा के निर्देशानुसार क्षेत्र में अवैध बजरी, पत्थर खनन व परिवहन की रोकथाम को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्रसिंह भाटी व पुलिस उपाधीक्षक नरेन्द्र कुमार पारीक के सुपरविजन में पुलिस ने गुंसी चौकी पर नाकाबंदी के दौरान अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रेलर व एक ट्रक को जब्त किया।


नम्बर मिलाइए
9587884433

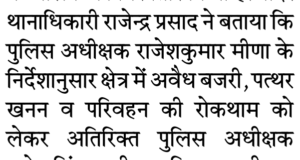

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।


---

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/807
चूंकि प्रार्थी श्री RAMSWAROOP SHARMA 18, DEVDHARA JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास गौड ब्राह्मण महासभा 21 EXTM. KALWAR ROAD JAIPUR TAPOVAN VIKAS NAGAR, RAJASDTHAN-302016 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 31.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 07.01.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

---

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/806
चूंकि प्रार्थी श्री ANIL SHARMA 48, BAJRANG VIHAR OPP. DURGAPURA RAILWAY STATION DURGPURA, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास प्लेनेट नंबर फाउन्डेशन PLOT NO. B-68, FLAT NO. G-2, SUNDAR VIHAR SWEJ FARM SODALA, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 31.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 07.01.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

---

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/794
चूंकि प्रार्थी श्री LEELA DHAR SHARMA, 225, SHRI GOPAL NAGAR, NEAR MAHESH NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास भारत सेवा फाउन्डेशन K91=92 HIRABAGHA, RAM SINGH ROAD, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 31.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 07.01.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

---

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/793
चूंकि प्रार्थी श्री RAJENDRA SHARMA B-103, NANDPURI HAWASADAK JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास नवजीवन सोसायटी S-37, GAZGAR VIHAR 22, GODOWN JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 29.12.2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

---

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/790
चूंकि प्रार्थी श्री SHIV CHARAN 53/198, VEER TEJAJI ROAD MANSAROVAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास सृजन समिति 53/198, VEER TEJAJI ROAD MANSAROVAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 29.12.2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

---

**RERC राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग**
विद्युत विनियामक भवन, स्टेट मोटर गैराज के पास, सहकार, मार्ग, जयपुर- 302001
दूरभाष: 0141-2740067, 2741299, फैक्स: 0141-2741018
ई-मेल : rercjpr@yahoo.co.in
website: www.rerc.rajasthan.gov.in

**निविदा सूचना**
**बोली दस्तावेज संख्या/सचिव / निदे. (वि. एवं प्रशा.) / निविदा सं.-10/2025-26**
राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग कार्यालय द्वारा पुराने अनुपयोगी व नकारा फर्नीचर, कम्प्यूटर, प्रिन्टर्स व इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं अन्य विविध कार्यालय उपकरणों के विक्रय हेतु मुहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र में प्रपत्र का मुल्य रु. 200/- दिनांक 01 दिसम्बर, 2025 दोपहर 2:00 बजे तक आमंत्रित है। जिसे आयोग कार्यालय में पंजीकृत डाक या स्वंय उपस्थित होकर जमा करा सकते हैं। **सचिव**

---

**कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर**
क्रमांक:8544 — जाहिर आम-सूचना — दिनांक:13.11.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास / फ्लैट संख्या 62/51 (MIG-B) का आवंटन श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री मुन्ना लाल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3735 दिनांक 24.05.1994 को जारी किया गया था। तत्पश्चात श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री मुन्ना लाल द्वारा आवासन मण्डल में नजदिकी रिस्तेदार के आधार पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर मण्डल रिकार्ड में इस कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 1600 दिनांक 05.10.2002 के द्वारा श्री अनिल कुमार पुत्र श्री अर्जुन सिंह का नाम दर्ज किया। इनके पक्ष में पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन दिनांक 16.12.2002 को पंजीकृत करवाया गया। श्री अर्जुन सिंह की मृत्यु दिनांक 09.03.2009 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री अनिल कुमार पुत्र श्री अर्जुन सिंह द्वारा पंजीकृत हक त्याग आधार से आवासन मण्डल में सम्पूर्ण आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त सम्पूर्ण आवास / फ्लैट का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं. श्री अनिल कुमार पुत्र श्री अर्जुन सिंह का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय,
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम राज. आवा. मण्डल, जयपुर

---

**आम सूचना** सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर की मेट्रो एन्क्लेव योजना में भूखंड नंबर 71 का नीलामी की पुष्टि एवं मांग-पत्र क्रमांक F(327)JDA/OSD(RM)/20-21/D-396 जो मीनू जैन पुत्री राजेंद्र कुमार जैन के नाम है वो खो गया है जिसकी रिपोर्ट एल आर नंबर 2956477/2025 दर्ज करा दी गयी है। उक्त भूखंड के संबध में मीनू जैन पुत्री राजेंद्र कुमार जैन ने एस. बी. आई. में लोन हेतु आवेदन किया है यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथी से 7 दिवस में संपर्क करें।
मीनू जैन पुत्री राजेंद्र कुमार जैन
विमल कुमार यादव (एडवोकेट)
दिनांक : 17.11.2025 — मो. 7014920317

---

**कार्यालय उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन नगर निगम हैरिटेज जयपुर**
**अनापत्ति आमंत्रण सूचना** — दिनांक:- 18.11.25
(चौगान स्टेडियम के पास, गणगौरी बाजार, जयपुर)
Email ID: dchmw.jmc@gmail.com Ph. No. 0141-2329953
क्रमांक:-F51() Dept.Comm./H.M.A.Z./2025-26/1526
भूखण्ड संख्या 393/सर्वे नं 832/8109, शिवाजी नगर, शास्त्री नगर जयपुर का आवंटन जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा श्री बाबू लाल पुत्र श्री सुवालाल के नाम से जारी किया गया था। श्री बाबूलाल पुत्र श्री सुवालाल की मृत्य पश्चात उनके वारिसानों द्वारा जरिये अपंजीकृत हक-त्याग-पत्र के उक्त भूखण्ड का हक-त्याग श्री गिर्राज शर्मा पुत्र श्री बाबूलाल के हक में किया गया। श्री गिर्राज शर्मा पुत्र श्री बाबूलाल द्वारा आवेदन-पत्र, शपथ-पत्र, नक्शे की प्रति, आवंटन-पत्र एवं अपंजीकृत हक-त्याग-पत्र की प्रति प्रस्तुत कर भूखण्ड संख्या 393/सर्वे. नं 832/8109, शिवाजी नगर, शास्त्री नगर जयपुर का पट्टा चाहा गया है। अतः किसी संस्था/ फर्म/ कम्पनी/ व किसी भी व्यक्ति को उक्त पट्टा जारी होने के संबध में आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 07 दिवस में आपत्ति पेश करे अन्यथा 07 दिवस पश्चात उक्त भूखण्ड का पट्टा जारी करने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी। उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन नगर निगम हैरिटेज जयपुर

---

**उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)**
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 20/2025
उत्तराधिकार
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम रोली माथुर पत्नि हर्ष माथुर पुत्री स्व. मनीष माथुर पौत्री डॉ. आर.के. माथुर विवाद स्थान कायस्थ 28 वर्ष म.नं. 06 सेक्टर 01 शिवनन्द मार्ग, शिवानन्द मार्ग मालवीय नगर जयपुर।
मृतक एस.बी.आई. मालवीय नगर बैंक लॉकर नं. 361 में की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 18.12.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम डॉ. आर.के. माथुर, शशि माथुर पुत्र कल्याण बक्स माथुर निवासी म.नं. 1/6 शिवानन्द मार्ग मालवीय नगर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 18 माह 12 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 15 माह 10 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
रीडर
मोहर अदालत — अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-11, जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

---

## नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम अजीत कुमार से बदलकर अजित कुमार जांगिड पुत्र चुन्नीलाल रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। 11,सोना एंक्लेव, बडारमा, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर

I Rookama Devi is legally M/o Army no. JC-383911L rank-Sub. Name Rajendra Singh Mehara of unit. SWCSR C/o 56 APO Residing Village-Mani Dhami PO-Mawani Dawani, Pithoragarh, U.K-262555 declare that my name Rukmani Devi wrongly mentioned in my son army service records but my correct name is Rookama Devi.

I Army no. JC-383911L sub Rajendra Singh Mehara legally F/o Shagun Mehra of unit SWCSR C/o 56 APO Residing Village-Mani Dhami PO-Mawani Dawani, Pithoragarh, U.K-262555 declare that my daughter name Sagun Mehara wrongly mentioned in my army service records her correct name is Shagun Mehra.

## खोया पाया

मेरे आवास संख्या 69/306 मानसरोवर जयपुर का कब्जा पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। मोहम्मद शाकिर मो. 9314501324

मेरे भूखण्ड संख्या-75 केडिया कॉरिडोर योजना का मूल आवंटन पत्र जेडीए द्वारा जारी पट्टा व स्टाम्प कहीं गुम हो गए हैं मिलने पर सूचित करें। कमला खण्डेलवाल-9928771150

मेरे आवास संख्या 80/203 मानसरोवर जयपुर का मूल आवंटन पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। सुनीता पाहवा मो. 9828365159

मेरे भूखंड संख्या- 88 जेडीए की योजना शिव एनक्लेव का जेडीए से जारी मूल आवंटन पत्र कही गुम हो गया है मिलने पर सूचित करे हरि राम पुनिया मो -8764072165

---

**आम सूचना** सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरे अभिभाष्य श्रीनिवास आयु 66 वर्ष पुत्र स्व. श्री गंगाराम जाति कुमावत निवासी 49-डी, गणेश मंदिर के पास, न्यू कॉलोनी, फुलेरा, तहसील फुलेरा, जिला जयपुर, राज. का पुत्र हरिश कुमार व उसकी पत्नी संतोष देवी कहना नहीं मानते हैं, लडाई झगडा गाली गलोच करते है। हरिश कुमार व उसकी पत्नी संतोष देवी उसे झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी देते रहते है इसलिए दोनों को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है आज से मेरे अभिभाष्य के परिवार का हरिश कुमार व उसकी पत्नी संतोष देवी से कोई सम्बन्ध सरोकार नहीं रहेगा। कोई भी व्यक्ति हरिश व संतोष देवी से संव्यवहार करता है तो उसकी स्वयं की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी। मेरा अभिभाष्य उत्तरदायी नहीं होगा।
अताल्लाह खान, एडवोकेट, सांभर लेक, मो.9828143787

---

**आम सूचना** सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य साबिर हुसैन पुत्र श्री जाकिर हुसैन व श्रीमती नसीम बेगम पत्नी श्री साबिर हुसैन निवासी प्लाट नं. 855 मोहल्ला इच्छवतान, बांस बदनपुरा जयपुर हाल निवासी प्लाट नं. 29-बी, बरकत नगर विस्तार, नाई की थड़ी, रामगढ रोड जयपुर राजस्थान ने अपने पुत्र जुनैद हुसैन को उसकी व उसकी पत्नी फराह अंसारी की नाफरमानियों की वजह से अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है व अपने तमाम रिस्ते तोड लिये है अब मेरे अभिभाष्य (1) साबिर हुसैन (2) श्रीमती नसीम बेगम से जुनैद हुसैन का कोई सरोकार नहीं रहा है कोई भी व्यक्ति भविष्य में जुनैद हुसैन से किसी भी प्रकार का कोई कार्य व लेन-देन नहीं करें अगर कोई करता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदर होगा। सुचित रहे।
दिनांक — (मोहम्मद आसिफ खान) एडवोकेट
जयपुर — मो.नं. 7023502024

---

**कार्यालय उपायुक्त हवामहल - आमेर जोन नगर निगम जयपुर**
(चौगान स्टेडियम के पास, गणगौरी बाजार, जयपुर)
Email ID: dchmw.jmc@gmail.com — Phone No. 0141-2329953
क्रमांक :- F51() Dept.Comm./H.M.A.Z./2025-26/1527 — दिनांक:- 18-11-25
**-:अनापत्ति आमंत्रण सूचना :-**
भूखण्ड संख्या 392/ सर्वे न 797/8074, शिवाजी नगर, शास्त्री नगर जयपुर का आवंटन जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा श्री केदार लाल पुत्र श्री छाजूलाल के नाम से जारी किया गया था। श्री केदार लाल पुत्र श्री छाजूलाल द्वारा जरिए अपंजीकृत इकरारनामा के उक्त भूखण्ड का बेचान श्रीमती ज्यान देवी पत्नी श्री सुवालाल को किया गया। श्रीमती ज्यान देवी पत्नी श्री सुवालाल की मृत्य पश्चात उनके वारिसानों द्वारा जरिये अपंजीकृत हक-त्याग-पत्र के उक्त भूखण्ड का हक-त्याग श्रीमती आरती शर्मा पत्नी श्री गिर्राज शर्मा के हक में किया गया। श्रीमती आरती शर्मा पत्नी श्री गिर्राज शर्मा द्वारा आवेदन-पत्र, शपथ-पत्र, नक्शे की प्रति, आवंटन-पत्र, अपंजीकृत इकरारनामा एवं अपंजीकृत हक-त्याग-पत्र की प्रति प्रस्तुत कर भूखण्ड संख्या 392/ सर्वे न 797 /8074, शिवाजी नगर, शास्त्री नगर जयपुर का पट्टा चाहा गया है। अतः किसी संस्था /फर्म/ कम्पनी व किसी भी व्यक्ति को उक्त पट्टा जारी होने के संबंध में आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 07 दिवस में आपत्ति पेश करें। अन्यथा 07 दिवस पश्चात उक्त भूखण्ड का पट्टा जारी करने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी। उपायुक्त हवामहल - आमेर जोन नगर निगम जयपुर

---

**विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन**
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय...उपखण्ड...अधिकारी...स्थान...कि.रेनवाल
मदनलाल विरूद्ध सुरेश वगै.
वाद बाबत घोषणा खातेदारी व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद संख्या.../2024
नाम जगदीश पुत्र स्व. नाथू, बजरंग पुत्र स्व. नाथू, सुभाष पुत्र स्व. बन्नाराम, विक्रम सिंह पु. स्व. बन्नाराम, मनीष पुत्र स्व. बन्नाराम, खेमचन्द पुत्र स्व. सरदार, सुरेश पुत्र स्व. सरदार समस्त जाति मीणा निवासी घोल्या का बास हाल निवासी बाघावास तहसील कि. रेनवाल जिला जयपुर राज.। तहसीलदार तहसील कि.रेनवाल सब रजिस्ट्रार कि. रेनवाल जिला जयपुर राज. विरूद्ध वाद बाबत घोषणा खातेदारी एवं स्थायी निषेधाज्ञा के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 19.11.2025 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 14 माह 11 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
आज्ञा से-रीडर
मोहर अदालत — उपखण्ड अधिकारी, किशनगढ रेनवाल, जिला जयपुर

---

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/864
चूंकि प्रार्थी श्री Mahendra Kumawat, 74 Jagnnathpuri, Jhotwara, Jaipur, Rajasthan 302012 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास उम्मीद एक नयी किरण, 74 Jagnnathpuri, Jhotwara, Jaipur, Rajasthan 302012 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 31-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 06/01/2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

---

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

**कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**

मुकदमा नम्बर 152/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री जगदीश प्रसाद चोकडीका पुत्र श्री किशन लाल चोकडिका निवासी वार्ड नं. 09, प्रतापमल विनायक्या मार्ग, बजाज मार्ग, सीकर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री रामचन्द्र चोकडिका चैरिटेबल ट्रस्ट, चोकडिका भवन, बजाज रोड, सीकर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10/11/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 22-1-2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (द्वितीय), देवस्थान विभाग जयपुर

---

**बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda**
नेहरू प्लेस शाखा, टोंक रोड, जयपुर राजस्थान 302015, फोन नं.: 0141-2747099/198
ई-मेल: nehjai@bankofbaroda.com

**प्रतिभूतिहित ( प्रवर्तन ) नियम, 2002, परिशिष्ट IV ( नियम 8 ( 1 ) देखे )**
**कब्जा सूचना ( अचल सम्पत्ति के लिए )**

जबकि
निम्नहस्ताक्षरकर्ता बैंक ऑफ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ( 2002 का अधिनियम संख्यांक 54 ) के अंतर्गत और धारा 13( 12 ) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित ( प्रवर्तन ) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी मैसर्स ताज पेपर उद्योग, प्रोपराईटर श्री अब्दुल जब्बार पुत्र स्व. श्री अजीमुल्ला एवं जमानतदार श्री शौकत अली पुत्र श्री अब्दुल गफ्फार पर मांग सूचना दिनांक 28.08.2025 पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर दिनांक 23.08.2025 को बकाया राशि रू. 81,87,062.36 ( रूपये इक्यासी लाख सतासी हजार बासठ एवं पैसे छतीस मात्र ) ( दिनांक 23.08.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए ) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने दिनांक 17, माह नवम्बर, वर्ष 2025 को उक्त अधिनियम की धारा 13( 4 ) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार दिनांक 23.08.2025 को बकाया राशि रू. 81,87,062.36 ( रूपये इक्यासी लाख सतासी हजार बासठ एवं पैसे छतीस मात्र ) ( दिनांक 23.08.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए ) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा, नेहरू प्लेस शाखा, टोंक रोड़, जयपुर, राजस्थान 302015 के प्रभार के अधीन होगा।
कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13( 8 ) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

**अचल सम्पत्ति का वर्णन**

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री अब्दुल जब्बार पुत्र स्व. श्री अजीमुल्ला के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो प्लॉट नं. 387, कागजी मोहल्ला, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 296.30 वर्ग गज है। सीमाएं- उत्तर: आम रास्ता, दक्षिण: श्री अब्दुल गफ्फार का मकान एवं रास्ता, पूर्व: आम रास्ता, पश्चिम: श्रीमती भूरी का मकान एवं अन्य मकान

स्थान: जयपुर — हस्ता.
दिनांक: 17.11.2025 — मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी

---

**कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर**
महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण
ई-मेल kums.jaipurfv@rajasthan.gov.in

क्रमांक:-3484-3509 — **आवंटन विज्ञप्ति** — दिनांक:- 13.11.2025

कृषि उपज मण्डी समिति, (फल सब्जी) जयपुर के मुख्य मण्डी प्रांगण, टर्मिनल मार्केट मुहाना, जयपुर में निम्न विवरणानुसार भूखण्डों का आवंटन अचल संपत्ति आवंटन नीति 2005 के प्रभावी प्रावधानों के अर्न्तगत नियमानुसार निर्धारित शर्तो पर 99 वर्षीय लीज पद्धति पर किया जाना है। भूखण्ड आवंटन हेतु इच्छुको/मण्डी क्षेत्र के कृषक/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति वर्ग से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र आंमत्रित किये जाते है :-

| मण्डी प्रांगण का नाम | भूखण्ड आवंटन का प्रयोजन | उपलब्ध भूखण्डों की संख्या | उपलब्ध भूखण्डों का साईज | आवंटन दर |
|---|---|---|---|---|
| मुख्य मण्डी प्रांगण टर्मिनल मार्केट मुहाना | कोल्ड स्टोरेज | 8 | 3000 वर्ग मीटर प्रति भूखण्ड | आवंटन के समय प्रभावी डी.एल.सी. दर का 50 प्रतिशत |
| | कृषि प्रसंस्करण ईकाई | 21 | 10-1999 प्र.व.मी.<br>2-1066 प्र.व.मी<br>3-1003 प्र.व.मी.<br>2-1905 प्र.व.मी.<br>2-1904 प्र.व.मी.<br>1-1000 प्र.व.मी.<br>1-1009 प्र.व.मी. | |
| | योग:- | 29 | | |

कृषि प्रसंस्करण ईकाई हेतु उपलब्ध भूखण्डों मे से 20 प्रतिशत कृषकों हेतु तथा ऐसे प्रतिशत में से 30 प्रतिशत भूखण्ड अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति हेतु आरक्षित रखे जायेगें।
आवेदन हेतु आवेदन पत्र एवं शर्ते 500/-रू. नगद/बैंकर्स चैक/डी.डी. द्वारा जमा करवाकर मण्डी समिति कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में प्राप्त किये जा सकते है। आवेदन पत्र जमा कराते समय आवेदक को परियोजना लागत का 1 प्रतिशत अथवा 10 लाख रू. (जो भी कम हो) जमा कराने होगें। आवेदन पत्र भरकर निर्धारित धरोहर राशि बैंकर्स चैक/डिमाण्ड ड्राफ्ट के साथ दिनांक 15.12.2025 सायं 6:00 बजे तक कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) जयपुर में जमा करवाये जा सकते है। धरोहर राशि बैंकर्स चैक/डिमाण्ड ड्राफ्ट "कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) जयपुर" के नाम से जयपुर में ही देय द्वारा ही स्वीकार्य होगी। नगद राशि स्वीकार्य नही होगी।
गठित समिति द्वारा भूखण्डों का आवंटन तत्समय प्रभावी निर्धारित प्रक्रियानुसार किया जावेगा। भूखण्डों के आवंटन से सम्बन्धित अन्य जानकारी कृषि उपज मण्डी समिति कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में उपस्थित होकर देखी एवं प्राप्त की जा सकती है अथवा विभागीय वेबसाईट http://agriculture.rajasthan.gov.in/mandi पर भी देखी जा सकती हैं। आवंटन हेतु उपलब्ध भूखण्डों की संख्या व साईज में आवंटन प्रक्रिया के दौरान कभी भी किसी भी स्तर पर कमी/वृद्धि की जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/14027 — सचिव — प्रशासक

---

**SBI भारतीय स्टेट बैंक, तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन शाखा-।।, 11वां तल, जवाहर व्यापार भवन, एसटीसी बिल्डिंग,**
11वां तल, जवाहर व्यापार भवन, एसटीसी बिल्डिंग, 1 टॉल्सटॉय मार्ग, जनपथ, नई दिल्ली-110001, ईमेल : agmcl1.50950@sbi.co.in, फोन : 011-43179555, 9837163063
**ई-नीलामी बिक्री सूचना**

परिशिष्ट IV-क, (नियम 8(6) का परन्तुक देखें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

आम लोगों को और विशेष रूप से उधार लेने वाला, गारंटर और प्रत्याभूतिदाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **भौतिक कब्जा**, प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जहाँ है", जैसा है" और जो कुछ भी है"** के आधार पर निम्नवर्णित कर्जदारों/गारंटर्स और बंधककर्ताओं को प्रत्याभूतदाता, से प्रतिभूत लेनदार भारतीय स्टेट बैंक की नीचे वर्णित रुपए की बकाया राशि की वसूली हेतु नीचे वर्णित दिनांकों को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य और अग्रिम धनराशि नीचे वर्णित रुपए होगी।

| उधारकर्ता/गारंटर का नाम और पता | नीलामी के अधीन आवृत्त प्रभारित प्रतिभूति का पता | आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (आरक्षित मूल्य का 10%) / वृद्धि राशि | मांग सूचना की तारीख एवं बकाया राशि | सम्पत्ति का स्थल पर निरीक्षण करने हेतु तिथि एवं समय एवं प्राधिकृत अधिकारी का नाम | बोली आवेदन पत्र, केवाईसी दस्तावेजों, पैन कार्ड, ईएमडी जमा करने का प्रमाण आदि जमा करने की तिथि व समय और धरोहर राशि BAANKNET के माध्यम से | ई-नीलामी की तिथि / समय 10 मिनट प्रत्येक के आसीमित स्वतः विस्तार सहित |
|---|---|---|---|---|---|---|
| मेसर्स मैक्सिमम सिंथेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड<br>**पंजीकृत कार्यालयः** 135, अम्बाजी टेक्सटाइल मार्केट, अजमेर रोड, भीलवाड़ा-311001 (राजस्थान) **इसके अलावा व्यवस्थापक कार्यालय** - 606, यूनिक सांघी अपार्टमेंट, महावीर नगर, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान)<br>**कैलाश चांडक (प्रमोटर एवं निदेशक/गारंटर)**<br>606, यूनिक सांघी अपार्टमेंट, महावीर नगर टोंक रोड, जयपुर, राजस्थान।<br>**श्री शिवरतन चांडक (प्रमोटर एवं निदेशक/गारंटर)**<br>6, सुराणा हाउस, न्यू हाउसिंग बोर्ड, शास्त्री नगर भीलवाड़ा-311001 (राजस्थान) | औद्योगिक लीजहोल्ड खाली प्लॉट, आराजी संख्या 10029/7869, प्लॉट क्षेत्रफल 1 बीघा 5 बिस्वा या 3135.45 वर्ग मीटर, गाँव- स्टेशन नगर, मांडल, तहसील- मांडल, जिला- भीलवाड़ा (राजस्थान) में स्थित<br>**मेसर्स मैक्सिमम सिंथेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर।**<br>**संपत्ति भौतिक कब्जे में है।** | रु.41,31,000/-<br>रु.4,13,100/-<br>रु.10,000/- | रु.53,31,90,526.04 (तिरपन करोड़ इकतीस लाख नब्बे हजार पांच सौ छब्बीस रुपये और चार पैसे मात्र) 30.09.2025 तक और संविदात्मक दरों पर भविष्य के ब्याज सहित सभी आकस्मिक व्यय, लागत प्रभार आदि | **21-11-2025**<br>सुबह 10.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक<br>प्राधिकृत अधिकारीः सुश्री महिमा गुप्ता मुख्य प्रबंधक मो. 9166344999, 9490188128,9837163063 | https://BAANKNET.com देखें | **09-12-2025**<br>सुबह 11.00 बजे से शायं 04.00 बजे तक 10 मिनट प्रत्येक के असीमित स्वतः विस्तार सहित |

**M/S PSB ALLIANCE (BAANKNET)** द्वारा प्रदान किए गए ई-नीलामी साइट **https://BAANKNET.com** पर बोलीकर्ताओं द्वारा ईएमडी को अपने स्वयं के बटुए(**wallet**) में हस्तांतरित / जमा करना होगा।

**नियम व शर्तेः- ई-नीलामी "जहाँ है", जैसा है" और जो कुछ भी है" के आधार पर ऑन लाईन आयोजित की जायगी।**
ई-नीलामी **https://BAANKNET.com** लिंक के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, बोलीदाताओं को ई-नीलामी सेवा प्रदाता **M/S PSB ALLIANCE (BAANKNET)** की सेवा शर्तों का अनुपालन करना होगा।
इच्छुक बोलीदाता ई-नीलामी बंद होने से पूर्व **M/S PSB ALLIANCE (BAANKNET)** के पास प्री-बिड ईएमडी जमा कर सकते है। **M/S PSB ALLIANCE (BAANKNET)** के बैंक खाते में भुगतान की प्राप्ति और ई-नीलामी वेबसाइट में इस तरह की जानकारी को अपडेट करने के बाद ही बोलीदाता को प्री-बिड ईएमडी का क्रेडिट दिया जाएगा। बैंकिंग प्रक्रिया के अनुसार इसमें कुछ समय लग सकता है और इसलिए बोलीदाताओं को अपने हित में सलाह दी जाती है कि किसी भी अंतिम समय की समस्या से बचने के लिए बोली पूर्व ईएमडी राशि अग्रिम रूप से जमा करें।
तथापि इच्छूक बोलीदाता(ओं) को, ऋणभार, नीलामी में रखी गयी सम्पत्ति(यों) के स्वामित्व तथा सम्पत्ति(यों) को प्रभावित करने वाले दावों / अधिकारों / बकाया राशियों के संबन्ध में अपनी स्वयं स्वतन्त्र जांच, अपनी बोली प्रस्तुत करने से पूर्व कर लेनी चाहिए। इस संदर्भ में ई-नीलामी विज्ञापन, बैंक की किसी भी प्रकार की प्रतिबद्धता/वचनबद्धता निर्मित नही करता है और न ही कोई वचनवद्धता/प्रतिवद्धता या प्रतिनिधित्व करता समझा जायेगा।
सफल बोलीदाता की **धरोहर राशि जमा (ईएमडी)** बिक्री प्राप्ति के भाग के रूप में रोक कर रखी जाएगी तथा असफल बोलीदाताओं की ईएमडी वापस कर दी जाएगी। धरोहर राशि जमा पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा। **सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य की 25 प्रतिशत राशि, पहले अदा की गई ईएमडी समायोजित करने के बाद प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बोली मूल्य स्वीकार किए जाने के बाद अर्थात उसी दिन या अगले कार्य दिवस में जमा करनी होगी** तथा शेष राशि बिक्री के 15वें दिन या उससे पहले जमा करनी होगी। सफल बोलीदाता द्वारा भुगतान में चूक की स्थिति में पहले जमा की गई राशि जब्त मान्य होगी और सम्पत्ति की नीलामी नए सिरे से की जाएगी तथा चूककर्ता बोलीदाता का सम्पत्ति/राशि के संबंध में कोई दावा/अधिकार मान्य नहीं होगा।
प्राधिकृत अधिकारी /प्रतिभूत लेनदार किसी तृतीय पक्ष के दावों / अधिकारों / बकाया राशियों के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। यह ई-नीलामी वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुर्ननिर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम- 2002 के अन्तर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अनुसार की जायेगी। और आयकर/जीएसटी नियम, जहां भी लागू हों।
ई-नीलामी के अन्य नियम व शर्ते निम्नलिखित वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। **https://BAANKNET.com, https://www.sbi.co.in**

**सरफासी ऐक्ट, 2002 के अधीन बिक्री हेतु कानूनी नोटिस**

तिथि : 17-11-2025, स्थान : भीलवाड़ा — हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक

## संक्षिप्त

### पुलिस के बेड़े में बदलाव

**कोटपूतली** । जिले में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। मंगलवार को जारी आदेश में 21 निरीक्षकों व उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदल दिये गये। जिनमें 10 अधिकारियों को पुलिस लाईन से फील्ड डयूटी में भेजा गया हैं जबकि 11 अधिकारियों के थाना क्षेत्रों में परिवर्तन किया गया हैं। सूची में कोटपूतली एसएचओ राजेष कुमार षर्मा को यथावत् रखा गया हैं। मलिक एन्टी गैंगस्टर टास्क फोर्स की सम्भालेगें कमान :- वहीं जिले में हाल ही के कुछ माह में बढ़ रही गैंगस्टर्स की मुवमेंट को देखते हुये एसपी बिष्नोई ने एन्टी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन भी किया हैं।

### अवैध शराब सहित एक पकड़ा

**बौंली -बामनवास** । सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देशन में चलाए जा रहे अवैध शराब के खिलाफ अभियान के तहत बौंली थाना पुलिस ने बौंली नगर से अवैध देशी व अंग्रेजी शराब के साथ आरोपी गौरव शर्मा उम्र 25 वर्ष निवासी विजयपुर जिला शिवपुरी (मध्य प्रदेश) को गिरफ्तार किया है।बौंली सर्किल इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल जयदेव सिंह ने मय टीम के दौराने गस्त वन विभाग चौकी के सामने निवाई रोड बौंली नगर से आरोपी गौरव शर्मा को 36 बोतल बियर 119 रॉयल स्टैग अंठोजी शराब के पवै व96 देशी शराब के पवों के साथ शराब बेचने की 7हजार की राशि जप्त कर गिरफ्तार किया है।आरोपी के खिलाफ धारा 19/54 एक्साइज एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

### ट्रैक्टर ट्राली जब्त

**बौंली -बामनवास** । सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देशन में चलाए जा रहे अवैध बजरी खनन व परिवहन पर कार्यवाही करते हुए बौंली थाना पुलिस ने एक ट्रैक्टर ट्राली को अवैध बजरी परिवहन करते पकडा है, पुलिस टीम को देखकर चालक मौके से फरार हो गया। बौंली सर्किल इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में खिरनी पुलिस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक राजेंद्र गिरी ने दौराने गस्त महेशरा नदी से अवैध बजरी परिवहन करते एक ट्रैक्टर ट्राली को पकडा, चालक मौके से फरार हो गया।

### नोखा में एनएसएस शिविर शुरू

**नोखा** । हीरादेवी गट्टाणी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तीसरे एकदिवसीय शिविर का शुभारंभ हुआ। उप प्राचार्य प्रह्लाद दान ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। यह शिविर दो सत्रों में आयोजित किया गया। पहले सत्र में स्वयंसेवी छात्राओं ने गोद लिए गए नेहरू पार्क और विद्यालय परिसर में श्रमदान किया। अल्पाहार के बाद, एकल गायन हुआ।

# खैरथल में सरदार150 यूनिटी मार्च निकाल राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया

## बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग, हाथों में तिरंगा 'भारत माता की जयघोष' और 'सरदार पटेल अमर रहे' के लगाए नारे

**खैरथल।** सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार माय भारत इनिशिएटिव के तहत मंगलवार को खैरथल के भगत सिंह चौक से जिला सचिवालय तक सरदार 150 यूनिटी मार्च पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का शुभारंभ राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य एवं पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव, जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर किया। सरदार 150 पदयात्रा भगत सिंह चौक, हेमू कॉलोनी चौक से होते हुए जिला सचिवालय पहुँचकर सम्पन्न हुई। इस दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लिए 'भारत माता की जयघोष' और 'सरदार पटेल अमर रहे' के नारों के साथ भाग लिया। प्रतिभागी युवाओं को 'मेरा युवा भारत' की टी-शर्ट वितरित की गई। वंदे मातरम के साथ आरंभ हुए मार्च में युवाओं ने तिरंगा लहराते हुए भारत माता, सरदार पटेल और आजादी के नारे लगाकर देशभक्ति का माहौल सृजित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य व पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने कहा कि सरदार पटेल का भारत के एकीकरण में योगदान

खैरथल सरदार 150 यूनिटी मार्च पदयात्रा में शामिल पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित जनप्रतिनिधि ।

अतुलनीय है, और उनका संदेश गांव-गांव व ढाणी-ढाणी तक पहुँचाना आज की आवश्यकता है।

उन्होंने युवाओं से स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आ ान किया। भाजपा जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी ने अपने संबोधन में भारत सरकार द्वारा 6 अक्टूबर से 6 दिसंबर तक आयोजित सरदार 150 कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि सरदार पटेल की दृढ़ इच्छा शक्ति और संघर्ष के कारण ही भारत एक सशक्त, संगठित राष्ट्र बन सका। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने, महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में सरस्वती वंदना और बालिकाओं द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों ने सभी को भावविभोर किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी विभागों, संस्थाओं व नागरिकों का जिला युवा अधिकारी ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, उपसभापति वरुण डाटा, पूर्व सभापति अशोक डाटा, उम्मेद भाया, अनूप सिंह यादव, पवन यादव, पंकज यादव, तरुण दुलानी, ध्रुव कुमार उपाध्याय सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, अधिकारी सहित युनिटी मार्च में स्कूल-कॉलेज विद्यार्थी, माय भारत, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड, स्वयंसेवी संस्थाएँ और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

■ राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव और जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर यूनिटी मार्च पदयात्रा को रवाना किया ।

# 26 जैन साधुओं का गाजे बाजे के साथ मंगल प्रवेश

**निवाई।** सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में राष्ट्रीय संत आचार्य वर्धमान सागर महाराज संघ के 26 जैन साधुओं का निवाई शहर में गाजे बाजे के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। जिसको लेकर पाश्र्वनाथ उद्यान को भव्य सजाया गया। मंगल प्रवेश के जुलूस का श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर अगुवानी की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि आचार्य वर्धमान सागर महाराज संघ के 26 पिच्छीधारी त्यागी तपस्वी दिगम्बर जैन सन्तों का निवाई में शीतकालीन प्रवास के लिए मंगल पदार्पण हुआ। प्रवक्ता सुनील भाणजा ने बताया कि आचार्य संघ का चातुर्मास के पश्चात टोंक से मंगल विहार करते हुए मंगलवार को निवाई पहुंचें। उन्होंने बताया कि मंगलवार को सुबह कल्याण कालेज में जैन समाज द्वारा श्रीफल भेंट कर निवाई नगर के लिए आमंत्रित किया। जहां सभी श्रद्धालुओं ने गाजे बाजे से नाचते गाते हुए पद विहार के साथ शहर में मंगल प्रवेश करवाया। उन्होंने बताया कि आचार्य संघ शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए संत निवास नसियां जैन मंदिर पहुंचे जहां भगवान शांतिनाथ के दर्शन करते हुए जैन मुनि प्रभव सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। राजेश पंचोलिया ने बताया कि धर्म सभा से पूर्व महिला मण्डल की विनिता बगड़ी के नेतृत्व में प्रियंका पराणा, नीलम चंवरिया, नेहा बगड़ी एवं पूजा चैनपुरा ने मंगलाचरण किया। पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री ने जिनवाणी की स्तुति की। इस अवसर पर जितेन्द्र चंवरिया, मनोज पाटनी, राजेश चौधरी, अमित कटारिया, प्रदीप पारीक, पवन बोहरा, नितिन छाबड़ा, मोहित चंवरिया, गोपाल कठमाणा, विष्णु बोहरा, पवन सांवलिया, सुशील गिन्दौड़ी, पवन बड़ागांव, महेन्द्र चंवरिया, हुकमचंद जैन, अशोक बिलाला, दिलीप बगड़ी, विमल गिन्दौड़ी, आशीष जैन, रोनक बोहरा, दिलीप भाणजा, हेमन्त चंवरिया व पिंकू सोगानी सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

# शाहपुरा में उपजिला व ट्रोमा अस्पताल का निर्माण फिर अधर में

**शाहपुरा** । शाहपुरा में उपजिला एवं ट्रोमा अस्पताल का निर्माण फिर अधर में है और आवंटित भूमि असुरक्षित है। यह पीडीकोर की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है। शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है कि सरकार व्यक्तिगत लाभ के उद्देश्य से बार-बार अस्पताल का स्थान बदल रही है। विधायक यादव ने पत्र लिखकर मुख्य मंत्री से उपयुक्त भूमि चयन करवाकर अस्पताल का निर्मण शीघ्र करवाए जाने की मांग की है। शाहपुरा में प्रस्तावित उपजिला एवं ट्रोमा अस्पताल का निर्माण एक बार फिर देरी की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। वर्ष 2023-24 के बजट में घोषणा होने के बावजूद दो वर्ष बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। इसी बीच पीडीकोर लिमिटेड की रिपोर्ट ने मामले को और गंभीर बना दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अक्टूबर 2025 को तमिया स्टेडियम के पास राजस्व ठााम शाहपुरा के खसरा नंबर 3351/5708, 3351/5778 और 3352 से कुल 69300 वर्गमीटर भूमि में से 20027 वर्गमीटर क्षेत्र अस्पताल निर्माण के लिए आवंटित किया गया था। लेकिन 17 नवंबर 2025 को पीडीकोर के क्षेत्रीय परियोजना प्रबंधन प्रमुख सुनील कुमार अठावाल द्वारा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिशासी अभियंता को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि यह भूमि बहाव क्षेत्र में स्थित है तथा अस्पताल निर्माण के लिए पूर्णतः असुरक्षित एवं अनुपयुक्त है। गौरतलब है कि इस मुद्दे को शाहपुरा विधायक द्वारा 4 जुलाई 2025 को विधानसभा के मानसून सत्र में भी उठाया गया था। उस समय चिकित्सा मंत्री ने जवाब दिया था कि 28 मई 2025 को ई-निविदा जारी की गई थी, परंतु भूमि का क्षेत्रफल कम एवं अनुपयुक्त पाए जाने के कारण निविदा निरस्त कर दी गई। मंत्री ने यह भी कहा था कि उपयुक्त भूमि आवंटन के बाद पुनः निविदा जारी की जाएगी। विधायक ने तब भी दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने और 307 लाख रुपये की स्वीकृति मिलने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ न होने को सरकार की गंभीर लापरवाही बताया था। विधायक का आरोप है कि सरकार बार-बार स्थान बदल रही है और पहले उपयुक्त बताई गई भूमि को बाद में अनुपयुक्त घोषित किया जा रहा है। विधायक ने यह भी कहा कि सरकार द्वारा तमिया स्टेडियम के पास बहाव क्षेत्र में भूमि आवंटन नियमों को दरकिनार कर व्यक्तिगत लाभ के उद्देश्य से किया गया था और इस प्रक्रिया में न तो स्थानीय जनता से राय ली गई और न ही स्थानीय विधायक से कोई परामर्श लिया गया। विधायक यादव ने कहा की शाहपुरा क्षेत्र की जनता लंबे समय से एक सुसज्जित ट्रोमा एवं उपजिला अस्पताल की प्रतीक्षा कर रही है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए विधायक ने सरकार से मांग की है कि घनी आबादी के पास नगर परिषद् व आस पास के क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित एवं उपयुक्त भूमि का पुनः चयन किया।

# संघर्ष चेतना यात्रा की तैयारियां जोरों पर

**कोटपूतली** । अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के तत्वाधान में प्रदेश भर के विभिन्न विभागीय कर्मचारी समूहों की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर विगत 05 नवम्बर से महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष महावीर शर्मा के नेतृत्व में शुरू हुई संघर्ष चेतना रथ यात्रा आगामी 21 नवम्बर को नवगठित जिला कोटपूतली- बहरोड़ में प्रवेश करेगी। जहां कर्मचारियों की बड़ी सभा का आयोजन होगा। इसको लेकर कर्मचारी संगठनों की तैयारियां जोरों पर हैं।

महासंघ के जिला संयोजक बाबूलाल गुर्जर ने जानकारी देते हुये बताया कि यात्रा की तैयारियों को लेकर कर्मचारियों की महिला विंग का गठन करते हुये अंजू यादव को जिला प्रभारी नियुक्त किया गया हैं। जबकि निर्मला गुर्जर को जिला सलाहकार सदस्य, मंजू यादव को महिला प्रकोष्ठ की जिला संयोजक की जिम्मेदारी दी गई हैं। इसी प्रकार लक्ष्मी यादव, सुमन कासलवाल, ममता यादव, मीनाक्षी यादव, कृष्णा यादव, अनिता सोनी, अनिता यादव, पुष्पा, मंजू, रेखा जोषी, भगवती चौधरी, दिव्या सैन, पूजा यादव, मंजू सैनी, प्रेम यादव, मुनेष यादव, पूजा गुर्जर, मीना कुमारी, पिंकी मीणा, पूनम गुर्जर, शांति गुसाईवाल, पूनम, ममता यादव, राजू यादव, सरोज यादव, संगीता चौधरी, कविता चौधरी, कविता यादव, सुमन यादव, कविता गुर्जर व भूमिका सैनी आदि महिला प्रकोष्ठ की और से यात्रा की जिला सह प्रभारी का दायित्व निभायेंगी। जिला संयोजक बाबूलाल गुर्जर ने बताया कि सभी कर्मचारी संघ एकजुट होकर संघर्ष चेतना यात्रा को सफल बनाने की तैयारी में जुटे हुये हैं। उक्त यात्रा प्रदेश भर के सभी 41 जिलों व 300 से अधिक ब्लॉकों में जाकर कर्मचारियों को उनके हितों के लिये जागृत करने का कार्य कर रही है।

### बैठक बुधवार को

**अजमेर** । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 27 अक्टूबर को राजस्थान राज्य के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्यक्रम घोषित किया है। इस संबंध में जन प्रतिनिधियों, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं बीएलए प्रथम के साथ जिला निर्वाचन अधिकारा लोक बन्धु की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योति ककवानी ने दी।

## सार-समाचार

### ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित

**कोटपूतली** । कस्बे के डाबला रोड स्थित राजपूताना पी.जी. कॉलेज में मंगलवार को निर्वाचन विभाग के निर्देषानुसार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिये छात्र-छात्राओं का ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में ईएलसी प्रभारी ताराचन्द सैनी ने ईएफ को ऑनलाइन भरने की विस्तार पूर्वक प्रोजेक्टर के माध्यम से एसआईआर 2026 प्रक्रिया समझाई। प्राचार्य डॉ. एच.एन. धोलीवाल ने बताया कि निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक राजस्थान में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत छात्र-छात्रायें स्वयं, परिवारजन एवं अन्य नागरिकों का ऑनलाइन पुनरीक्षण फॉर्म भर सकते हैं।

### आत्मरक्षा प्रशिक्षण से छात्राओं में उत्साह

**निवाई।** पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निवाई में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह का आयोजन हुआ। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा व प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर द्वारा मां शारदे के चित्र के समक्ष दी प्रज्जवलित करके किया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बालिकाओं को आत्मरक्षा में निपुण बनाकर उन्हें भयमुक्त जीवन देना है। जिससे बालिकाएं साहसी और आत्मनिर्भर होकर समाज के विकास में भागेदारी निभाएगी। शिविर प्रभारी पूजा गोस्वामी व रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण की स्टेट एमटी व शारीरिक शिक्षिका मूंडिया प्रेम चौधरी ने बालिकाओं को पंच, किक, बचाव के तरीके, मार्शल आर्ट व प्राणायाम का अभ्यास करवाया। समापन सत्र पर बालिकाओं द्वारा जीवंत प्रदर्शन कर अतिथियों एवं विद्यार्थियों को हतप्रभ कर दिया। प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर ने संबोधित करते हुए कहा कि मैं चाहता हूँ कि हमारी हर बालिका की आँखों में साहस हो, कदमों में विश्वास हो और मन में यह दृढ़ भावना होनी चाहिए कि वह स्वयं का बचाव कर सकती है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद यह बालिकाएँ केवल तकनीकी रूप से प्रशिक्षित नहीं होंगी बल्कि यह कालिका यूनिट बनकर समाज के विकास में अठासर होंगी एवं संकल्प, शक्ति व निडरता की प्रतीक बनेगी। उन्होंने बतायाकि बालिकाओं में वह साहस होगा कि किसी भी विपरीत परिस्थिति में मां कालिका की तरह दृढ़ होकर विपरीत परिस्थितियों का सामना कर सकेंगी। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य सरिता भट्ट, व्याख्याता गायत्री शर्मा व सुमन विजय सहित कई शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद थे।

### कार्यशाला में 350 बालिकाओं भाग लिया

**निवाई।** महिला अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में मैरिंग्टन सोनी के निर्देशानुसार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में महिला अधिकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं का आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 6 से 12 वीं तक की 350 बालिकाओं को विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। पन्नाध्याय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र से अरुणा शर्मा ने निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया। मंजू चौधरी ने मुख्यमंत्री लाडो प्रोत्साहन योजना, आशा शास्त्री ने शिक्षा सेतु योजना एवं सामूहिक विवाह अनुदान योजना की जानकारी दी। महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र से विधिक काउंसलर नीतू सिंह विजय ने महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र के बारे में बताते हुए लैंगिक उत्पीडऩ अधिनियम 2013 की विस्तार से जानकारी दी। सुपरवाइजर मीरा चौधरी ने घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं के बारे में बताया। डीएचईडब्लू से जेंडर स्पेशलिस्ट भावना सक्सेना ने सखी वन स्टॉप सेंटर की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में अध्यापक दिलखुश मीणा, आनंद शुक्ला, अध्यापिका सोनू वर्मा, पूजा सैनी व ललिता यादव सहित कई शिक्षिकाएं मौजूद थी।

### बच्चों को जागरूक किया

**निवाई।** शहीद रतनलाल जाट राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पहाड़ी में चाइल्ड हेल्पलाइन के तत्वावधान में परियोजना अधिकारी कमलेश सैनी व जिला बाल संरक्षण इकाई बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक नवल खान के सानिध्य में बाल संरक्षण के मुद्दों पर जानकारी दी गई। चाइल्ड हेल्प लाइन टीम के सुपरवाइजर राहुल गजरा ने चाइल्ड हेल्प लाइन की जानकारी देते हुए आपातकालीन फोन सेवा 1098 के बारे में बताते हुए बाल विवाह, बाल विवाह के दुष्परिणाम, बाल श्रम, भीख मांगने वाले बच्चे व बालकों के अधिकारों के बारे में बच्चों जागरूक किया। कैश वर्कर महेंद्र बैरवा ने बच्चों को बाल यौन शोषण के बारे में जानकारी दी और पॉक्सो कानून के बारे मे बताया। इसी दौरान देवेन्द्र जांगिड़ ने बताया कि सिकोईडिक्रोन संस्था के सहयोग से पहाड़ी ठाम पंचायत में विशेष ई मित्र सामाजिक कल्याण योजना शिविर का आयोजन किया गया। ताकि सभी लोग सरकारी योजना से जुड़ सकें। मानव तस्करी विरोधी यूनिट से कन्हैया लाल, हेड कॉन्स्टेबल रिंकु शर्मा व कानि धर्म देव ने बाल संरक्षण के मुद्दों पर जानकारी देते हुए बंधुआ मजदूरी करने वाले बच्चों के बारे में विस्तार से बताया और चाइल्ड हेल्प लाइन पर फोन करने लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर टीम के विमल कुमार, राजेंद्र, किरण, ममता, बुधराम, प्रधानाचार्य कांताप्रसाद बारेठ, प्रहलाद गुर्जर व अध्यापिका ओम कंवर सहित कई शिक्षक मौजूद थे।

# भरतपुर संभाग में आईस्टार्ट आइडियाथॉन 2025 का सफल आयोजन

■ आइडियाथॉन विद्यार्थियों को स्टार्टअप इकोसिस्टम से जोड़कर उनके विचारों को वास्तविक समाधान में परिवर्तित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। मुख्य अतिथि विवेक कुमार ने कहा कि आईस्टार्ट आइडियाथॉन युवाओं को समाज की चुनौतियों को अवसर में बदलने का प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। तकनीक, नवाचार और जिज्ञासा के सम्मिलित प्रयास से ही विकसित भारत का निर्माण संभव है।

**भरतपुर** (निस)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग तथा आईस्टार्ट राजस्थान द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय आईस्टार्ट आइडियाथॉन 2025 प्रतियोगिता का भरतपुर संभागीय फिनाले मंगलवार को इंजीनियरिंग कॉलेज भरतपुर में आईस्टार्ट इन्क्यूबेशन सेंटर, भरतपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन एवं संचालन राजस्थान नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग विवेक कुमार, विशिष्ट अतिथियों में जिला उद्योग केंद्र के जॉइंट कमिश्नर चंद्रमोहन गुप्ता, प्रिंसिपल इंजीनियरिंग कॉलेज धवल व्यास, एसीपी सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग पुष्पेन्द्र सिंह, डिविजन इन्क्यूबेशन सेंटर, आईस्टार्ट परियोजना हरि मोहन शर्मा एवं फाउंडर स्किलोनशन एडटेक प्राइवेट लिमिटेड राघव शर्मा ने शिरकत की। फाइनल राउंड का मूल्यांकन विशेषज्ञों के जूरी पैनल द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. करुणा गौर, डॉ. मुकेश कुमार, अरविंद सिंह चौधरी, मनु विजय और गौरव गुप्ता सम्मिलित रहे। कार्यक्रम में स्किलोनशन एडटेक प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर एवं सीईओ राघव शर्मा ने कहा कि विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में युवाओं के नवाचार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आइडियाथॉन विद्यार्थियों को स्टार्टअप इकोसिस्टम से जोड़कर उनके विचारों को वास्तविक समाधान में परिवर्तित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। मुख्य अतिथि विवेक कुमार ने कहा कि आईस्टार्ट आइडियाथॉन युवाओं को समाज की चुनौतियों को अवसर में बदलने का प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। तकनीक, नवाचार और जिज्ञासा के सम्मिलित प्रयास से ही विकसित भारत का निर्माण संभव है।

विशिष्ट अतिथि चंद्रमोहन गुप्ता ने कहा कि आज के युवा केवल समाधान ही नहीं खोज रहे, बल्कि नए उद्योग और रोजगार के अवसर भी सृजित कर रहे हैं। प्रतियोगिता में भरतपुर, डीग, धौलपुर और करौली जिलों से सैकड़ों नवाचारी विचार प्राप्त हुए। फाइनल राउंड में चयनित टीमों ने तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, एल्डर केयर, पर्यावरण, फिनटेक और सोशल इनोवेशन जैसे क्षेत्रों से जुड़े प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में होली मदर पब्लिक स्कूल को महिलाओं के मासिक धर्म स्वास्थ्य में नवाचार टीम को प्रथम पुरस्कार 25 हजार रुपये, उन्नत क्रिटिकल केयर टेक डिवाइस टीम को द्वितीय पुरस्कार 15 हजार रुपये एवं यात्रियों के लिए अभिनव हीट बैग टीम को तृतीय पुरस्कार 10 हजार प्रदान किये। अतिथियों का स्वागत आरकेसीएल टीम, आईस्टार्ट भरतपुर टीम, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग एवं स्किलोनशन किड्स प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. प्रमोद ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन आईस्टार्ट इनक्यूबेशन सेंटर के आआईसी हरि मोहन शर्मा ने दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संदीप, यशपाल, सौरभ, आरकेसीएल टीम, आईस्टार्ट टीम, स्किलोनशन किड्स टीम तथा इंजीनियरिंग कॉलेज भरतपुर के वॉलंटियर्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

### बच्चों को सुनने की मशीन दी

**पावटा।** राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा में मंगलवार को विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए ब्लॉक स्तरीय अभिभावक परामर्शदाता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग व विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को आवश्यक सहयोग, जागरूकता, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। कार्यक्रम संयोजक विद्यालय कार्यवाहक प्रधानाचार्य सुरेंद्र राठौड ने बताया कि कार्यक्रम में फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. रुडमल चौधरी एवं क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. एकता कंवर ने स्वास्थ्य संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए संभागीयों को पहला सुख- निरोगी काया का मंत्र देते हुए विशेष विद्यार्थियों को थैरेपी प्रशिक्षण एवं परामर्श से लाभान्वित किया। प्रधानाचार्य सुरेंद्र राठौड ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के साथ "सहानुभूति" नहीं बल्कि "सहयोग" की भावना दिल में रखकर कार्य करना चाहिए, ताकि उन्हें आगे बढ़ने में हर संभव मदद मिल सके। संदर्भ कक्ष प्रभारी धनसिंह मीणा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2025- 26 के तहत तहत 4 बच्चों को सुनने की मशीने व 9 बच्चों को टीएलएम किट वितरित की गई। इस दौरान कार्यक्रम में 36 विद्यार्थी व 50 अभिभावको ने शामिल होकर लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर रमेश वशिष्ठ, वीरेंद्र अठावाल, चिरंजी लाल गुर्जर, मोहन शर्मा, राहुल शर्मा सहित शिक्षकों ने अपना सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

# अधिकारियों से यातायात व्यवस्था को लेकर बातचीत की

**पावटा।** ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में यातायात सेवाओं और सुविधाओं के विस्तार के साथ ही यातायात प्रबंधन को बेहतर स्वरूप दिए जाने की दिशा में मंगलवार को पावटा एसडीएम साधना शर्मा की अध्यक्षता में उपखंड कार्यालय में यातायात सतर्कता समिति के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी संबंधित विभागों द्वारा मिलकर सार्थक प्रयास करने एवं इसके लिए हर स्तर पर भरसक कोशिशों को मूर्त रूप दिया जाएगा। एसडीएम साधना शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को उपखंड कार्यालय में आयोजित यातायात सतर्कता समिति की बैठक में यातायात संबंधी समस्याओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान पावटा प्रागपुरा नगरपालिका ईओ फतेह सिंह मीणा को पावटा कस्बे के मुख्य बाजारों में अवैध अतिक्रमण हटाने, पालिका द्वारा जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए कस्बे में बड़े व लोडेड वाहनों ट्रक, डंफर, ट्रेलर, स्कूल बस का प्रवेश रोकने के लिए टसकोला रोड पावटा बड़ी पुलिया के पास लगाए गए लोहे के एंगल की देखरेख करने, सर्विस लाइन पर दुकानों के सामने खड़े लोडेड वाहनो की पार्किंग को यातायात व पुलिस स्टाफ के साथ समन्वय स्थापित कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। मुख्य बाजार पावटा में पुलिस विभाग से समन्वय स्थापित कर अतिक्रमण हटाने के लिए संसाधन मुहैया करवाने के निर्देश दिए। पावटा नगरपालिका क्षेत्र व मुख्य

पावटा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में यातायात सेवाओं के सम्बंध में अधिकारियों की बैठक हुई।

बाजार के पास पार्किंग स्थल चिन्हित कर वाहनों को पार्किंग स्थल में खड़ा करवाए जाने के निर्देश दिए। वही भारी व ओवरलोडेड बड़े वाहनों ट्रक, ट्रेलर, डंफर का कस्बे में प्रवेश रोकने के लिए नया रूट रामपुरा होते हुए भूरी भड़ाज एमडीएच से प्रागपुरा एनएच 48 तक रूट डायवर्जन के विषय में लोकल ट्रांसपोर्टर्स से चर्चा की गई। इस संबंध में सहमति के बाद सुबह 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक भारी वाहनों का टसकोला टोरडा रोड पर प्रवेश प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव रखा गया। टोरडा प्वाइंट पर टसकोला पुलिस चौकी स्थापित होने पर आरटीओ स्टाफ की गश्त दो शिफ्टों प्रात 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक व दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक लगातार किए जाने का प्रस्ताव रखा गया। जिला पुलिस अधीक्षक से टोरडा प्वाइंट पर टसकोला पुलिस चौकी स्थापित करने व एक हेड कांस्टेबल व चार कांस्टेबल की मांग हेतु प्रस्ताव लिया गया। पावटा में यातायात पुलिस निरीक्षक से समन्वय स्थापित कर सुबह 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक भारी ओवरलोडेड वाहनों का कस्बे में प्रवेश एवं पावटा पुलिया के दोनों तरफ सर्विस लाइनों पर लगे जाम को हटवाने हेतु ट्रैफिक पुलिस तैनात करने का निर्देश दिया गया। पाव टा बड़ी पुलिया के नीचे चल रहे 20 फीट सीसी रोड के निर्माण को 15 दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिए। सभी कार्यों का प्रस्ताव लेते हुए कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान पावटा तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, ईओ फतेह सिंह मीणा, एनएएचआई सहायक अभियंता सतीश कुमार, सहायक खनिज अभियंता अमीचंद दुहारिया, आरटीओ इंस्पेक्टर नरेश कुमार, प्रागपुरा थानाधिकारी कश्मीर सिंह,एनएएचआई सर्वेयर आनंद शर्मा सहित संबंधित विभाग अधिकारी मौजूद रहे।

ईडन गार्डन्स की पिच में कोई खराबी नहीं थी और भारतीय बल्लेबाज स्पिन लेती पिच पर खेलने के लिए तैयार नहीं थे।
- चेतेश्वर पुजारा

भारतीय खिलाड़ी, गंभीर के पिच वाले बयान पर पलटवार करते हुए।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी** कार्लोस अल्काराज

विश्व नंबर 1 कार्लोस अल्काराज चोट के कारण इटली के बोलोग्ना में होने वाले डेविस कप फाइनल के लिए स्पेन की टीम से हट गए हैं। रविवार को एटीपी फाइनल्स के फाइनल में जैनिक सिनर से हारने के बाद अल्काराज को हैमस्ट्रिंग में हल्की चोट लगी थी, और हालांकि वह प्रतियोगिता में भाग लेने की उम्मीद से बोलोग्ना गए थे, लेकिन जांच के बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ''मेरे दाहिने हैमस्ट्रिंग में सूजन है और चिकित्सा सलाह है कि मैं प्रतियोगिता में भाग न लूँ।''

**क्या आप जानते हैं ?...** भारतीय क्रिकेट टीम का एक और महत्वपूर्ण रिकॉर्ड एम.एस. धोनी की कप्तानी में सभी आईसीसी टूर्नामेंट (टी-20 विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और विश्व कप) जीतने का है।

## बल्ले से स्टंप पर वार पड़ा महंगा, बाबर आजम पर आईसीसी का एक्शन, 10% मैच फीस कटी

नई दिल्ली, 18 नवंबर। आईसीसी ने रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन करने पर पाकिस्तानी स्टार बाबर आज़म पर जुर्माना लगाया है। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन के लिए उन पर मैच फीस का 10 जुर्माना लगाया गया है। यह अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, मैदानी उपकरणों या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है और यह पूर्व पाकिस्तानी कप्तान का 24 महीनों में पहला अपराध है।बाबर आज़म पर तीसरे वनडे के दौरान आउट होने के बाद बल्ले से स्टंप्स पर गेंद मारने के लिए जुर्माना लगाया गया है। यह घटना पाकिस्तान की बल्लेबाजी पारी के 21वें ओवर में हुई जब वे 212 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा कर रहे थे। जेफरी वेंडरसे ने बाबर आज़म को 34 रन पर आउट कर दिया और बाबर आज़म इस आउट से खुश नहीं थे। क्रीज छोड़ने से पहले, उन्होंने अपना बल्ला स्टंप्स पर मारा और इसलिए, ने उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया।

# शुभमन गिल गुवाहाटी जायेंगे, लेकिन खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा

कोलकाता, 18 नवंबर। शुभमन गिल टीम के साथ गुवाहाटी जायेंगे, लेकिन दूसरे टेस्ट में उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। यह टेस्ट 22 नवंबर से शुरू होगा, जिसमें भारत श्रृंखला में 0-1 से पीछे है। गर्दन में ऐंठन के कारण भर्ती होने के बाद रविवार रात कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद से, गिल शहर के आईटीसी सोनार में टीम के साथ हैं। सूत्रों का कहना है कि भारतीय कप्तान, जिनकी गर्दन में अकड़न के कारण बल्लेबाजी केवल तीन गेंदों तक ही सीमित रही, बुधवार (19 नवंबर) को टीम के साथ उड़ान भरने वाले हैं।

एक जानकार सूत्र ने क्रिकबज़ को बताया, ''यही मूल योजना थी और अभी इसमें कोई बदलाव नहीं है - गिल यात्रा करेंगे।'' ''आखिरी समय में बदलाव को छोड़कर, उन्हें गुवाहाटी में ही रहना चाहिए।'' सुझाव थे कि वह विशेषज्ञ की राय के लिए मुंबई जाएं, लेकिन वह योजना रद्द कर दी गई।

बीसीसीआई और स्थानीय डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। टीम प्रबंधन और चयनकर्ता लगातार एक-दूसरे के संपर्क में हैं। यह स्पष्ट है कि सभी संबंधित पक्ष चाहते हैं कि गिल टेस्ट खेलें, लेकिन वे उन्हें जल्दबाजी में वापस न लाने पर भी अड़े हैं। उनकी भागीदारी पर अंतिम फैसला मैच से एक दिन पहले लिया जाएगा। भारत ईडन गार्डन में पहला टेस्ट 30 रनों से हार गया था, क्योंकि दूसरी पारी में 124 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया था। गिल महत्वपूर्ण दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध नहीं थे, क्योंकि वह अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रहे थे।

### नीतीश रेड्डी टीम में शामिल

इस बीच, राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने दाएं हाथ के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को कोलकाता बुलाया है। उन्होंने सोमवार देर रात टीम होटल में चेक-इन किया और बुधवार सुबह टीम के साथ गुवाहाटी के लिए उड़ान भरने वाले हैं।

नितीश भारत ए की सीमित ओवरों की टीम का हिस्सा होने के नाते राजकोट में थे, जो वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेल रही है। पता चला है कि सोमवार देर शाम उन्हें कोलकाता जाने के लिए कहा गया और वे तुरंत वहां पहुंच गए। नितीश मूल रूप से टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन टेस्ट शुरू होने से पहले उन्हें टीम से निकाल दिया गया और राजकोट में सीमित ओवरों के मैच खेलने के लिए कहा गया।

उन्होंने 13 और 16 नवंबर को खेले गए पहले दो मैचों में हिस्सा लिया, जिनमें भारत ने जीत हासिल की, लेकिन 19 नवंबर को होने वाले तीसरे मैच से पहले उन्हें वापस बुला लिया गया।

नितीश को भेजा गया एसओएस इस बात का संकेत है कि वह दूसरा टेस्ट खेलेंगे या नहीं, यह अभी भी अटकलें हैं, लेकिन भारतीय टीम के बल्लेबाजी क्रम को लेकर काफी बहस चल रही है, जिसमें ईडन टेस्ट में छह बाएं हाथ के बल्लेबाज शामिल थे। नितीश दाएं हाथ के हैं, जो उनके पक्ष में काम कर सकता है, हालाँकि टीम प्रबंधन की विशेषज्ञों की बजाय ऑलराउंडरों को तरजीह देने के लिए आलोचना भी हुई है।

## भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाली महिला वनडे और टी-20 सीरीज स्थगित

ढाका, 18 नवंबर। बंगलादेश महिला टीम की भारत यात्रा को फ़िलहाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। इस सीरीज में दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेले जाने थे। बीसीबी के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को ईएसपीएन क्रिकइंफो से बात करते हुए इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि बोर्ड को बीसीसीआई से एक पत्र मिला है जिसमें कहा गया है कि इस सफ़ेद गेंद की सीरीज अब किसी और समय आयोजित की जाएगी। इस स्थगन की कोई औपचारिक वजह नहीं बताई गई है। लेकिन माना जा रहा है कि भारत और बंगलादेश के बीच मौजूदा राजनीतिक तनाव इस फैसले की अहम वजह रही। यह सीरीज आईसीसी के फ़्यूचर टूर्स प्रोग्राम का हिस्सा थी और डब्ल्यूपीएल के अगले संस्करण से पहले भारत की आख़िरी अंतरराष्ट्रीय सीरीज होती। यह मुक़ाबले कोलकाता और कटक में होने की उम्मीद थी। वनडे मुकाबले दोनों टीमों के लिए नई विमेंस वनडे चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत होती। इससे पहले इसी साल भारत पुरुष टीम टी20 और वनडे सीरीज को आगे बढ़ाकर सितंबर 2026 कर दिया गया था, जो मूल रूप से अगस्त 2025 में आयोजित होनी थी। उस समय बीसीसीआई ने कहा था कि यह फैसला दोनों बोर्ड के बीच बातचीत के बाद लिया गया है ताकि दोनों टीमों की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और शेड्यूलिंग को बेहतर तरीके से ध्यान में रखा जा सके। बीसीसीआई ने कहा था कि वह सितंबर 2026 में भारत का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। दौरे की नई तारीखें जल्द जारी की जाएंगी।

## वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन : हरमनप्रीत बनी अंतर्राष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर

जयपुर, 18 नवंबर। वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन 2025 का 10वां संस्करण इस वर्ष एक खास उपलब्धि के साथ आयोजित होने जा रहा है, जिसमें भारतीय महिला क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर अंतरराष्ट्रीय इवेंट एम्बेसडर की भूमिका निभाएंगी। वह 30 नवंबर, 2025 को जयपुर के महल रोड, एनआरआई चौराहा से इस मैराथन की औपचारिक फ्लैग-ऑफ समारोह में हिस्सा लेंगी। इस 10वें संस्करण में, वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन भारत के सबसे लोकप्रिय सामुदायिक फिटनेस आयोजनों में से एक के रूप में विकसित हो चुकी है। इस संस्करण में भारत और विदेश के 15,000 से अधिक धावक भाग लेंगे, जो सभी मिलकर वेदांता की प्रमुख मुहिम को आगे बढ़ाएंगे - जिसका उद्देश्य पोषण सुधार और स्वस्थ, समावेशी भविष्य का निर्माण करना है। हरमनप्रीत कौर की भागीदारी इस आयोजन में आकर्षण और उद्देश्य दोनों लेकर आएगी। भारत की सबसे प्रभावशाली खेल हस्तियों में से एक के रूप में उनकी उपस्थिति प्रतिभागियों को ऊर्जा प्रदान करेगी और फिटनेस, समानता तथा सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश और मजबूत करेगी। 'एनी बॉडी कैन रन' द्वारा आयोजित, वेदांता द्वारा समर्थित और फिनोवा कैपिटल द्वारा पॉवर्ड यह मैराथन सहनशक्ति, उद्देश्य और सामूहिक प्रयास का प्रतीक बनी हुई है। कौर की उपस्थिति इस आयोजन को विशेष रूप से युवाओं को फिटनेस अपनाने और सामाजिक विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी।

## 25वीं समर डेफ ओलंपिक : टोक्यो जापान में राजस्थान की बेटी ने नया वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया

नई दिल्ली, 18 नवंबर। 25वीं समर डेफोलम्पिक, 2025, जो कि टोक्यो जापान में आयोजित की जा रही 09 दिवसीय (दिनांक 15.11.2025 से 26.11.2025 तक) 10 मीटर एयर पिस्टल वूमन शूटिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान की खिलाडी अनुया प्रसाद ने 241.1 के स्कोर के साथ नया विश्व रिकॉर्ड कायम कर, पूरे भारत देश का नाम विश्व में रोशन किया। राजस्थान की इस बेटी ने सभी दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जो कि उक्त खिलाड़ी के लिये बहुत ही सम्मानजनक क्षण है। इसी प्रतियोगिता में साथी भारतीय महिला खिलाड़ी प्रान्जली प्रशान्त धूमल ने 236.80 स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में ईरान देश की खिलाडी महला समी ने 215.5 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। उक्त खिलाड़ी अनुया प्रसाद जयपुर में स्थित ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर में अभ्यासरत है। जगतपुरा शूटिंग रेंज ने राज्य व देश को कई राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय एवं ओलम्पिक स्तर के उत्कृष्ठ खिलाड़ी दिये है। आगे भी राजस्थान राईफल एसोसिएशन का प्रयास रहेगा की आगामी प्रतियोगिताओं में भी राज्य व देश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक दिलाकर राज्य व देश को गौरवान्वित करेंगे।

## यू.एस. पोलो एसन. जयपुर पोलो टीम का आधिकारिक परिधान साझेदार घोषित

जयपुर, 18 नवंबर। भारत की प्रतिष्ठित जयपुर पोलो टीम ने 2025-2026 पोलो सीजन के लिए यू.एस. पोलो एसन. को अपना आधिकारिक परिधान साझेदार नियुक्त किया है। इस साझेदारी के उपलक्ष्य में टीम ने नया अभियान 'स्ट्रॉन्गर टुगेदर' लॉन्च किया है, जो विरासत, उत्कृष्टता और एकता जैसे साझा मूल्यों को रेखांकित करता है। यह सहयोग दो संस्थानों-यू.एस. पोलो एसन. की शालीन शैली और जयपुर पोलो टीम की दृढ़ता व कौशल को एक मंच पर लाता है।

अभियान का मुख्य संदेश- एवरी गैलॉप। एवरी स्ट्राइक। एवरी हार्टबीट। टुगेदर, अनस्टॉपेबल। पोलो की मूल भावना को दर्शाता है, जहां टीमवर्क, विश्वास और रणनीति हर क्षण को परिभाषित करते हैं। यह दिखाता है कि कैसे यू.एस. पोलो एसन. के सदाबहार परिधान परंपरा और प्रदर्शन को मैदान के अंदर व बाहर सहजता से जोड़ते हैं। इस अभियान में प्रभावी कहानी कहने, फिल्में, अनुभवात्मक गतिविधियाँ और पूरे सीजन की सक्रियताएं शामिल होंगी। जयपुर के महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, कप्तान, जयपुर पोलो टीम ने कहा: मेरे लिए पोलो एक

जीवंत विरासत है जो मेरे परिवार के इतिहास को वर्तमान की ऊर्जा से जोड़ती है। यू.एस. पोलो एसन. के साथ हमारी साझेदारी परंपरा, जुनून और दृढ़ता जैसे साझा मूल्यों पर आधारित है। 'स्ट्रॉन्गर टुगेदर' के माध्यम से हम मैदान पर टीम की स्पिरिट और पीढ़ियों को जोड़ने वाले बंधनों का उत्सव मनाते हैं। मेरा विश्वास है कि यह सहयोग युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा और पोलो की भावना को और सशक्त बनाएगा।

## यश की शानदार गेंदबाजी से आर.डी. एकेडमी की एकतरफा जीत

जयपुर, 18 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज आर.डी. क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये मुकाबले में यश वर्मा 3.1 ओवर 1 मेडन 2 रन और 4 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत आर.डी. क्रिकेट एकेडमी ने डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया लेकिन डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से शान 20 रन ही दहाई की संख्या को पार कर सके। शेष बल्लेबाज यश वर्मा 2 रन पर 4 विकेट हिमांक सैनी 17 रन पर 2 विकेट अनिल कुमार व विजेन्द्र कुमार प्रत्येक 1-1 विकेट की किफायती गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की पूरी टीम 14.1 ओवर में 51 रन बनाकर सिमट गयी।

जवाबी पारी में आरडी क्रिकेट एकेडमी ने गर्भित व्यास 28 रन, अमन तिरूपाली 10 रन नाबाद की मदद से विजय लक्ष्य मात्र 9.3 ओवर में 3 विकेट खोकर 55 रन बनाकर हासिल कर लिया और 7 विकेट से जीत दर्ज कर ली। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच यश वर्मा आर.डी. क्रिकेट एकेडमी रहे।

## प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे चिराग-सात्विक

सिडनी, 18 नवंबर। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मंगलवार को सिडनी में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने राउंड ऑफ 32 के मैच में गैर-वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की जोड़ी चांग को-ची और पो ली-वेई को 48 मिनट में 25-23, 21-16 से हराया। भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने धीमी शुरुआत की और शुरुआती गेम में 6-2 से पिछड़ रही थी, लेकिन लगातार चार अंक बनाकर वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया। चांग को-ची और पो ली-वेई ने 9-7 के स्कोर पर फिर से बढ़त बना ली, लेकिन चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने वापसी जारी रखी और स्कोर 9-9 और फिर 16-16 पर बराबरी पर आ गए। 19-19 के स्कोर पर मुकाबला कड़ा हो गया, जहां शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने अपना धैर्य दिखाया और तीन गेम पॉइंट बचाकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। चिराग-सात्विक ने 7-4 की बढ़त बनाई, लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 8-8 कर लिया और फिर 10-8 से आगे हो गई।

## राजस्थान की शीर्ष अमेच्योर गोल्फर ईति ने प्रोफेशनल क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में पहला स्थान हासिल कर रचा इतिहास

जयपुर, 18 नवंबर। राजस्थान की शीर्ष अमेच्योर गोल्फर ईति चौधरी ने नोएडा में आयोजित प्रोफेशनल क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल -1 अंडर स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया।ईति चौधरी ने दो दिन के राउंड में क्रमशः -2 और का स्कोर कार्ड खेला ,जिससे उन्होंने क्वालिफाइंग राउण्ड को नम्बर का1 स्थान के साथ पूरा किया। कनोरिया कॉलेज, मनोविज्ञान (ऑनर्स) की छात्रा ईति मात्र 5 वर्ष की उम्र से अपने पिता एवं गोल्फ कोच मगन डूडी के मार्गदर्शन में गोल्फ की बारीकियाँ सीख रही हैं। अमेच्योर नेशनल्स में भी उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपना परचम लहराया। ईति राजस्थान की पहली लड़की हैं, जिन्होंने इंडिया गर्ल्स एंड विमेंस ओवरऑल की रैंकिंग में रहते हुए पीआरओ क्वालिफाई किया है-यह उपलब्धि हर गोल्फर का सपना होती है। ईति की सफलता का श्रेय उनके कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास को जाता है। वह प्रतिदिन 6-8 घंटे अभ्यास करते हुए अपनी पढ़ाई के साथ संतुलन बनाए रखती हैं। गोल्फ के साथ-साथ ईति अपने स्कूल की कैप्टन और बास्केटबॉल की भी एक उत्कृष्ट खिलाड़ी हैं। इस मुकाम तक ईति को पहुँचाने में राजस्थान के पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय अंशुमान सिंह के पुत्र और अंशुमान सिंह मेमोरियल ट्रस्ट के ट्रस्टी अरुण प्रताप सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जो स्वयं यूएसए में नियमित गोल्फ खेलते हैं। ईति चौधरी की इस सफलता में रामबाग गोल्फ क्लब और उनके पिता मगन डूडी का प्रेरणादायक और अत्यंत महत्वपूर्ण सहयोग रहा, जिसने उन्हें लगातार प्रोत्साहित किया।

# तीरंदाजी, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल में कुल 744 खिलाड़ी खेलेंगे

### भरतपुर में 200 खिलाड़ी लगाएंगे बॉक्सिंग में पंच तीरंदाजी जगतपुरा में, बैडमिंटन व बास्केटबॉल एसएमएस स्टेडियम में होंगे

जयपुर, 18 नवंबर। खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का आयोजन राजस्थान के 07 संभागों जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा एवं भरतपुर में 24 नवंबर से 5 दिसम्बर तक किया जा रहा है। इन गेम्स में 24 खेलों को शामिल किया गया है, जिसमें 23 पदक खेल एवं एक खेल खो-खो को प्रदर्शन खेल के तौर पर शामिल किया गया है। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् डा. नीरज के. पवन ने बताया कि तीरंदाज़ी, बैडमिंटन, बॉक्सिंग व बास्केटबॉल में कुल 744 पुरूष व महिला खिलाडी भाग लेंगे। इन खेलों में से सर्वाधिक 200 खिलाडी बॉक्सिंग में पंच लगाते दिखाई देंगे।

उन्होंने बताया कि जगतपुरा शूटिंग रेंज, जयपुर में तीरंदाजी और सवाई मानसिंह स्टेडियम के बैडमिंटन हॉल में बैडमिंटन का आयोजन 24 से 28 नवंबर तक होगा, बॉक्सिंग का आयोजन भरतपुर में 1 से 5 दिसंबर तक, जबकि बास्केटबॉल का आयोजन सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम, जयपुर में 1 से 5 दिसंबर तक किया जाएगा। डा. नीरज के. पवन ने बताया कि तीरंदाजी स्पद्र्धा में रिकर्व और कंपाउंड दोनों तरह की इवेंट होंगी। रिकर्व में 80 महिला व 80 पुरूष खेलेंगे, वहीं इतने ही तीरंदाज कंपाउंड में भी निशाना साधेंगे। एक टीम में 4 खिलाडी खेलेंगे, जबकि शेष के टॉप 8 विष्वविद्यालयों के तीरंदाज इसमें पदक के लिये दावा पेश करेंगे। इसी प्रकार बैडमिंटन में 192 शटलर अपना भाग्य आजमाएंगे, जिसमें 16 पुरूष व 16 ही महिला वर्ग की टीम भाग लेंगी। इसमें केवल टीम स्पद्र्धा ही आयोजित होंगी। पुरूषों की प्रत्येक टीम में 7 खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि महिला वर्ग की प्रत्येक टीम में 5 खिलाड़ी होंगी।

उन्होंने बताया कि बास्केटबॉल में कुल 192 खिलाड़ी खेलेंगे। 8 पुरूष व 8 महिला टीमों में प्रत्येक टीम में 12 खिलाड़ी होंगे। बॉक्सिंग में 200 मुक्केबाज पंच लगाएंगे। इसमें 104 पुरूष व 96 महिला मुक्केबाज खेलेंगी। पुरूषों में 46-48 किग्रा, 51-54 किग्रा, 54-57 किग्रा, 57-60 किग्रा, 60-63.5 किग्रा, 63.5-67 किग्रा, 67-71 किग्रा, 71-75 किग्रा, 75-80 किग्रा, 80-86 किग्रा, 86-92 किग्रा और 92 किग्रा से अधिक बॉक्सिंग इवेंट शामिल हैं। महिलाओं में 50-52 किग्रा, 52-54 किग्रा, 54-57 किग्रा, 57-60 किग्रा, 60-63 किग्रा, 63-66 किग्रा, 66-70 किग्रा, 70-75 किग्रा, 75-81 किग्रा और 81-81 से अधिक किग्रा की स्पद्र्धाएं शामिल हैं।

## कियाना ने कॉमनवेल्थ शतरंज में स्वर्ण जीता

उदयपुर, 18 नवम्बर। राजस्थान में उदयपुर की कियाना परिहार ने रविवार को मलेशिया के कुआलालम्पुर में सम्पन्न हुई कॉमनवेल्थ शतरंज चैम्पियनशिप- 2025 में 10 वर्षीय आयुवर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। कियाना ने ब्लिट्ज में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कुआलालम्पुर में आठ से 17 नवम्बर तक आयोजित इस 10 दिवसीय प्रतियोगिता में 30 देशों के 900 शतरंज खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गो की प्रतिस्पर्धा में शिरकत की। कियाना के पिता जितेन्द्र परिहार ने मंगलवार को यहां पत्रकारों को बताया कि कियाना ने ब्लिट्ज खिताब के साथ ही क्लासिकल प्रारूप में कांस्य पदक भी जीता। इस उपलब्धि के साथ ही कियाना ने अब तक 10 अन्तरराष्ट्रीय पदक जीते हैं। इससे पहले कियाना ने वैश्विक स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए कजाखस्तान के अल्माटी में आयोजित हुई वर्ल्ड कैडेट शतरंज चैम्पियनशिप - 2025 में 10 वर्ष आयु वर्ग में कांस्य पदक जीता। साथ ही ग्रीस के रोड्स में आयोजित वर्ल्ड यूथ ब्लिट्ज शतरंज चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता। इससे वह विश्व स्तर की प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली राजस्थान की पहली खिलाड़ी बनी।

## राजस्थान ने अरुणाचल प्रदेश को 4-1 से हराया

जयपुर, 18 नवंबर। जुनियर बालिका वर्ग राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता टियर 1 में जो कि आंध्रप्रदेश के अनंतपुरारम में आयोजित हो रही है। जिसमें आज दिनांक 18/11/2025 सायं 3:30 बजे राजस्थान का पहला मैच अरुणाचल प्रदेश के साथ खेला गया। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया की राजस्थान टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और मैच के 9 वे मिनट में ही राजस्थान टीम की ओर से जर्सी नंबर 6 साक्षी ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश ने मध्यांतर से पहले 45वे मिनट गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद राजस्थान टीम ने दूसरे हाफ में जवाबी हमला करते हुए 56वे मिनट में आफरीन बानो ने गोल कर राजस्थान को बढ़त दिला कर स्कोर 2-1 कर दिया। और इसके बाद राजस्थान टीम ने आक्रमण ओर तेज कर दिए और मैच के 64 वे मिनिट में जर्सी नंबर 17 में खेल रही भानु प्रिया ने गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। इसके जवाब में अरुणाचल प्रदेश की टीम ने कई जवाबी हमले किए परन्तु राजस्थान टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उनके हमले नाकामयाब कर दिये। मैच के 72वे मिनट में भानु प्रिया ने राजस्थान टीम की ओर से एक और गोल कर दिया और इसके बाद मैच के अंतिम समय में 77 वे मिनिट में राजस्थान टीम की ओर से जर्सी नंबर 11 में खेल रही मंजू ने गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। राजस्थान टीम ने मैच में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। राजस्थान की मंजू को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

# दिल्ली 296 रन पर सिमटी, पहली पारी में 274 रन से पिछड़ी

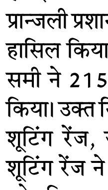

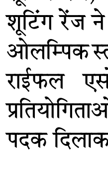

राजसमंद, 18 नवंबर। दिल्ली की तरफ तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक बनाये लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। दिल्ली की टीम राजस्थान के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच में मंगलवार को 296 रन पर सिमट गयी और राजस्थान से पहली पारी में 274 रन के बड़े अंतर से पिछड़ गयी। राजस्थान ने अपनी पहली पारी सात विकेट पर 570 रन के विशाल स्कोर पर घोषित की थी और अब उसका पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल करना तय हो गया है। दिल्ली की तरफ से अर्पित राणा ने 62, वैभव कांडपाल ने 62, प्रणव राजवंशी ने 57 और सिद्धांत शर्मा ने 46 रन बनाये। राजस्थान की तरफ से कुकना अजय सिंह और जयदीप सिंह ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि अनिकेत चौधरी और अशोक शर्मा को दो-दो विकेट मिले।

**अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी राजस्थान-पॉन्डिचेरी मैच (तीसरे दिन राजस्थान मजबूत)**

जयपुर में जैपुरिया ग्राउंड पर खेले जा रहे राजस्थान पॉन्डिचेरी मैच के तीसरे दिन का खेल :- **राजस्थान के गेंदबाज नावेद खान ने टीम के लिए 35/4 विकेट लेकर 51 रन बनाये।**

पॉन्डिचेरी पहली पारी 314 आल आउट।राजस्थान पहली पारी 338 आल आउट। टीम के लिए कुशाग्र ओझा 66, जयवर्धन सिंह 48, ओसनिक ग्रोवर 30, आदित्य सैनी 49,नावेदखान 51, कविश घुणावत 24, जतिन 28रन।पॉन्डिचेरी के गेंदबाज सुरेंद्र बिश्नोई 51/5 व शिवा 32 /3 विकेट।पॉन्डिचेरी दूसरी पारी 137 आल आउट।तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान के गेंदबाजों ने पॉन्डिचेरी की दूसरी पारी मात्र 137 रनो के स्कोर पर समेट दी।राजस्थान के गेंदबाज नावेद खान 35/4, जतिन 27/3, हनी प्रताप, अभिषेक प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त किये।

**राज्य सीनियर टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी**

**पहला मैच** टीम बी - टीम डी (टीम डी जीती), टीम बी पारी 95 आल आउट। टीम के लिए जयंत 32, भवानी 31 रन।टीम डी के गेंदबाज रामेश्वर ग्यारी 11/4, विश्वजीत सिंह 31/3 विकेट। टीम डी पारी 96/5, टीम के लिए पुनीत मिश्रा 38 , युवराज सिंह 25 रन।टीम बी के गेंदबाज दुष्यंत कच्छावा 16 / 2 व राजीव 40 / 2 विकेट। **दूसरा मैच** टीम सी - टीम ऐ (टीम ऐ जीती) ,टीम सी पारी 156/5,टीम के लिए मनेंद्र सिंह 86, राहुल तोमर 31 रन।टीम ऐ के गेंदबाज पुलकित गुप्ता 29/2 विकेट।टीम ऐ पारी 157 / 5, टीम के लिए समरजीत सिंह 49, पुखराज कुमार 41, सचिन शर्मा नाबाद 29 रन,टीम सी के गेंदबाज ऋतिक 33/2 विकेट।

# प्रधानमंत्री आज किसान सम्मान निधि की किश्त बैंक खातों में स्थानांतरित करेंगे

## मुख्यमंत्री भजनलाल दुर्गापुरा से इस समारोह में शामिल होंगे, सभी जिलों में भी कार्यक्रम आयोजित होंगे

- **प्रधानमंत्री किसान सम्मान की अब तक जारी हुई 20 किश्तों में राजस्थान के कृषकों को 25 हजार 142 करोड़ रूपए की राशि हस्तांतरित हो चुकी है।**

जयपुर, 18 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवम्बर को 'पीएम-किसान उत्सव दिवस' के अवसर पर पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किश्त किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित करेंगे। इस अवसर पर आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुरा से शामिल होंगे। साथ ही, राज्य के सभी जिलों में भी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरूआत से लेकर अब तक 20 किश्त जारी की जा चुकी हैं। जिससे राज्य के कृषकों को 25 हजार 142 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित हुई है। साथ ही, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अब तक 4 किश्तों के माध्यम से 2 हजार 73 करोड़ रुपये की राशि भी राज्य के किसानों के खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है।

कार्यक्रम के तहत पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से राज्य के 66 लाख 62 हजार किसानों को 1 हजार 332 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की राशि तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है। राजस्थान में किसानों को अतिरिक्त राहत प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू है, जिसके अंतर्गत पीएम किसान सम्मान निधि योजना के सभी पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 3 हजार रुपये की अतिरिक्त राशि दी जा रही है।

## बिहार ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

विधायक दल की बैठक की निगरानी और नेतृत्व चयन प्रक्रिया पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी गई है। यह टीम विधायकों की राय जुटाने के साथ ही, अगले नेता के चयन की प्रक्रिया को सुचारु बनाने में मदद करेगी। सूत्रों के मुताबिक राजग के अन्य दल भी अपना नेता चुनेंगे। इसके बाद राजग विधायकों की एक बैठक में नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुना जा सकता है। जिसके बाद कुमार राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

## अल ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) से मान्यता प्राप्त होने का फर्जी दावा किया, जिससे छात्रों, अभिभावकों और अन्य स्टेकहोल्डर्स को भ्रमित कर गलत तरीके से लाभ कमाया गया। एफआईआर में यह भी उल्लेख है कि विश्वविद्यालय ने यूजीसी एक्ट, 1956 की सेक्शन 12(ब) के तहत मान्यता प्राप्त होने का झूठा दावा फैलाया, जबकि वास्तव में यूजीसी ने स्पष्ट किया है कि अल फलाह यूनिवर्सिटी केवल सेक्शन 2(एफ) के अंतर्गत, राज्य के निजी विश्वविद्यालय के रूप में शामिल है।

# सऊदी में ही दफन होंगे 45 भारतीय ज़ायरीनों के शव

## तेलंगाना सरकार हर व्यक्ति के परिवार से दो लोगों को सऊदी अरब भेजेगी

- **सऊदी अरब के नियमों के अनुसार उमराह शुरु करने से पहले ज़ायरीन घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करते हैं कि उनकी मृत्यु सऊदी में हो जाए तो उन्हें वहीं दफनाया जाए।**
- **सऊदी नियमों के अनुसार मृतकों के परिजनों को मुआवज़ा मिलना भी मुश्किल है इसमें लंबी कानूनी प्रक्रिया करनी पड़ती है।**

रियाद, 18 नवम्बर। सऊदी अरब के मक्का-मदीना हाईवे पर हुए भीषण बस हादसे ने भारत के कई परिवारों को गहरा सदमा पहुंचाया है। यह दुर्घटना तब हुई, जब उमराह के लिए जा रही यात्रियों से भरी एक बस को पीछे से एक तेज रफ्तार फ्यूल टैंकर ने टक्कर मार दी। इस भयानक हादसे में 45 भारतीय नागरिकों की जान चली गई, जिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे और इनमें से अधिकतर हैदराबाद के रहने वाले थे। इस दुखद घटना के बाद तेलंगाना मंत्रिमंडल ने एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील फैसला लिया है कि मारे गए लोगों के पार्थिव शरीर को अब भारत नहीं लाया जाएगा।

तेलंगाना सरकार ने घोषणा की है कि बस हादसे में जान गंवाने वाले 45 भारतीय तीर्थयात्रियों के शवों को, उनके धार्मिक रिवाजों के अनुसार, सऊदी अरब में ही दफनाया जाएगा। यह निर्णय सऊदी अरब के कानून और हज एवं उमराह मंत्रालय के नियमों को देखते हुए लिया गया है। नियमों के मुताबिक, जो तीर्थयात्री यात्रा शुरू करने से पहले घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करते हैं, उनकी मृत्यु सऊदी की जमीन पर होने पर शवों को वहीं दफनाया जाता है।

सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए एक भावुक कदम उठाया है। हर मृतक परिवार से दो सदस्यों को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सऊदी अरब भेजा जाएगा। भारत सरकार रियाद में भारतीय दूतावास के जरिए स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि सभी औपचारिकताओं को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके।

मृतक परिवारों को तुरंत मुआवजा मिलना भी काफी कठिन है। सऊदी अरब में सड़क दुर्घटनाओं में सरकार की ओर से कोई सीधा मुआवजा नहीं दिया जाता। मुआवजा तभी मिल सकता है, जब पुलिस की जांच में यह साबित हो जाए कि दुर्घटना टैंकर ड्राइवर या उसकी कंपनी की गलती से हुई थी। गलती साबित होने के बाद भी परिवार को कानूनी दावा दायर करना होगा।

## थरुर ने फिर ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

रविशंकर प्रसाद के साथ बड़े सौहार्दपूर्ण ढंग से बैठे दिखाई दे रहे थे। उनके दूसरी ओर कांग्रेस छोड़ चुके गुलाम नबी आजाद बैठे थे।

थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण का एक बड़ा हिस्सा "मैकाले की 200 साल पुरानी गुलाम मानसिकता की विरासत को उलटने "पर केन्द्रित था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की विरासत, भाषाओं और ज्ञान परंपरा में स्वाभिमान लौटाने के लिए 10 साल का राष्ट्रीय अभियान चलाने की अपील की।

थरूर ने कहा, "कुल मिलाकर, प्रधानमंत्री का भाषण आर्थिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक आ ान, दोनों का मिला-जुला रूप था, जिसने देश को विकास के लिए बेचैन रहने का आग्रह किया। मुझे कार्यक्रम में उपस्थित होकर खुशी हुई..."

प्रधानमंत्री 19वीं सदी के ब्रिटिश सांसद थॉमस बैबिंगटन मैकाले का जिक्र कर रहे थे, जो 1834 में भारत आए थे और जिन्हें देश में पश्चिमी शिक्षा प्रणाली की शुरुआत का श्रेय दिया जाता है, जिसमें पूरे देश के सभी स्कूलों में अंग्रेजी को अधिकारिक भाषा बनाना भी शामिल था।

प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत की पुरानी शिक्षा प्रणाली में हमें अपनी संस्कृति पर गर्व करना सिखाया जाता था। पढ़ाई के साथ कौशल भी सिखाया जाता था। इसलिए मैकाले ने भारत की शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ को तोड़ने का फैसला किया... और वह इसमें सफल रहा।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "मैकाले ने यह सुनिश्चित किया कि उस दौर में ब्रिटिश भाषा और ब्रिटिश सोच को ज़्यादा मान्यता मिले, और भारत को इसकी क़ीमत सदियों तक चुकानी पड़ी। उसने हमारा आत्मविश्वास तोड़ा और हमें हीन भावना से भर दिया।"

थरुर द्वारा की गई प्रधानमंत्री के भाषण की प्रशंसा भी कांग्रेस नेताओं को पसंद आने की संभावना कम है, क्योंकि यह पहला अवसर नहीं है, जब उन्होंने प्रधानमंत्री की इतनी खुलकर तारीफ़ की है।

चार बार सांसद रहे थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ महीनों में तेज़ी से बिगड़े हैं, खासकर तब से, जब अप्रैल 22 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्हें सरकार के प्रतिनिधिमंडल में विपक्ष का चेहरा बनाया गया था।

थरूर ने अमेरिका और चार अन्य देशों के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था और वापस लौटने पर उनकी मुलाकात सौहार्दपूर्ण (दोस्ताना) अन्दाज़ में प्रधानमंत्री से हुई थी, जिसके बाद उनके दल बदलने की अटकलें और तेज हो गई थीं।

## 'अमेरिका के ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

जाती है, लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता कि रिश्तों में कोई गतिरोध है। दोनों देशों के बीच संबंध बहुत महत्वपूर्ण और रणनीतिक बने हुए हैं।"

गोयल ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका के साथ हाल ही में हुआ एलपीजी आयात समझौता कई वर्षों का हो सकता है, जो दोनों देशों की मजबूत मित्रता और बढ़ती साझेदारी को दर्शाता है। उन्होंने कहा, "हमने अभी-अभी एक बड़ा एलपीजी समझौता किया है, जिसके तहत हर साल 2.2 मिलियन टन एलपीजी का आयात लम्बे समय तक किया जाएगा। यह एक जारी रहने वाली प्रक्रिया है और दोनों देश परस्पर व्यापार और वाणिज्य बढ़ाने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं।" यह वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने और रूसी कच्चे तेल पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के बाद, दोनों देशों के बीच के संबंध बहुत तनावपूर्ण हो गये थे। प्रस्तावित व्यापार समझौते का लक्ष्य दोनों देशों के बीच व्यापार को वर्तमान 191 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक करना है। अमेरिका, भारत के बाजार में बादाम, पिस्ता, सेब, एथेनॉल और जेनेटिकली मॉडिफाइड उत्पादों जैसे सामानों की अधिक पहुंच बनाना चाहता है। वर्ष 2024-25 में, अमेरिका लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा तथा दोनों देशों के बीच 131.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ, जिसमें 86.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात शामिल है। यह भारत के कुल माल निर्यात का लगभग 18 प्रतिशत, आयात का 6.22 प्रतिशत और कुल व्यापार का 10.73 प्रतिशत है।

## 'राहुल ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

सिर्फ दिखावा और ध्यान भटकाने की रणनीति में ही रुचि रखते हैं।

मुख्य समस्या यह है कि राहुल गांधी व्यवहारिक नेता नहीं हैं। वे चुनावों की बारीकियों को संभालने या रणनीति बनाने में उस स्तर पर सक्रिय नहीं हैं, जैसा भाजपा के बड़े नेता करते हैं। उन्हें उनकी ही रणनीति में मात देना राहुल गांधी के लिए बहुत बड़ा और कठिन काम है, जिसके लिए न उनके पास धैर्य है, और न ही राजनीतिक कौशल।

और दुख की बात यह है कि उनके पास ऐसे समर्पित लोग भी नहीं हैं, जो इस काम को संभाल सकें।

## 20 नवंबर को दसवीं ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

से रहेंगे। चिराग पासवान की एलजेपी (आरवी) को दो मंत्री मिलने की संभावना है, जबकि एचएएम-एस और आरएलएम को एक-एक पद मिलेगा। खबरों के अनुसार, चिराग तीन पदों की मांग कर रहे हैं किन्तु उन्हें कम पर सहमत करवाने की कोशिश जारी है। नए मंत्रिमंडल में लगभग आधा दर्जन नए चेहरे शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा भी होंगे, जो महनार सीट से जीते हैं।

गौरतलब बात यह है कि नए मंत्रिमंडल में जेडीयू की हिस्सेदारी पहले से काफी अधिक होगी। पिछली सरकार में भाजपा के बाईस मंत्री थे, जबकि जेडीयू के सिर्फ बारह। इस बार दोनों दल लगभग बराबरी पर हैं। 243 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 89 विधायक हैं, जेडीयू के 85, एलजेपी (आरवी) के 19, एचएएम-एस के पाँच और आरएलएम के चार। पिछली विधानसभा में भाजपा के पास 74 सीटें और जेडीयू के पास 43 सीटें थीं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री के साथ कुल 20 मंत्रियों के शपथ लेने की संभावना है। इनमें भाजपा और जेडीयू में से प्रत्येक के लगभग 6-7 मंत्री शामिल होंगे। इसके अलावा एलजेपी (आरवी) के दो मंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आएलएम) से भी एक-एक मंत्री शपथ लेंगे।

देश भर के नेताओं की मौजूदगी में, 20 नवंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में होने वाला नीतीश कुमार का शपथ ग्रहण समारोह बड़े स्तर पर होगा, पर इतने बड़े स्तर पर होने वाला यह पहला समारोह नहीं है। 2005 के बाद से हुए चुनावों के बाद, उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ चार बार ली है, जिनमें से तीन बार शपथ ग्रहण समारोह गांधी मैदान में ही हुआ है। यह स्थल स्वतंत्रता पूर्व से ही बड़े और महत्वपूर्ण आयोजनों का साक्षी रहा है।

20 नवंबर के शपथ-ग्रहण समारोह में नीतीश दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

आरिफ़ मोहम्मद, नीतीश कुमार को शपथ दिलाने वाले पिछले ढाई दशक में आठवें राज्यपाल होंगे। वर्ष 2000 में वी.सी. पांडे ने उन्हें पहली बार शपथ दिलाई थी, और 20 नवंबर 2025 को आरिफ़ मोहम्मद खान शपथ दिलाएंगे। इन वर्षों में बूटा सिह, देवानंद कोंवर, रामनाथ कोविंद, केसरी नाथ त्रिपाठी, फागू चौहान और राजेन्द्र विशाल अरलेकर भी उन्हें शपथ दिला चुके हैं। 2015 के बाद, अक्सर परिवर्तित हुए राजनैतिक गठजोड़ों के कारण, त्रिपाठी और चौहान ने उन्हें दो-दो बार शपथ दिलाई थी।

## 'एआई ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

पर अपनी राय दी है। लेकिन वित्तीय इतिहास बताता है कि ऐसी कोई भी बड़ी गिरावट व्यापक आर्थिक संकट का कारण बन सकती है।

हालांकि पिचाई ने अपने शब्दों में क्या संकेत दिया है यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह मानना गलत नहीं होगा कि ए.आई. क्षेत्र में कोई अचानक रुकावट आई, तो इसका असर तेजी से पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है और एक गंभीर वित्तीय संकट भी पैदा हो सकता है।

यह और भी संभव है क्योंकि आज के वित्तीय बाज़ार और अर्थव्यवस्थाएँ पहले से कहीं ज्यादा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए, जैसा पिचाई संकेत देते हैं, बेहतर होगा कि हम संभलकर आगे बढ़ें और उम्मीद रखें कि हालात अच्छे रहें।

ट्रस्ट
वेरिफाइड कार हिस्ट्री**
3 फ्री सर्विसेज** 5000 से अधिक मारुति सुजुकी सर्विस स्टेशनों पर उपलब्ध

क्वालिटी
376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स
1 साल तक की वारंटी**

यहाँ ऐप डाउनलोड करें।

TRUE VALUE CERTIFIED

पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com

**Jaipur: E-101, Road No. 8, Vkia Area, Jaipur,** Prem Motors: 8058791634, 8058794187, 8058794102, 8058794177 | **Chitrakoot Marg, Satya Colony, Tagore Nagar, Jaipur,** Auric Motors: 8690988784,8890988912, 8690988758 | **E-197(A), RIICO Industrial Area, Mansarovar, Jaipur,** KP Automotives: 9549651769, 9116190346 | **B 1 Govind Marg, Rajapark Opp. Pink Square Mall,** KP Automotive: 9549851770, 9116190344 | **A-209, Rajendra Prasad Nagar, 200ft Bypass, Ajmer Road, Jaipur,** Satnam MotoCorp: 7413900007, 7413900009, 7821823626, 8290654400, 7568249500, 9358868371 | **13 Jhotwara Industrial Area, Near Jhotwara Police Station, Jaipur,** KTL: 7412068475, 7412077170. | **Sector-35,Pratap Nager, Tonk Road, Jaipur,** Sanga Autonation Pvt Ltd.: 9057809180| **Padmawati Colony- II, opposite Metro Pillar No 25, Mansarover Metro Station Jaipur,** Vipul Motors Pvt. Ltd.: 9829333522, 9829351470, 9079191348. **Alwar: Near Alwar Public School, Jaipur Road, Alwar,** MG Motors: 7240012934, 7728892248, 7073130666 | **Opposite Matila police station Alwar bypass Road Bhiwadi,** Fortune Cars: 8875001550, 9214094335 | **Manhar Villa, Near Jail Circle, Vijay Nagar Road, Alwar,** Fortune Cars: 7230029310, 7230029304.

*नियम एवं शर्तें लागू। विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया निकटतम डीलरशिप पर संपर्क करें। **वेरिफाइड कार हिस्ट्री और वारंटी केवल ट्रू वैल्यू प्रमाणित कारों पर लागू। निःशुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। दर्शाई गई छवियाँ केवल प्रतिनिधिक उद्देश्य के लिए हैं।


राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908